जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 159 प्रभात कोटा, बुधवार 25 मार्च, 2026 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका व ईरान के बीच मैसेज का आदान-प्रदान कैसे हो रहा है?

संकेत हैं कि मिस्र, पाकिस्तान व खाड़ी देश, संदेशों के आदान-प्रदान में बिचौलिए का काम कर रहे हैं

- पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने टर्की के विदेश मंत्री से सोमवार को बातचीत की। इसी प्रकार मिस्र के विदेश मंत्री ने भी पाकिस्तान के विदेश मंत्री से वार्ता की।
- पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने ट्रंप से रविवार को बातचीत की तथा पाकिस्तान के प्र.मंत्री शहबाज़ शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन से बात की तथा दोनों ग्रुप के बीच बिचौलिए की भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया तथा बातचीत पाकिस्तान में आयोजित करने का सुझाव भी दिया।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। मध्य-पूर्व में अपने सहयोगी देशों के बीच चल रहे युद्ध के बीच संतुलन बनाकर चल रहा पाकिस्तान अब ईरान और उसके विरोधियों, अमेरिका और इज़रायल, के बीच शांति स्थापित करने के लिए खुद को प्रमुख मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, इसके लिए इस्लामाबाद अपने सेना प्रमुख के तेहरान से संबंधों और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ अच्छे रिश्तों का इस्तेमाल कर रहा है।

अब तक पाकिस्तान ने ईरान पर हुए हमलों की निंदा करते हुए, साथ ही तनाव कम करने की अपील करके, एक सतर्क कूटनीति अपनाई है। लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, अब पाकिस्तान ने ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और ईरान के बीच बातचीत के लिए इस्लामाबाद को एक संभावित स्थान के तौर पर पेश किया है, और बातचीत इसी हफ्ते हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने रविवार को राष्ट्रपति ट्रंप से बात की, जबकि प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज़ शरीफ ने सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन से बातचीत की। शरीफ और पेज़ेश्कियन के बीच यह बातचीत उसी समय हुई, जब ट्रंप ने ईरान के पावर प्लांट्स को पूरी तरह नष्ट करने की अपनी धमकी को टालने की घोषणा की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि उन्होंने युद्ध खत्म करने के लिए तेहरान के साथ बहुत अच्छी और सकारात्मक बातचीत के बाद अपनी धमकी को रोक दिया। हालांकि ईरान ने इस दावे को खारिज कर दिया। लेकिन तेहरान ने यह माना कि कुछ क्षेत्रीय देश मध्यस्थता की कोशिशों में शामिल हैं।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने सरकारी मीडिया आईआरएनए से कहा, "पिछले कुछ दिनों में कुछ मित्र देशों के माध्यम से संदेश मिले, जिनमें युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका की बातचीत की इच्छा जताई गई थी। इन पहलों का जवाब देश की मूल नीतियों के अनुसार दिया गया है।" प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य की स्थिति और युद्ध समाप्त करने की शर्तों को लेकर ईरान के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

ईरान की संसद के स्पीकर एम.बी. ग़ालिबाफ़ ने भी कहा कि अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने कहा, "फर्जी खबरों का इस्तेमाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने मोदी से फोन पर बात की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। पश्चिम एशिया संकट को समाप्त करने के लिए अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच संभावित वार्ता की खबरों के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की।

- भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जिओ गोर ने एक्स पर यह जानकारी दी और कहा, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट पर बात की।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जिओ गोर ने एक्स पर कहा कि दोनों नेताओं ने "मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज़ स्ट्रेट को खुला रखने के महत्व" पर भी बात हुई।

ट्रंप-मोदी की यह बातचीत उस बयान के एक दिन बाद हुई है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि "मिडिल ईस्ट में शत्रुता को पूरी तरह खत्म करने के लिए बहुत अच्छी और सकारात्मक बातचीत" चल रही है।

गोर की एक्स पोस्ट से कुछ घंटों पहले, ब्रिटेन के अखबार "फायनेंशियल टाइम्स" ने दावा किया कि पाकिस्तान अमेरिका-इज़रायल-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर आईजी पर भूमाफिया के सहयोगी होने का आरोप

कोर्ट के आदेश पर पीड़ित गोपाललाल भील ने सुखेर थाने में आईजी गौरव श्रीवास्तव सहित कई अन्य पुलिस अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई

- आरोप है कि पीड़ित द्वारा 2.09 करोड़ रुपए में खरीदी गई जमीन को हेमंत शर्मा नाम के व्यक्ति को दिलाने के लिए पुलिस ने गोपाललाल को बंधक बनाया और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर "एग्रीमैंट" बनवाकर रजिस्ट्री करवा ली।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 24 मार्च। उदयपुर पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) गौरव श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक राजेश यादव, सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण, हैडकांस्टेबल नीतेश मेनारिया और कांस्टेबल सुमेर झाकड़ समेत, अन्य पुलिसकर्मियों पर आरोप है कि उन्होंने भूमाफियाओं को ज़मीन कब्जा करवाई। पीड़ित गोपाललाल भील ने एससी-एसटी कोर्ट के इस्तगासे पर सुखेर थाने में मामला दर्ज करवाया है। उसका कहना है कि पुलिस के इन तमाम अधिकारियों ने 2.09 करोड़ रुपए में उसके द्वारा खरीदी हुई ज़मीन को जबरन बंधक बनाकर हेमंत शर्मा नाम के व्यक्ति के डमी खरीददार गुमानाराम के नाम पर रजिस्ट्री तक करवा दी।

गोपाललाल का कहना है कि उसने 0.10 रकबा भूमि 15 अक्टूबर 2025 को खातेदार कुकीबाई, चम्पाराम, नाबालिग पूनिया कुमारी की संरक्षक कुकी बाई से 2.09 करोड़ रुपए में खरीदी थी। जब वह इस ज़मीन पर कब्जा लेने और वहां साफ-सफाई के लिए जेसीबी मशीन लेकर पहुंचा तो आरोपी हेमंत शर्मा, सतीश जांगिड़, इरफान, कुलदीप पालीवाल, दिनेश सोनी और बृज कुमावत ने मौके पर आकर जातिसूचक शब्दों के साथ गाली-गालौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। सूचना पर सुखेर थाना पुलिस मौके पहुंची, लेकिन भूमाफियाओं पर कार्रवाई के बजाय, उसके परिचित अनवर, कालू, जसवंत और अफरोज़ को ही पुलिस जीप में बैठाकर थाने ले गई।

गोपाललाल का शिकायत में कहना है कि, उसने अपनी ज़मीन खरीद के कागजात भी सुखेर थानाधिकारी को दिखाए, लेकिन उन्होंने कागजातों को उचित मानने के बजाय, उसके सहयोगियों अनवर, कालू, जसवंत और अफरोज़ को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट से जमानत पर रिहाई के बाद भूमाफियाओं ने गोपाललाल भील को जान से मारने की धमकी तक दे डाली। उन्होंने उसे राजनैतिक पहुंच और ऊंची रसूख की धमकी भी दी। एफ.आई.आर. में कहा गया है कि आरोपी हेमंत शर्मा ने धमकाते हुए कहा कि ऐसे झूठे मुकदमों में फंसाएंगे कि जिंदगी भर जेल में रहोगे।

एफ.आई.आर. में गोपाललाल भील ने कहा है कि सुखेर थाना पुलिस ने इस ज़मीन के पूर्व खातेदारों कुकीबाई, चम्पाराम, नाबालिग पूनिया कुमारी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'धनखड़ के ईस्तीफे का असली कारण है ईडी फाइल्स'

शिव सेना सांसद संजय राउत ने अपनी किताब "अनलाइकली पैरडाइज़" में दावा किया

- राउत ने लिखा है कि धनखड़ को ईडी की धमकी देकर ईस्तीफे के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि धनखड़ के स्वतंत्र फैसले एनडीए सरकार को रास नहीं आ रहे थे।
- राउत की किताब मूलतः मराठी में है और मंगलवार को इसके अंग्रेजी संस्करण का विमोचन हुआ। कार्यक्रम में कपिल सिब्बल, आप प्रमुख अरविन्द केजरीवाल तथा तृणमूल सांसद डैरेक ओ ब्रायन मौजूद थे।
- पुस्तक में राउत ने कहा है कि अफवाह थी कि धनखड़ व उनकी पत्नी ने अपना जयपुर स्थित घर बेचा था और इससे प्राप्त कुछ राशि विदेश भेजी थी। ईडी उन पर नज़र रखे हुए थी तथा उनकी फाइल तैयार कर रही थी।
- जब धनखड़ के स्वतंत्र फैसलों पर भाजपा में असंतोष फैला तो ईडी की फाइल के जरिए उनसे ईस्तीफा लिया गया, हालांकि कहा गया कि उन्होंने बीमारी के कारण ईस्तीफा दिया, पर, हाल ही में धनखड़ ने खुद इसका खंडन किया और कहा, मैंने सिर्फ ये कहा था, मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रहा हूँ, सभी को यह करना चाहिए।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने अपनी किताब के अपडेटेड संस्करण में दावा किया है कि जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार ने एन्फोर्समैंट डायरेक्ट्रेट (ईडी) और अन्य केन्द्रीय जाँच एजेंसियों के जरिए दबाव डाला था।

धनखड़ ने पिछले साल जुलाई में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा दे दिया था, लेकिन इस मुद्दे पर उन्होंने ज्यादातर चुप्पी साधे रखी। हाल ही में उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा नहीं दिया था। धनखड़ ने पिछले महीने चुरू के सादुलपुर कस्बे में कहा था, "मैंने सिर्फ इतना कहा था कि मैं अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रहा हूं, जो हर किसी को देनी चाहिए।" अपनी किताब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के चाचा रामचरण लाल का निधन

जयपुर, 23 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के चाचाजी रामचरण लाल शर्मा का मंगलवार को निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और मानसरोवर स्थित अमर हॉस्पिटल में उनका उपचार चल रहा था।

- वे मानसरोवर स्थित अमर अस्पताल में भर्ती थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मानसरोवर अस्पताल में अपने चाचाजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने परिवारजनों को ढ ांढ स बंधाया और दुख की इस घड़ी में हिम्मत बनाए रखने की बात कही। परिजनों और नजदीकी लोगों के साथ मुख्यमंत्री कुछ समय तक अस्पताल में रहे और सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री के इस दौरे के दौरान प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

'भाजपा आई तो बंगाल में मछली पर बैन लगा देगी'

तृणमूल के इस नैरेटिव को झुठलाने के लिए घर-घर मछली बांट रहे हैं भाजपा प्रत्याशी

- मछली और भात बंगाल के खान-पान का ही नहीं, बल्कि संस्कृति का अहम हिस्सा है और तृणमूल कांग्रेस भाजपा द्वारा शाकाहार भोजन पर जोर देने को मुद्दा बना रही है। ममता बनर्जी का आरोप है कि भाजपा बाहरी पार्टी है और बंगालियों की खान-पान की आदतों को बदल देगी।
- इसी क्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा का बयान भी उछाला जा रहा है, जिन्होंने कहा था कि राज्य में मांस-मछली की खुली बिक्री पर रोक लगाई जाएगी।
- तृणमूल का आरोप है कि जहाँ भी भाजपा की सरकारें हैं, वहाँ विभिन्न प्रकार के मीट, जैसे बीफ आदि पर रोक लगाई जाती है।
- भाजपा के लिए तृणमूल के इस नैरेटिव को झुठलाना मुश्किल हो रहा है। भाजपा पूरे जतन कर रही है, इससे पार पाने के लिए। भाजपा प्रत्याशी न केवल खुले आम मछली खाते दिख रहे हैं, बल्कि वे घर-घर मछली बांट भी रहे हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। "माछे भाते बंगाली" यह सदियों पुरानी कहावत मोटे तौर पर यह बताती है कि मछली और चावल बंगाली पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। ऐसे में यह साफ है कि आगामी विधानसभा चुनाव सिर्फ सड़कों पर ही नहीं, बल्कि बंगालियों की थाली पर भी लड़ा जाएगा।

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस "शाकाहार" के मुद्दे को उछालकर भाजपा को एक बाहरी ताकत के रूप में पेश कर रही है, जो सत्ता में आने पर बंगालियों की खान-पान की आदतों में दखल देगी। दूसरी ओर, भाजपा उम्मीदवार इंटरव्यू में मछली का आनंद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं, यहां तक कि एक उम्मीदवार घर-घर प्रचार के दौरान "कतला मछली", जो बंगाली घरों का एक प्रमुख भोजन है, साथ लेकर जा रहा है।

चुनावी मौसम में भाजपा द्वारा मछली के प्रति सार्वजनिक आकर्षण के इस प्रदर्शन का उद्देश्य साफ तौर पर तृणमूल के नैरेटिव का जवाब देना है। भाजपा जानती है कि बंगाली मतदाता अपनी संस्कृति और खान-पान के प्रति बेहद संवेदनशील है और "बाहरी" होने की छवि उसकी चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ग्रेजुएट जवानों को प्रमोशन देगी सेना

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। सैन्य-नेतृत्व को प्रभावित कर रही लगभग 8,000 अधिकारियों की कमी को देखते हुए, भारतीय सेना ने ग्रेजुएट जवानों को 18 महीने के भीतर अधिकारी बनाने का फैसला किया है।

- सेना 8,000 अफसरों की कमी से त्रस्त है, इसलिए यह फैसला किया गया है कि ग्रेजुएट जवानों को 18 माह में प्रमोशन दिया जाएगा।

अब उन्हें अधिकारी बनने के लिए चार साल की लंबी ट्रेनिंग की जरूरत नहीं होगी।

आर्मी कैडर कॉलेज (एसीसी) प्रवेश योजना में भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब तक जवानों को तीन साल पढ़ाई और एक साल ट्रेनिंग करनी पड़ती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान के शीर्ष नेताओं को मारने का निर्णय किसने लिया?

ट्रंप ने पहले यह कहा कि निर्णय सामूहिक निर्णय था, उसकी सरकार का, केवल उनका अकेले का निर्णय नहीं था

- इससे पहले, उन्होंने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ को मुख्य "प्रेरक" बताने का प्रयास किया और मंच पर उनके बगल में बैठे रक्षा सचिव को इंगित करके कहा, "पीट तुम सबसे पहले व्यक्ति थे, जिसने कहा था, ईरान को न्यूक्लियर हथियार प्राप्त नहीं होने देना चाहिए।"
- ट्रंप ने यह भी जताने का प्रयास किया कि उपराष्ट्रपति जे.डी. वांस प्रारंभ से ही ईरान के विरूद्ध सैन्य कार्यवाही के खिलाफ थे।
- इस सैन्य कार्यवाही में ट्रंप की ओर से सबसे बड़ी गलती हुई कि वे मान रहे थे कि वेनेज़ुएला की भांति ईरान पर भी वे कुछ दिनों में ही जीत हासिल कर लेंगे, उन्हें कतई उम्मीद नहीं थी कि ईरान इतना जोरदार जवाबी हमला करेगा तथा खाड़ी देशों को युद्ध में शामिल कर लेगा।
- शायद, एक नया समानान्तर कथानक प्रस्तुत करके ट्रंप विश्व को यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि वो तो शांति वार्ता के लिए तैयार हैं और थे।
- पर, अभी भी विश्व तो अमेरिका की पांच दिनों के लिए ईरान के ठिकानों पर बमबारी रोकने की घोषणा को संदेह की निगाह से देख रहा है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। मिडिल ईस्ट का संघर्ष चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गया, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाही शुरू करने के अपने फैसले को लेकर जांच के घेरे में आ गए हैं। देश के भीतर बढ़ते सवालों और विदेशों में असहज स्थिति के बीच, ट्रंप ने युद्ध के बढ़ने की जिम्मेदारी अपने रक्षा सचिव पीट हेगसैथ पर डाल दी और ईरानी ऊर्जा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमलों में अस्थायी विराम की घोषणा की।

सोमवार को टेनेसी में एक गोलमेज मीटिंग में बोलते हुए ट्रंप ने संकेत दिया कि हेगसेथ सैन्य कार्रवाई के शुरुआती समर्थकों में से एक थे। उन्होंने कहा, "पीट, मुझे लगता है कि आपने सबसे पहले कहा था कि "चलो इसे करते हैं, क्योंकि उन्हें परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते," उस समय हेगसेथ उनके बगल में बैठे थे। रक्षा सचिव शुरु से ही प्रशासन की युद्ध-संबंधी रणनीति का सार्वजनिक चेहरा रहे हैं, नियमित रूप से मीडिया को जानकारी दे रहे हैं और अभियान का बचाव कर रहे हैं।

हालांकि ट्रंप ने यह भी रेखांकित किया कि यह निर्णय एकतरफा नहीं था। उन्होंने कहा "मैंने पीट को फोन किया। मैंने जनरल केन को फोन किया। मैंने हमारे कई दिग्गजों से बात की", ट्रंप ने इस निर्णय को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ विचार-विमर्श का परिणाम बताया। इस फैसले को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, हमारे पास मध्य पूर्व में एक समस्या है और हम वहां जाकर एक बड़ी समस्या को खत्म कर दें।" युद्ध को लेकर ट्रंप के अपने स्पष्टीकरण काफी अस्पष्ट व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 24 मार्च। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की तबीयत मंगलवार को अचानक बिगड़ गई है। उन्हें दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोनिया गांधी को फेफड़े से संबंधित समस्या के कारण अस्पताल में दाखिल किया गया है।

- मंगलवार रात अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अस्पताल में मौजूद हैं।

उनके साथ उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी अस्पताल में मौजूद हैं। परिवार के सदस्य उनकी सेहत पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं।

अस्पताल प्रशासन ने उनकी वर्तमान स्थिति को स्थिर बताया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

संसार के विरुद्ध खड़े रहने के लिए शक्ति प्राप्त करने की जरूरत नहीं है। ईसा दुनिया के खिलाफ खड़े रहे, बुद्ध भी अपने जमाने के खिलाफ गए, प्रहलाद ने भी वैसा ही किया। ये सब नम्रता के धनि थे। अकेले खड़े रहने की शक्ति नम्रता के बिना असंभव है। –महात्मा गाँधी

सेमीकंडक्टर उत्पादन में भारत का बड़ा कदम

भारत बहुत लंबे समय से सेमीकंडक्टर का उत्पादक बनने के प्रयासों में लंबे समय से लगा हुआ है। सेमीकंडक्टर का उत्पादन का क्षेत्र अत्यंत मुश्किल है जिसमें उतरने के लिये किये गए प्रयासों में कई धक्के भी लगे हैं। चालीस साल पहले 1980 के दशक में मोहाली में सेमीकंडक्टर कॉम्प्लेक्स में आग लगने से भारत की शुरुआती महत्वाकांक्षी शुरुआत को ऐसा झटका लगा जिससे उबरने में इतना समय लग गया। बाद में 2000 के दशक में, भारत फिर मौका चूक गया जब इंटेल के प्रस्तावित मैन्युफैक्चरिंग इन्वेस्टमेंट को हासिल करने में वह नाकाम रहा। इस तरह दिसंबर 2021 में जब केंद्र सरकार के 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' शुरू करने किया तब भी आशंका बनी रही क्योंकि वेदांता-फॉक्सकॉन जॉइंट वेंचर टूट गया था। बात तब बनती फिर नज़र आई जब माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने गुजरात के साणंद में असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग फैसिलिटी बनाने के लिए 2.7 बिलियन डॉलर के निवेश का ऐलान किया। यह प्रोजेक्ट न सिर्फ इसलिए अहम था कि यह भारत का पहला बड़े पैमाने का कमर्शियल सेमीकंडक्टर पैकेजिंग प्लांट था, बल्कि इसलिए भी कि यह एक जानी-मानी ग्लोबल सेमीकंडक्टर कंपनी से आया था। पॉलिसी बनाने वालों और इंडस्ट्री पर नज़र रखने वालों के लिए, यह एक बड़ी कामयाबी थी। नीतियों और इनके क्रियान्वयन पर निगाह रखने वालों के अनुसार सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में, ऐलान अधिक मायने नहीं रखते, अमल मायने रखते हैं। अब, जब माइक्रोन का साणंद प्लांट कमर्शियल ऑपरेशन में जा रहा है, तो स्वाभाविक ही ऐलान असलियत में बदल रहा है। फिर भी यह संदेह भी बना हुआ है कि क्या यह प्रोजेक्ट ग्लोबल सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में भारत के लिये जगह बना पायेगा और क्या यह आगे के इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा दे सकेगा?

माइक्रोन टेक्नोलॉजी दुनिया की लीडिंग मेमोरी सेमीकंडक्टर कंपनियों में से एक है। इसकी साणंद फैसिलिटी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के बैकएंड स्टेज पर काम करती है, जहां फैब्रिकेशन प्लांट में बनाए गए वेफर्स को कस्टमर्स को भेजने से पहले असेंबल, टेस्ट और पैक किया जाता है। भारत की यह पहली हाई-वॉल्यूम मेमोरी असेंबली और टेस्ट साइट है। जहां पांच लाख स्क्वायर-फुट का क्लीनरूम दुनिया भर में सबसे बड़ा सिंगल रेज़्ड-फ्लोर सेमीकंडक्टर असेंबली क्लीनरूम है। इसे क्रिटिकल एरिया में क्लास 1,000 स्टैंडर्ड के हिसाब से बनाया गया है, जो मेमोरी मैन्युफैक्चरिंग में ज़रूरी प्रिसिजन और कॉम्प्लेक्सिटी को दिखाता है। साणंद प्लांट के लिए, वेफ़र्स माइक्रोन के ग्लोबल फ़ैब्रिकेशन नेटवर्क से लिए जाएंगे। बाद में भारत में ही वेफ़र थिनिंग, असेंबली, टेस्टिंग और मॉड्यूल बनाये जाएंगे। इसे 'वेफ़र-इन से फ़िनिश्ड-प्रोडक्ट-आउट प्रोसेस' कहते हैं। यहां पर्सनल कम्प्यूटर, स्मार्टफ़ोन, डेटा सेंटर और स्टोरेज सॉल्यूशन के लिए डीआरएएम और एनएएनडी उत्पाद बनाये जाएंगे। ये उत्पाद न केवल नॉर्थ अमेरिका, यूरोप और एशिया में ग्लोबल कस्टमर्स को सेवा देंगे, साथ ही घरेलू सप्लाई को भी मज़बूत करेंगे। बताया गया है कि पूरी तरह से तैयार होने के बाद, साणंद फ़ैसिलिटी से माइक्रोन के ग्लोबल पैकेजिंग और टेस्ट आउटपुट का लगभग दस प्रतिशत काम हो जाने की उम्मीद है। यह प्लांट दिखाता है कि एडवांस्ड सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग और पैकेजिंग ऑपरेशन ग्लोबल क्वालिटी और प्रोडक्टिविटी स्टैंडर्ड का पालन करते हुए भारत अपनी क्षमता बना सकता है। इसीलिए भारत के सेमीकंडक्टर पुश पर निगाह रखने वाले विश्लेषकों का कहना है कि माइक्रोन का ऑपरेशनल प्लांट देश के लिये एक ज़रूरी क्रेडिबिलिटी का संकेत देता है।

वास्तव में जून 2023 में माइक्रोन टेक्नोलॉजी की घोषणा के बाद से ही इसका असर दिखने लगा था। यह असर इस बात से स्पष्ट है कि उसके बाद सात और ओसेट परियोजनाओं को मंज़ूरी मिलीहै। कई पाइपलाइन में हैं। विशेषज्ञ हालांकि, वह चेतावनी भी देते हैं कि इस क्षेत्र में भविष्य के इन्वेस्टमेंट इस बात पर निर्भर करेंगे कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 पैकेजिंग और टेस्टिंग प्रोजेक्ट्स को कैसे और कितनी प्राथमिकता देता है। जहां तक फैब्स की बात है, किसी देश में पैकेजिंग फैसिलिटी होने का मतलब यह नहीं है कि फैब्स अपने आप अपना काम शुरू कर देंगे। फिर भी, यह बात कि माइक्रोन का प्रोजेक्ट प्रोडक्शन तक आगे बढ़ गया है, इससे लंबे समय से चली आ रही आशंकाओं को दूर करने में मदद मिली है। इस प्रोजेक्ट ने भारत इस सोच को चुनौती देने की स्थिति में आ गया है कि देश एक हाई-एंड सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और पॉलिसी कोऑर्डिनेशन देने के लिये तैयार है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि हालांकि यह अभी एक स्ट्रेटेजिक असरहै, और उसे कैपेसिटी वाला असर बनना है। वे मानते हैं कि माइक्रोन का सबसे बड़ा असर, कम से कम शुरुआत में, इंडस्ट्रियल के बजाय साइकोलॉजिकल अधिक हो सकता है, जिसकी आवश्यकता भी है। भारत में ऑपरेशन शुरू करने वाला यह कदम ग्लोबल मेमोरी लीडर ताइवान, कोरिया, जापान और संयुक्त राज्य की कंपनियों को भारत में अपने रिस्क के अंदाज़ों को फिर से देखने पर मजबूर करेगा और उनके आगे कदम उठाने की झिझक कम होगी क्योंकि इससे रियल टाइम में भारत की पॉलिसी की विश्वसनीयता की परख होती है। हालांकि, सिर्फ़ संकेत देने भर से आगे के इन्वेस्टमेंट की गारंटी नहीं मिलेगी। सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स में आम तौर पर 15 से 20 साल के कमिटमेंट होते हैं, जिसका मतलब है कि कंपनियों को हेडलाइन इंसेंटिव से कहीं ज़्यादा पॉलिसी स्टेबिलिटी की ज़रूरत होती है। भारत के नीति निर्माताओं से अपेक्षा होगी कि माइक्रोन की साणंद परियोजना एक स्टैंड अलोन आउटपोस्ट बनकर न रह जाय, बल्कि एक एंकर इन्वेस्टमेंट बने और यह लगातार पॉलिसी कंटिन्यूटी और इकोसिस्टम डेवलपमेंट पर निर्भर करेगा। क्योंकि चिप मैन्युफैक्चरिंग बहुत आसान काम नहीं है इसलिए माइक्रोन का प्लांट चालू होने के बाद भी, देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग एक बहुत बड़े इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम पर निर्भर करेगी। उसके लिये चौबीसों घंटे भरोसेमंद बिजली, पानी की उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर की ज़रूरत होगी। सपोर्टिंग सप्लायर्स की मौजूदगी भी उतनी ही ज़रूरी होगी, जिसमें सबस्ट्रेट मैन्युफैक्चरर्स, मटीरियल कंपनियां और इक्विपमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स शामिल हैं, जो सेमीकंडक्टर फैसिलिटीज़ के साथ को-लोकेट कर सकें। सबसे अहम है एक स्किल्ड वर्कफोर्स की पाइपलाइन और एडवांस्ड पैकेजिंग टेक्नोलॉजीज़, जिनमें हेटेरोजिनस इंटीग्रेशन शामिल है। इसके लिए एक रोडमैप भी बहुत ज़रूरी है।

माइक्रोन टेक्नोलॉजी दुनिया की लीडिंग मेमोरी सेमीकंडक्टर कंपनियों में से एक है। इसकी साणंद फैसिलिटी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के बैकएंड स्टेज पर काम करती है, जहां फैब्रिकेशन प्लांट में बनाए गए वेफर्स को कस्टमर्स को भेजने से पहले असेंबल, टेस्ट और पैक किया जाता है। भारत की यह पहली हाई-वॉल्यूम मेमोरी असेंबली और टेस्ट साइट है। जहां पांच लाख स्क्वायर-फुट का क्लीनरूम दुनिया भर में सबसे बड़ा सिंगल रेज़्ड-फ्लोर सेमीकंडक्टर असेंबली क्लीनरूम है।

जानकारों का कहना है कि माइक्रोन का साणंद प्रोजेक्ट भारत के सेमीकंडक्टर इंफ्रास्ट्रक्चर की तैयारी के कुछ हिस्सों को जरूर वैलिडेट करता है, लेकिन केवल इससे पूरी बात नहीं बनेगी, क्योंकि बैकएंड मैन्युफैक्चरिंग, जैसे असेंबली और टेस्टिंग, में वेफर फैब्रिकेशन की तुलना में कम इंफ्रास्ट्रक्चर कॉम्प्लेक्सिटी होती है। माइक्रोन का प्रोजेक्ट दिखाता है कि एक कंट्रोल्ड इंडस्ट्रियल ज़ोन के अंदर, भारत सेमीकंडक्टर टाइमलाइन के हिसाब से भरोसेमंद बिजली, पानी, ज़मीन तक पहुंच और रेगुलेटरी कोऑर्डिनेशन दे सकता है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर की विश्वसनीयता को लेकर पहले के संदेह दूर हो जाते हैं। फिर भी ढांचागत रिस्क बने हुए हैं। कई राज्यों में ऐसी स्थितियों को दोहराना, बढ़ते इंडस्ट्रियल लोड के तहत बिजली की ग्रिड स्टेबिलिटी मजबूत करना, एक सप्लायर इकोसिस्टम बनाना और भविष्य के फैब्रिकेशन प्लांट्स के लिए तैयारी करना, अगली चुनौतियां होगी। भारत को एशिया के चिप हब के साथ अपने अंतर को कम करना होगा। भले ही भारत बैकएंड सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में अपने पहले कदम उठा रहा है, फिर भी यह एशिया के स्थापित सेमीकंडक्टर क्लस्टर्स से बहुत पीछे है। मलेशिया, चीन और जापान जैसे देशों ने पैकेजिंग फर्मों, इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स, केमिकल सप्लायर्स और स्पेशलाइज्ड लेबर पूल्स में फैले इंटीग्रेटेड इकोसिस्टम बनाने में दशकों लगाए हैं। उनके फायदों को हमारे यहां जल्दी से दोहराया नहीं जा सकता। मलेशिया में, हालांकि सरकारी कंट्रोल और चीन के लिए बैकडोर होने की चिंताएं बहुत ज़्यादा हैं, लेकिन एक अनुभवी प्लेयर होने का उसे फायदा है। जापान टेक्नोलॉजी में लीडर है, खासकर जब सप्लाई चेन की बात आती है। मगर वह फैब टेक के साथ नहीं चल पाया है और कुछ हद तक उसकी बढ़ती उम्र और घटती आबादी की वजह से उनके पास टैलेंट की भी कमी है। चीन के पास टेक्नोलॉजी, टैलेंट और पैसा सब कुछ है। हालांकि, दुनिया भर में उस पर भरोसे की कमी उसके लिये एक नेगेटिव बात है। ऐसे में इन देशों की तुलना में, भारत के फायदे सामने आ रहे हैं।

यहां टैलेंट एक ऐसा एरिया है जहां प्रोग्रेस पहले से ही दिख रही है। माइक्रोन की साणंद फैसिलिटी में लगभग 1,300 कर्मियों में से लगभग 700 गुजरात और आस-पास के राज्यों के नए कॉलेज ग्रेजुएट हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल, केमिकल, इंडस्ट्रियल और मटीरियल इंजीनियरिंग के इन ग्रेजुएट ने भारत में ऑपरेशन्स को सपोर्ट करने के लिए मलेशिया और सिंगापुर की एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में 3-6 महीने की इंटेंसिव ट्रेनिंग पूरी की है। हालांकि, टेक्नोलॉजी कैपेबिलिटी और सप्लाई चेन डेप्थ बनाने में ज़्यादा समय लगेगा। भारत के लिए समय के साथ सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए मटीरियल सप्लायर, पैकेजिंग सबस्ट्रेट और स्पेशल इक्विपमेंट सर्विस प्रोवाइडर का एक लोकल इकोसिस्टम बनाना बहुत ज़रूरी होगा। जियोपॉलिटिकल विंडो की भी बात आती है। भारत को बदलती ग्लोबल जियोपॉलिटिक्स से भी फ़ायदा हो सकता है। चीन के बीच चल रहे टेक्नोलॉजी रीअलाइनमेंट के बीच, मल्टीनेशनल कंपनियां सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन के लिए डाइवर्सिफ़िकेशन स्ट्रेटेजी पर तेज़ी से विचार कर रही हैं। इससे भारत को एक पोटेंशियल ओपनिंग मिलसकती है। हालांकि आज भी भारत के फ़ायदे इकोसिस्टम के बजाय पॉलिसी और जियोपॉलिटिक्स से ज़्यादातर प्रभावित हैं। माइक्रोन के साणंद प्लांट ने भारत को एक ज़रूरी क्रेडिबिलिटी थ्रेशहोल्ड पार करने में मदद की है। उस क्रेडिबिलिटी को सप्लायर्स, टैलेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर के एक गहरे सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में बदलना अगली असली मुश्किल चुनौती होगी।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

प्रगति की नई रफ्तार : विकसित राजस्थान का संकल्प हो रहा साकार

मदन राठौड़

राजस्थान दिवस के अवसर पर जारी आंकड़े प्रदेश की विकास यात्रा का ठोस दस्तावेज है। यह आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार द्वारा अल्प समय में ही पकड़ी प्रगति की नई रफ्तार से विकसित राजस्थान का संकल्प साकार हो रहा है। इनकी तुलना पिछली सरकार के कार्यकाल से की जाती है, तो अंतर केवल संख्याओं के साथ ही दृष्टिकोण, कार्यसंस्कृति और परिणामों में भी स्पष्ट नजर आता है।

वर्तमान सरकार ने सत्ता संभालते ही विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को केंद्र में रखते हुए योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य प्रारंभ किया। यही कारण है कि अनेक योजनाओं में राजस्थान देश में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर पहुंचा है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2.18 करोड़ पॉलिसियां जारी होना इस बात का प्रमाण है कि किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने में राज्य सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किया है। पोषण-कुपोषण योजना के कंपोनेंट-ए एवं सी के सफल क्रियान्वयन ने सामाजिक क्षेत्र में भी सरकार की प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि क्षेत्र में वर्तमान सरकार ने तकनीक और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। कृषि विभाग की प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण, किसानों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण में तेजी और पारदर्शिता जैसे कदम पूर्ववर्ती सरकार की धीमी कार्यप्रणाली से स्पष्ट बदलाव को दर्शाते हैं।

पर ड्रॉप - मोर क्रॉप योजना के तहत 1.31 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में माइक्रो इरिगेशन सिस्टम की स्थापना जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और किसानों की आय बढ़ाने का भी मजबूत माध्यम बना है। पशुपालन क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय प्रगति का प्रमाण है कि राज्य को डेयरी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

वर्तमान सरकार ने सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण की योजनाओं में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। धरती आबा जनभागीदारी अभियान में 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' है। इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सफलता पाई है।

सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पिछले 5 वर्षों (2018-2023) की तुलना में वर्तमान सरकार के लगभग 25 माह (2024-2026) के कार्यकाल में विकास की रफ्तार कई गुना बढ़ी है पिछले पांच वर्षों के दौरान कौशल प्रशिक्षण के तहत 2.35 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया, वर्तमान सरकार ने मात्र लगभग 25 महीनो में 3.41 लाख को प्रशिक्षित किया गया। कृषि क्षेत्र में पहले 29,430 फार्म पॉन्ड (खेत तलाई) बनाए गए थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 35,368 हो चुकी है।

ऊर्जा और सिंचाई क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पहले 13,160 सोलर पंप स्थापित किए गए थे, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह संख्या बढ़कर 16,864 हो गई है। पर ड्रॉप-मोर क्रॉप जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने 1.31 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में माइक्रो इरिगेशन स्थापित कर जल प्रबंधन को नई दिशा दी है।

ऑर्गेनिक फार्मिंग से पहले जहां केवल 1,478 गांव इससे जुड़े थे, वहीं अब यह आंकड़ा 41,037 गांवों तक पहुंच गया है। पहले 1,104 गांव सड़कों से जुड़े थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 1,717 हो गई है। मनरेगा के तहत सृजित मानव दिवसों में तो अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। पहले जहां 22,597 लाख मानव दिवस सृजित हुए थे, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 98,894 लाख मानव दिवस तक पहुंच गया है।

ढाणियों के विद्युतीकरण में पहले 3,952 कार्य हुए थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर 8,261 हो गई है। जल जीवन मिशन के तहत जहां पहले 2,92,507 घरों को नल कनेक्शन मिले थे, वहीं अब यह बढ़कर 3,14,530 हो चुका है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में जहां 489 स्वयं सहायता समूह सक्रिय थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 2,911 हो गई है।

प्रशासनिक सुधारों से जहां पहले केवल 986 पट्टों का वितरण हुआ था, वहीं वर्तमान सरकार ने इसे बढ़ाकर 88,724 तक पहुंचा दिया है।

कृषि कनेक्शन के क्षेत्र में पहले 21,136 कनेक्शन दिए गए थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर 41,820 हो गई है। उच्च शिक्षा में जहां पहले केवल 5 महाविद्यालय स्थापित हुए थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 21 हो गई है।

प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के लिए उपखंड कार्यालय भवन निर्माण में पहले मात्र 57 भवन बने थे, अब यह संख्या बढ़कर 185 हो गई है। सड़क निर्माण में पहले 10.36 हजार किमी, अब 11.31 हजार किमी निर्माण हुआ है व राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पहले 1,517 किमी, अब 2,294 किमी निर्माण हुआ है। स्वास्थ्य क्षेत्र में पहले जहां 10 मेडिकल कॉलेज थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 18 हो गई है। स्कूल अपग्रेडेशन में पहले 113 करोड़ रुपये, अब 403 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। पुलिस थानों के अपग्रेडेशन में पहले जहां केवल 57 कार्य हुए थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 2,064 हो गई है।

आंकड़ों का यह अन्तर शासन की कार्यशैली का परिणाम है। पिछली सरकार पर अक्सर धीमी निर्णय प्रक्रिया, भ्रष्टाचार के आरोप और योजनाओं के क्रियान्वयन में ढिलाई के आरोप लगते रहे, वहीं वर्तमान सरकार ने गुड गवर्नेंस और डिलीवरी को प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं किसान पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे कृषि और ग्रामीण विकास को लेकर उनकी संवेदनशीलता और समझ अधिक गहरी है। यही कारण है कि योजनाएं कागजों से बाहर निकलकर खेतों और गांवों तक पहुंच रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं का राज्य में प्रभावी क्रियान्वयन भी इस प्रगति का एक बड़ा कारण है। जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी योजनाओं में राजस्थान की अग्रणी भूमिका यह दर्शाती है कि केंद्र और राज्य के बीच बेहतर तालमेल से विकास को नई गति मिलती है। राजस्थान में वर्तमान सरकार के कार्यकाल के आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि विकास अब धरातल पर दिखाई देने लगा है। अल्प समय में ही अनेक क्षेत्रों में कई गुना वृद्धि यह संकेत देती है कि विकसित राजस्थान 2047 का सपना साकार हो रहा है। वर्तमान राज्य सरकार ने जो कार्य संस्कृति स्थापित की है, वह तेज होने के साथ ही परिणामोन्मुखी भी है। यही कारण है कि राजस्थान आज अपने अतीत की विरासत पर गर्व कर रहा है और अपने वर्तमान और भविष्य को लेकर भी आत्मविश्वास से भरा हुआ है।

–मदन राठौड़, राज्यसभा सदस्य।

ईरान युद्ध : ऊर्जा संकट के साए में तीसरे महायुद्ध की दहलीज पर विश्व व्यवस्था

डॉ. योगेश शर्मा

ब्रिटिश प्रधानमंत्री लॉर्ड पामर्स्टन का वह कालजयी कथन आज भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति की धुरी बना हुआ है कि राष्ट्रों के न तो कोई शाश्वत मित्र होते हैं और न ही शाश्वत शत्रु, केवल उनके हित ही शाश्वत होते हैं और उनका अनुसरण करना ही परम कर्तव्य है। वैश्विक राजनीति के इस यथार्थवादी धरातल पर राष्ट्रीय हित, शक्ति-संतुलन और रणनीतिक आवश्यकताओं के अनुसार निरंतर अपना स्वरूप बदलते रहते हैं। यही कारण है कि संघर्ष, प्रतिस्पर्धा, टकराव और सहयोग के नए-नए रूप समय-समय पर उभरते रहते हैं। मध्य पूर्व में 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमले के बाद उत्पन्न स्थिति इसी परिवर्तनशील और हित-आधारित राजनीति का एक अत्यंत जटिल और खतरनाक उदाहरण है, जो न केवल मिडिल ईस्ट बल्कि संपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिरता को एक अभूतपूर्व संकट की ओर धकेलती प्रतीत हो रही है।

पश्चिम एशिया या मध्य पूर्व का इतिहास गवाह है कि यहाँ भूगोल ही भाग्य का निर्धारक रहा है। यूरोप, एशिया और अफ्रीका के संगम पर स्थित यह क्षेत्र भूमध्य सागर, लाल सागर, अरब सागर और हिंद महासागर के बीच एक ऐसी भू-राजनीतिक स्थिति रखता है, जहाँ से वैश्विक व्यापार की धमनियां गुजरती हैं। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य, बाब-एल-मंदेब और स्वेज नहर जैसे समुद्री मार्ग पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा हैं।

शीत युद्ध के दौर से ही यह क्षेत्र अमेरिका और सोवियत संघ की शक्ति-प्रतिस्पर्धा की रणभूमि बना रहा है। इज़राइल और अरब देशों के बीच भू-क्षेत्र और पहचान को लेकर चलने वाले संघर्षों ने यहाँ की मिट्टी को कभी शांत नहीं होने दिया। 1979 की ईरानी इस्लामी क्रांति में शाह पहलवी के पश्चिम समर्थक शासन के पतन के बाद अयातुल्लाह खुमैनी के नेतृत्व में ईरान एक कट्टर अमेरिका-विरोधी राज्य के रूप में उभरा। तेहरान में 52 अमेरिकी राजनयिकों को 444 दिनों तक बंधक बनाए रखने की घटना ने संबंधों में जो कड़वाहट पैदा की, उसकी गूँज आज भी सुनाई देती है।

2026 का यह वर्तमान युद्ध आधुनिक संघर्ष का एक नया और विनाशकारी स्वरूप लेकर आया है। 28 फरवरी को जब अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर हमला किया, तो शुरुआती चरण में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के मारे जाने की खबरों ने पश्चिम को यह विश्वास दिलाया कि यह युद्ध शीघ्र ही उनके पक्ष में निर्णायक रूप से समाप्त हो जाएगा। लेकिन वास्तविकता इसके ठीक विपरीत निकली। ऐसा प्रतीत होता है कि ईरान को इस प्रकार के हमले का पूर्वानुमान था और उसने पहले से ही एक बहुस्तरीय तथा विकेंद्रित सैन्य रणनीति तैयार कर रखी थी। शीर्ष नेतृत्व पर हुए प्रहार के बावजूद ईरान की सैन्य प्रतिक्रिया अधिक संगठित और व्यापक होकर सामने आई। विशेष रूप से हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य को बाधित करने की ईरान की धमकी ने वैश्विक बाजारों में हाहाकार मचा दिया है। विश्व की ऊर्जा आपूर्ति के इस प्रमुख मार्ग पर रोक की आशंका मात्र से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गई हैं। ईरान की रणनीति ने एक व्यापक क्षेत्रीय दृष्टिकोण अपनाते हुए खाड़ी देशों सहित मध्य पूर्व के अन्य संवेदनशील बुनियादी ढाँचों को भी निशाना बनाना शुरू किया है। इसका स्पष्ट उद्देश्य अमेरिका और उसके सहयोगियों पर युद्धविराम के लिए वैश्विक स्तर पर मनोवैज्ञानिक दबाव और एक गहरा आर्थिक संकट उत्पन्न करना है।

इस संघर्ष का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम यह है कि नाटो देश, जो सामान्यतः अमेरिका के सबसे विश्वसनीय सहयोगी माने जाते हैं, इस बार ईरान संकट पर एकमत नहीं हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान जिस प्रकार यूरोपीय देशों ने अमेरिका के साथ मिलकर यूक्रेन को व्यापक सैन्य और आर्थिक सहायता प्रदान की थी, वैसी एकजुटता यहाँ नदारद है। यूरोपीय देशों का एक बड़ा और प्रभावशाली वर्ग इस बात पर जोर दे रहा है कि इस संकट का समाधान सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीतिक वार्ता के माध्यम से किया जाना चाहिए था। इसी प्रकार जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी भी इस संघर्ष में खुलकर समर्थन देने से बचते दिखाई दे रहे हैं।ये देश भली-भांति जानते हैं कि यह संघर्ष उस क्षेत्र में हो रहा है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता का केंद्र है। कोई भी व्यापक सैन्य टकराव न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर ऐसी रणनीतिक अस्थिरता पैदा कर सकता है जिससे उबरना दशकों तक संभव नहीं होगा।

ईरान और अमेरिका के बीच इस लंबे टकराव का एक बड़ा कारण ईरान का परमाणु कार्यक्रम भी रहा है। 2015 में हुआ परमाणु समझौता (JCPOA), जिसमें ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण को स्वीकार करने का वादा किया था, लेकिन 2018 में अमेरिका के इस समझौते से बाहर होने के निर्णय ने क्षेत्र में तनाव की एक नई लहर पैदा कर दी। पिछले कुछ वर्षों में अब्राहम समझौते (JCPOA) ,के माध्यम से इज़राइल और कई अरब देशों के बीच संबंधों के सामान्यीकरण और 22 (भारत, इज़राइल, अमेरिका और यूएई) जैसे समूहों के गठन से एक नए आर्थिक मॉडल की उम्मीद जगी थी।लेकिन वर्तमान युद्ध ने इन सभी नई भू-राजनीतिक संरचनाओं की सीमाओं और उनकी नाजुकता को उजागर कर दिया है।

इस संघर्ष के बीच प्रत्येक राष्ट्र अत्यंत सावधानी और संतुलन के साथ अपने कदम बढ़ा रहा है, जो उनकी रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा है।चीन, जो ईरान के तेल का एक प्रमुख आयातक है और जिसके साथ उसके दीर्घकालिक ऊर्जा तथा बुनियादी ढांचागत समझौते हैं, ने प्रत्यक्ष टकराव से बचने की नीति अपनाई है। रूस ने भी अपने भू-राजनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए अब तक बहुत ही सीमित और संतुलित प्रतिक्रिया दी है। भारत के लिए यह स्थिति सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की नीति यहाँ कसौटी पर है। एक ओर भारत के अमेरिका और इज़राइल के साथ मजबूत रणनीतिक और तकनीकी संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान और मध्य पूर्व के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा आधारित संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह, जिसे भारत ने मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुँच के लिए एक रणनीतिक द्वार के रूप में विकसित किया था, इस युद्ध और कड़े अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण वर्तमान में शिथिलता का शिकार हो गया है।

निष्कर्षतः, यह पूरा घटनाक्रम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि ईरान का यह संघर्ष केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं रह गया है, बल्कि इसने वैश्विक राजनीति को एक अत्यंत जटिल और अनिश्चित मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। लगातार बढ़ रहे ऊर्जा संकट से आम जरूरत की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, शेयर बाजार और सोना-चांदी की कीमतों में निरंतर अस्थिरता ने नए भूआर्थिक संकट को जन्म दिया है। परमाणु संयंत्र पर हमले से रेडियो एक्टिव रिसाव के खतरे और परमाणु युद्ध की आशंका मात्र ही इस युद्ध की भयावह तस्वीर को प्रस्तुत करने के लिए काफी है। इस संघर्ष ने संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सीमाओं और अंतरराष्ट्रीय कानून की प्रभावहीनता को एक बार फिर दुनिया के सामने उजागर कर दिया है।

युद्ध के दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह के बयान सामने आ रहे हैंऔर हर क्षण इस युद्ध में कुछ नवीनतम जुड़ता जा रहा है। यदि अमेरिका इस युद्ध से पीछे हटता है, तो महाशक्ति वाली छवि पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग सकता है। वहीं यदि वह इस संघर्ष को और आगे बढ़ाता है, तो यह विश्व को एक व्यापक और दीर्घकालिक युद्ध में धकेल सकता है। इस बार यदि तीसरा महायुद्ध हुआ तो निश्चित ही परमाणु क्षमताओं से संपन्न राष्ट्रों के युद्ध से संपूर्ण विश्व व्यवस्था का विनाश निश्चित है। इतिहास इस बात का गवाह है कि अतीत में दो महायुद्ध भी लंबे समय तक चले प्रतिशोध और तनाव के वातावरण से जन्मे थे और वर्तमान ईरान संकटभी वही कहानी कहता हुआ प्रतीत हो रहा है जहां किसी राष्ट्र की तरफ से जरा सी भी चूक विश्व को तीसरे महायुद्ध के गर्त में डाल सकती है।

–डॉ. योगेश शर्मा,
(लेखक संवैधानिक अध्येता और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

राशिफल मंगलवार 25 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, मृगशिरा नक्षत्र सायं 5:33 तक, सौभाग्य योग रात्रि 03:09 तक, वणिज करण दिन 1:50 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सायं 5:33 तक है। राजयोग दिन 1:50 तक रहेगा। आज भद्रा दिन 1:50 से रात्रि 12:49 तक रहेगी। आज से दुर्गा पूजा (बंगाल में) आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:31 तक, शुभ 11:02 से 12:33 तक, चर 3:35 से 5:05 तक, लाभ 5:05 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:30, सूर्यास्त 6:36

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनारहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मकर

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव 30 को

बूंदी। बघेरवाल दिगंबर जैन समाज की ओर से श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव आगामी 30 मार्च 2026 को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इसी क्रम में संभवनाथ दिगंबर जैन मंदिर, देवपुरा में आयोजक समिति के संयोजक महावीर हरसोरा (पाटन वाले) की उपस्थिति में महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने महोत्सव को भव्य बनाने हेतु सभी से सहयोग का आह्वान किया। मीडिया प्रभारी मनोज जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि 28 एवं 29 मार्च को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा व 30 मार्च शाम को एक शाम भगवान महावीर के नाम भव्य कवि सम्मेलन जैन बघेरवाल छात्रावास देवपुरा बूंदी में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समिति संरक्षक बिरधी चन्द घणोप्या, कोषाध्यक्ष नरेंद्र सेठिया, राजेंद्र सांमरिया, नरेंद्र कोटिया, अशोक सबदरा, प्रेमचंद टोला,पदम बोरखंडिया, विनोद कोटिया, मनोज सेठिया (बांसी वाले), धर्मेंद्र धनोत्या, नमन, अनीता हरसोरा, अनीता सेठिया सहित अन्य सभी पदाधिकारी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी, भोजन व्यवस्था प्रभारी व समाज बंधु उपस्थित रहे

अधिकारिता विभाग की योजनाओं की समीक्षा

कोटा, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं से जुड़ी समितियों की बैठक मंगलवार को जिला कलक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। कलक्टर ने निर्देश दिए कि विभाग की योजनाओं का लाभ सभी पात्र जनों को सुलभ हो, इसके लिए संबंधित समितियां विभिन्न गतिविधियों का कुशलता से निष्पादन करें। साथ ही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सतत मॉनिटरिंग करें। जिला कलक्टर ने मुख्यमंत्री विशेष योग्य जन् स्वरोजगार योजना में आवेदनों की स्थिति पर चर्चा करते हुए निर्देश दिए के लंबे आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करना जाए। यूडीआई योजना, दहेज प्रतिषेध, स्वाधार गृह, वृद्ध आश्रम, ट्रांसजेंडर कल्याण, नवजीवन योजना, अंत्येष्टि अनुदान, सिलिकोसिस, जिला प्रबंधन दल, नशा मुक्त भारत अभियान, अस्वच्छकार कल्याण योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकाधिक पात्र जनों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में विभाग की संयुक्त निदेशक सविता कृष्णिया ने योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की तथा विभिन्न प्रस्तावों को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया। जिनका जिला कलक्टर द्वारा अनुमोदन किया गया। समितियों के सदस्य एवं विभागीय अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

31 तक कराएं भौतिक सत्यापन

कोटा, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा वृद्धजन, एकलनारी, दिव्यांगजनों के लिए संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थी भौतिक सत्यापन 31 मार्च तक ई-मित्र के माध्यम से करवा सकते हैं। 31 मार्च तक भौतिक सत्यापन नहीं करवाने पर पेंशन की राशि लाभार्थियों के बैंक खाते में जमा नहीं हो पाएगी एवं उनकी पेंशन का आवेदन स्थाई रूप से निरस्त कर दिया जाएगा। संयुक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सविता कृष्णिया ने बताया कि लाभार्थी पेंशन योजना के लिए मोबाईल पर उपलब्ध कराए गए मोबाईल एप राजस्थान सोशल पेंशन (राजएसएसपी) के माध्यम से भी लाभार्थी घर बैठे ही भौतिक सत्यापन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत जिले में कुल 2 लाख 15 हजार 547 लाभार्थी पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। प्रत्येक वर्ष की भांति लाभार्थियों का वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाया जाना अनिवार्य है। किन्तु अब तक जिले में 2 लाख 5 हजार 848 पेंशनर ने ही भौतिक सत्यापन करवाया है। वर्तमान में 9 हजार 699 पेंशनर भौतिक सत्यापन से शेष है।

स्कूल का उत्कृष्ट परिणाम

रामगंजमंडी, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 24 मार्च मंगलवार को जारी 10 बोर्ड परीक्षा परिणाम में श्री हीरा भाई परीख राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय रामगंजमंडी की बालिकाओं ने 88.46 प्रतिशत परिणाम के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 182 प्रविष्ट छात्राओं में से 161 उत्तीर्ण रही जिसमें से 63 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी,79 छात्राओं ने द्वितीय एवं 19 छात्राओं ने तृतीय श्रेणी हासिल की।

देहदानियों को मिले राजकीय सम्मान पर हस्ताक्षर अभियान

- **श्रद्धांजलि सभा में, 400 लोगों ने हस्ताक्षर कर, देहदानियों को मिले राजकीय सम्मान पर उठाई माँग**

कोटा, (निसं)। शाइन इंडिया फाउंडेशन के अनवरत सतत् प्रयासों से नेत्रदान के बाद, अब कोटा शहर, देहदान के क्षेत्र में प्रदेश में, नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। शाईन इंडिया फाउंडेशन के माध्यम से अब शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी नेत्रदान और देहदान का अक्षय बढ़ने लगा है। बीते दिनों रविवार को, शाईन इंडिया के सहयोग से बजरंग नगर निवासी डॉ. राजश्री गोहदकर के देहदान के लिए संकल्पित, पिता प्रभाकर लक्ष्मण गोहदकर (प्रसिद्ध गायक और संगीतज्ञ) के आकस्मिक निधन के उपरांत परिजनों ने उनका देहदान संपन्न कराया था। मूलतः ग्वालियर, मध्य प्रदेश के रहने वाले एवं मध्यप्रदेश सरकार के शिखर सम्मान से सम्मानित प्रभाकर का पूरा जीवन संगीत को समर्पित रहा। उनकी बड़ी बेटी, प्रोफेसर स्मिता सहस्त्रबुद्धे वर्तमान में ग्वालियर के श्री राजा मानसिंह संगीत विश्वविद्यालय में कुलपति के पद पर कार्यरत हैं।

पिता के देहदान के बाद में, जब उनकी जानकारी में आया कि, राजस्थान सरकार में देहदानी को, प्रशासन के माध्यम से गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान नहीं दिया जाता है, तब उनका मन काफी आहत हुआ। उन्होंने कहा कि यदि, हमें पहले यह जानकारी होती तो, पिता का देहदान राजस्थान में ना कर, शायद ग्वालियर के किसी मेडिकल कॉलेज में करते। ग्वालियर से संगीत घराने से आए कई प्रबुद्ध नागरिक संगीतज्ञ, शिक्षाविद, प्रोफेसर और शोधार्थियों को भी जब इस बात का पता चला तो सभी ने कहा कि, इस तरह की पुण्य कार्यों में राजस्थान सरकार को भी अंगदानी और देहदानी परिवारों के लिए गार्ड ऑफ ऑनर का प्रावधान करना चाहिएँ।

सभी की मंशा को जानकर शाईन इंडिया फाउंडेशन ने, देहदानी स्व. प्रभाकर गोहदकर की श्रद्धांजलि सभा में, अंगदानी और देहदानी को गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान मिले इस क्रम में एक हस्ताक्षर अभियान गीता भवन में आयोजित किया गया। जिसमें 400 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर कर देहदानियों को राजकीय सम्मान देने की मांग की है। ज्ञात हो कि, संस्था शाइन इंडिया, कोटा की खूबी सिक्योरिटीज के साथ मिलकर वर्तमान में हो रहे सभी देहदानी परिवारों को सेरिमनी कार्ड के माध्यम से गार्ड ऑफ़ ऑनर देने का कार्य कर रही है। शाईन इंडिया फाउंडेशन के सदस्यों ने कहा, हमारा उद्देश्य है कि अंगदानी देहदानी को एक सम्मानित कार्य बनाया जाए और उनको राजकीय सम्मान दिया जाएँ। इससे लोगों में अंगदान देहदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और अधिक से अधिक लोग इस कार्य में आगे आएंगे। जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, चिकित्सा सचिव, पुलिस महानिदेशक को भी संस्था की ओर से, राजस्थान प्रदेश में भी गार्ड ऑफ ऑनर्स को लागू करने के लिये, अनुरोध पत्र भेजा जाएगा।

घुटना प्रत्यारोपण के बिना इलाज की संभावना

कोटा। लुधियाना के वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं विश्व विख्यात डॉ. एन.के.अग्रवाल एक नई 360-डिग्री उपचार पद्धति पेश कर रहे हैं जो घुटने के जोड़ बदलने के स्थान पर जोड़ को पुनः स्वस्थ और सामान्य करने पर केंद्रित है। आज के इस परिवर्तन के दौर में जीवनशैली में बदलाव, उम्र बढ़ने और शरीर में व्यापक सूजन के कारण घुटने का दर्द, जो पहले बुजुर्गों की समस्या माना जाता था, अब युवाओं को भी प्रभावित कर रहा है। डॉ.अग्रवाल के अनुसार, घुटने का दर्द केवल एक जोड़ की समस्या ही नहीं है, बल्कि यह पूरे शरीर से जुड़ी बीमारी का संकेत है। उनके शोध ने एक ऐसा उपचार विकसित किया है जो घुटने के दर्द और व्यापक सूजन को ठीक करने के लिए पीआरपी, पीआरजीएफ, स्टेम सेल थेरेपी और बोन मैरो कंसेंट्रेट जैसी आधुनिक जैविक तकनीकों का उपयोग करता है। डॉ.अग्रवाल के अनुसार नए प्रोटोकॉल के साथ 300 से अधिक घुटनों का इलाज किया है, और 95 प्रतिशत रोगियों परिणाम अच्छे से बहुत अच्छे है। यह नया उपचार सुरक्षित,किफायती और आवश्यकता होने पर इसे दोहराया जा सकता है। उन्होंने रोगियों को सन्देश देते हुए कहा कि वे घुटने के दर्द को नजरअंदाज न करें।

नाम परिवर्तन

मैं, दशरथ पिता सेवा क्रमांक 15719166-P, पद LNK नाम राकेश कुमार C/o 56 APO निवासी ग्राम खजूरी चंद्रावत, पोस्ट नाहरगढ़, जिला मंदसौर, म.प.-458558 मेरे पुत्र के सेवा अभिलेखों में मेरा नाम श्री दशरथ लाल तथा जन्मतिथि 01.08.1975 अंकित है, जो कि गलत है। जबकि मेरा सही नाम दशरथ है तथा मेरी सही जन्मतिथि 01.01.1973 है। भविष्य में मैं सभी अभिलेखों हेतु दशरथ नाम से ही जाना जावे तथा मेरी सही जन्मतिथि 01.01.1973 ही मान्य होगी।

फसल अवशेष जलाने पर होगी कार्यवाही

- **संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार अतीश कुमार शर्मा ने बताया कि भूमि स्वामित्व के अनुसार 5 हजार रुपए (2 एकड से कम), 10 हजार रुपए (2-5 एकड) और 30 हजार रुपए (5 एकड से अधिक) प्रति घटना जुर्माना लगाने का प्रावधान है**

कोटा, (निसं)। प्रदूषण रोकथाम और नियंत्रण अधिनियम के तहत् फसल अवशेष जलाना प्रतिबंधित किया गया है। किसानों द्वारा फसल अवशेषों को जलाने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188 एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत दंडित किया जाएगा।

संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार अतीश कुमार शर्मा ने बताया कि भूमि स्वामित्व के अनुसार 5 हजार रुपए (2 एकड से कम), 10 हजार रुपए (2-5 एकड) और 30 हजार रुपए (5 एकड से अधिक) प्रति घटना जुर्माना लगाने का प्रावधान है। फसल कटाई के बाद फसल अवशेषों को जलाने से भूमि की उर्वरता शक्ति, मृदा मे उपस्थित सूक्ष्मजीवों की संख्या में अत्यधिक कमी आ रही है एवं जलाने से विभिन्न हानिकारक गैसें वातावरण में छोड़ी फैल जाती है। इससे कैंसर, अस्थमा एवं अन्य हानिकारक रोग होते हैं। किसान फसल अवशेषों को जलाने के बजाय भूसा बनाएं, जो पशुओं के चारे में काम आए या भूसा मशीनों से फसल अवशेष की बेलर मशीन से गांठ बना कर बेच सकते हैं। फसल अवशेषों को मृदा में मिला देने से मृदा में खाद का काम करती है।

साथ ही, मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा में सुधार होगा तथा फसल उत्पादन व जैव विविधता भी बढ़ेगी एवं मृदा का स्वास्थ्य लम्बे समय तक अच्छा बना रहेगा। कार्बनिक पदार्थ/जीवांश पदार्थ मृदा संसाधन का एक महत्वपूर्ण घटक है परन्तु फसल अवशेषों को जलाने से यह अमूल्य पदार्थ नष्ट हो जाता है जिसके कारण मृदा उर्वरता व उत्पादकता कम हो जाती है। फसल अवशेषों को जलाने से मृदा का तापमान बढ़ जाता है जिससे मृदा में उपस्थित सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं। फसल अवशेष जलाने पर भारी मात्रा में हानिकारक गैसें मिथेन, कार्बनडाई ऑक्साईड, सल्फरडाई ऑक्साईड आदि निकलती है। जिससे पृथ्वी का तापमान बढ़ता है और जलवायु में विभिन्न परिवर्तन होते हैं। कृषि अवशेषों को जलाने से मृदा का तापमान बढ़ने से मृदा में उपस्थित मित्र कीट व फफून्द नष्ट हो जाते हैं।फसल अवशेष एक प्राकृतिक संसाधन है जिससे उपस्थित कार्बनिक पदार्थ मृदा में उपस्थित सूक्ष्मजीवों के लिए भोजन का एक प्रमुख स्त्रोत होता है एवं मृदा के जैविक, रासायनिक एवं भौतिक गुणों में भी वृद्धि करते है। धान एवं अवशोषित कुल नाइट्रोजन एवं फास्फोरस का 25 प्रतिशत एवं 75 प्रतिशत पोटाश जड़ तना एवं पत्तियों में संग्रहीत रहते हैं। कृषि अवशिष्ट को मृदा मे मिलाने से खरपतवारों के अंकुरण एवं बढ़वार में कमी आती है जिससे फसलों की उत्पादकता मे वृद्धि होती है।

कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई

बूंदी। जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने स्पष्ट किया कि जिले में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। जिले की सभी गैस एजेंसियों पर वर्तमान में पर्याप्त स्टॉक की उपलब्धता है। मंगलवार को मुख्य सचिव एवं शासन सचिव (खाद्य विभाग) के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में जिले में गैस आपूर्ति की स्थिति को संतोषजनक बताया गया।पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देशानुसार ऑनलाइन गैस बुकिंग के लिए पिछली बुकिंग से सामान्य में 25 दिन व उज्जवला कनेक्शन में 45 दिन का अंतराल निर्धारित किया है। बुकिंग के पश्चात "डीएसी कोड" से गैस एजेंसियों की ओर से घर-घर आपूर्ति की जा रही है। फिलहाल व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। हालांकि शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और चैरिटेबल ट्रस्टों को मांग के अनुसार आपूर्ति जारी रहेगी। जिला कलक्टर ने सभी तेल कंपनियों को अपने अधीनस्थ डिपो से जिले में आवश्यकतानुसार घरेलू गैस की आपूर्ति कराया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किये है।

भगत सिंह का नाम क्रांतिकारी परिवर्तन के आकाश में हमेशा ध्रुवतारे की तरह चमकता रहेगा

- **विकल्प काव्य गोष्ठी में उभरे सृजन और प्रतिरोध के स्वर**

कोटा, (निसं)। नगर की साहित्यिक संस्था विकल्प जन सांस्कृतिक मंच द्वारा क्रांतिकारी महा नायक भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहादत दिवस को साम्राज्यवाद विरोधी, जन चेतना दिवस के रूप में मनाया गया।

अवसर पर प्रेस क्लब, कोटा सभागार में शाम 4 बजे से आयोजित विकल्प काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार ओम कटारा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगत सिंह का नाम विश्व के क्रांतिकारी शहीदों में हमेशा ध्रुवतारे की तरह चमकता रहेगा उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से कहा चलो जहां प्यासे होठों पर कोई नदी लहराती है काव्य संध्या से पूर्व विचार सत्र में प्रमुख वक्ता राजमल शर्मा ने भगत सिंह का उद्दरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि साम्राज्यवाद ही युद्ध का कारण है, हम एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं जो हमेशा के लिए साम्राज्यवादी युद्धों का अंत कर दें। उन्होंने कहा कि भगत सिंह एक उच्च कोटि के विचारक और लेखक भी थे उन्होंने कहा था कि क्रांति बम और पिस्तौल का दर्शन नहीं है, विचारों की सान पर ही क्रांति की तलवार तेज होती है।

काव्य गोष्ठी का प्रारंभ कवि किशन वर्मा ने हाड़ौती कविता से किया-अरे बटोही थक मत जाज्यो बटमार्गों को पहरो छै मयंक सोलंकी ने अपने नवगीत में कहा कैसे है आर्तनाद, कैसा विध्वंस, सुलग उठे बम गौरी शंकर जोशी ने कहा-कहा भूख ने प्यास से खुब कर बारम्बार, तेरे मेरे बीच में रोटी की दीवार विशिष्ट अतिथि विजय राघव ने अपनी गजल में कहा लूट के डॉलर पर इतराए अमरीकी मकड़ा विजय सिंह पालीवाल ने भगत सिंह के विचारों को समर्पित कविता में कहा-अरे ओ भगतसिंह वाले, तुम हो आजादी की सोच के मतवाले प्रसिद्ध शायर चांद शेरी ने अपने शेरों में कहा घर खंजरों में अपना बनाया है तो शेरी, क्यों चैन से जीने की दुआ मांग रहे हो ग्गोष्ठी में विकल्प के अध्यक्ष दिनेश राय द्विवेदी, अहमद सिराज फारूकी, वेद प्रकाश प्रकाश, सीमा तबस्सुम, सत्येन्द्र वर्मा, बी.एल.वर्मा, महेन्द्र नेह, नारायण शर्मा, कृष्ण लाल वर्मा ने अपनी प्रतिनिधि कविताओं का पाठ किया। विकल्प द्वारा नगर के प्रमुख केंद्रों-राजकीय महाविद्यालय स्थित भगतसिंह की प्रतिमा पर क्रांतिकारी श्रद्धांजलि के उपरांत सी.बी.गार्डन, विवेकानंद स्मारक, अंबेडकर प्रतिमा परिसर में भगत सिंह के विचारों पर आधारित पोस्टरों का प्रदर्शन किया। पोस्टर जन अभियान का संचालन राजेन्द्र जैन, महेन्द्र पांडेय, अब्दुल गफूर, नारायण शर्मा और शब्बीर अहमद ने किया।

चैत्र नवरात्र पर कन्याओं का पूजन

कोटा। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा घोषित माध्यमिक (दसवीं) परीक्षा परिणाम में एलबीएस अकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कोटा ने इस वर्ष शानदार, गौरवपूर्ण एवं प्रभावशाली परिणाम प्रस्तुत करते हुए एक बार फिर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता सिद्ध की है। विद्यालय के छात्र हरीश कुमार मीणा ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं विनीता बैरवा ने 94.83 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा कबीर नामदेव ने 92.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त नैतिक राठौर ने 91.50 प्रतिशत एवं योगिता ने 91 प्रतिशत अंक अर्जित कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। विद्यालय के 53 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर परिणाम को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावशाली बनाया। इस अवसर पर एलबीएस ग्रुप के चेयरमैन कुलदीप माथुर ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई दी।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर सख्त कार्रवाई

बूंदी। नगर परिषद् बून्दी द्वारा स्वच्छ भारत मिशन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध के अंतर्गत शहर में निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार को एसबीआई बैंक के पास, गोपाल सिंह प्लाजा क्षेत्र में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान टीम द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर कार्रवाई करते हुए लगभग 15 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त किया गया। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले संबंधित प्रतिष्ठानों से 1325 का जुर्माना भी वसूला गया। यह कार्रवाई शहर को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नगर परिषद् की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अभियान में आयुक्त आशा मीणा, एईएन दिनेश कुमार मीणा, स्वच्छ भारत मिशन अभियंता शुभम पारिक, आईईसी पार्टनर क्लेवेरिनो की टीम से राजेन्द्र शर्मा, विद्या, रिंकू मीणा तथा नगर परिषद् बून्दी की अतिक्रमण टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

शहर के हर वार्ड का बनेगा जीआईएस मैप

बूंदी। राज्य सरकार के विजन-2047 के तहत बूंदी शहर को सुनियोजित और अत्याधुनिक तरीके से विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए 15 मई 2026 तक मुख्यमंत्री विकसित शहर अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के जरिए नगर परिषद क्षेत्र के हर वार्ड की भौगोलिक और सामाजिक स्थिति का हाई-टेक डेटाबेस तैयार कर बूंदी का मास्टर प्लान-2047 बनाया जाएगा। अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए इन दिनों नगर परिषद के सभी वार्डों में वार्ड सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन सभाओं में नियुक्त वार्ड प्रभारी और कार्मिक आमजन को अभियान के उद्देश्यों की जानकारी देकर जागरूक कर रहे हैं। शहर के विकास का खाका तैयार करने में जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

कोटा और हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के मध्य एमओयू सम्पन्न

- **व्यक्तित्व विकास से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार एवं शोध गतिविधियों का आयोजन करेंगी**

कोटा, (निसं)। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय (वीएमओयू), कोटा और हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू का उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों के समग्र विकास हेतु शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है। एमओयू के तहत दोनों संस्थाएं संयुक्त रूप से ध्यान, योग, जीवन कौशल, तनाव प्रबंधन तथा व्यक्तित्व विकास से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार एवं शोध गतिविधियों का आयोजन करेंगी।

इस एमओयू के माध्यम से विद्यार्थियों में मानसिक संतुलन, भावनात्मक सुदृढ़ता एवं नेतृत्व क्षमता के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व गुणों में वृद्धि होगी। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो.बीएल वर्मा ने कहा कि हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के साथ सम्पन्न यह एमओयू विद्यार्थियों को न केवल अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायक होगा, बल्कि उन्हें जीवन कौशल और नैतिक मूल्यों से भी सशक्त बनाएगा।

यह साझेदारी को "ज्ञान और आत्म-जागरूकता का संगम" है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पहल विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होगी। उन्होंने हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका अनुभव एवं विशेषज्ञता विश्वविद्यालय समुदाय के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। कुलगुरु प्रो.बी.एल.वर्मा ने कहा कि यह एमओयू भविष्य में दोनों संस्थाओं के बीच दीर्घकालिक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जिससे दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं गुणवत्ता को बढ़ावा मिलेगा। इस एमओयू का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उनके समग्र विकास को सुनिश्चित करना है।

यह पहल शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगी, क्योंकि उनके लिए भी तनाव प्रबंधन एवं कार्य-कुशलता बढ़ाने हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह एमओयू शिक्षा को केवल सैद्धांतिक न रखकर व्यावहारिक एवं जीवनोपयोगी बनाने की दिशा में कार्य करेगा। इससे विद्यार्थियों को वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलेगी।

वहीं हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने बताया कि ध्यान एवं आंतरिक संतुलन के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकेगा।

वीएमओयू के साथ हुआ यह समझौता शिक्षा में गुणवत्ता, नवाचार एवं मानवीय मूल्यों के समावेश की दिशा में एक सार्थक कदम है, जो भविष्य में एक सशक्त एवं संतुलित समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। वर्तमान समय में शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि विद्यार्थियों के मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के साथ संपन्न यह सहयोग विद्यार्थियों को ध्यान, योग एवं आत्म-संवर्धन के विभिन्न आयामों से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगा।

नाम परिवर्तन

मैने अपना पुराना नाम बानू बाई से बदलकर नया नाम बानो बाई रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-बानो बाई पत्नि स्वर्गीय इस्माईल, बोहरा गली भेरूपाड़ा अन्ता बारां

खोया पाया

मेरे आवास सं. 2/31 योजना स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा का मूल नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र स्वामी विवेकानन्द नगर में कही गुम हो गया है। जिस किसी को मिला हो तो मुझे सूचित करें।
संपर्क सूत्र- सुरेन्द्र कुमार शर्मा
मो.नं. 9414862154
2/31 SVN

खोया पाया

मेरे मकान नं. 4-एच-29 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा के मूल दस्तावेजो में से (1) मूल आवंटन क्रमांक 2423 दि. 9.2.1987 (2) विशेष छूट योजना 2002 के अन्तर्गत 1316 दि. 26.2.2002 (3) जमा रशीद नं. 9692 दि. 30.3.2002 कही गुम हो गये है। जिस किसी को मिले सूचित करे।
पता-नाथूलाल, 4-एच-29 म.न.वि.योजना कोटा

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
अपर जिला न्यायाधीश क्रम 5, कोटा (राज.)
न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश क्रम- 5 कोटा (राज.)
रुकमणि शर्मा विरुद्ध हरिश व अन्य
बाबत स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं. CS 9 सन् 2025
बनाम नीना शर्मा पुत्री स्व. श्री दीनदयाल शर्मा स्थान चित्तौडा फार्म हाउस कन्सुआ रोड़ कोटा (राज)
....ने आपके विरूद्ध......के लिए संस्थित किया जाता है। आपका इस न्यायालय में तारीख 21 माह 4 सन् 2026 को दिन में 10AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) के लिए समय दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें। जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लेखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख 18 माह 3 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
आज्ञानुसार
शेहरिस्तेदार प्रथम
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम- 5

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)
क्रमांक: LU2012/KOT/2025-26/101178 **लोक सूचना** दिनांक: 24/03/2026
श्री RAJASTHAN SHIKSHA EVAM PRASHIKSHAN SAMITI JARIYE ADHYAKSH WASIM ANSARI पुत्र श्री AABID HUSSAIN जाति MUSLIM निवासी 3, SPESIAL VISTAR YOJNA, VIGYAN NAGAR, KOTA ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का अन्य संस्थानिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1	रंगतलाब उर्फ कालातालब, लाडपुरा (कोटा)	RAJASTHAN SHIKSHA EVAM PRASHIKSHAN SAMITI JARIYE ADHYAKSH WASIM ANSARI S/O AABID HUSSAIN JAATI MUSALMAN NIWASI 3 SPESIAL VISTAR YOJANA VIGYAN NAGAR , KOTA	476	5150	0.515
2	रंगतलाब उर्फ कालातालब, लाडपुरा (कोटा)	RAJASTHAN SHIKSHA EVAM PRASHIKSHAN SAMITI JARIYE ADHYAKSH WASIM ANSARI S/O AABID HUSSAIN JAATI MUSALMAN NIWASI 3, SPESIAL VISTAR YOJANA VIGYAN NAGAR,KOTA	484	3450	0.345
				कुल	0.86

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 24-03-2026 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी
कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)
क्रमांक: LU2012/KOT/2025-26/101171 **लोक सूचना** दि.24.03.2026
श्री PRABHU पुत्र श्री NATHU जाति DHAKAD निवासी BADA SOGARIYA KOTA JN KOTA श्री SURESH पुत्र श्री NATHU जाति DHAKAD निवासी BADA SOGARIYA KOTA JN KOTA ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का **आवासीय** प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है,अर्थात्:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	सोगरिया, लाडपुरा (कोटा)	SURESH S/O NATHU CASTE-DHAKAD SA.DEH KHATEDAR	220	7000	0.7
2.	सोगरिया, लाडपुरा (कोटा)	SURESH S/O NATHU CASTE-DHAKAD SA.DEH KHATEDAR	221	500	0.05
3.	सोगरिया, लाडपुरा (कोटा)	PRABHU S/O NATHU CASTE-DHAKAD SA.DEH KHATEDAR	638/220	4300	0.43
				कुल	1.18

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम,1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 24/03/2026 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कृषि भूमि रुंपातरण नगर परिषद, बारां
क्रमांक-नपबा/रूपा./2025/12687-88 **लोक सूचना** दिनांक-17.03.2026
श्री रामगोपाल पुत्र श्री रामप्रताप निवासी पीलीया कोलोनी समाज कल्याण विभाग के पास गजनपुरा बारां तह. व जिला बारां राजस्थान ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वाचन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात्

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
बारां तहसील जिला बारां	नलका	958/658	0.5071 है.

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृत अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने अपेक्षा प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियम समय के भीतर भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है, और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज..... को जारी की गयी।
प्राधिकारी अधिकारी आयुक्त नगर परिषद बारां

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कोटा खण्ड कोटा
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 के अधीन
नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 106/2026
श्री महेन्द्र गुप्ता पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता, 720. मेन रोड बसंत विहार, कोटा द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(2) के अन्तर्गत प्रन्यास भारतीय शिक्षा संस्थान, बारां (राज.), भारत फिलिंग स्टेशन, शाहबाद रोड, बारां के सम्बन्ध में पंजीयन हेतु जांच किये जाने के लिये आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है. में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिये यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निर्णित किया जायेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।
आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया। प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 28.05.2026 है।
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक :- 227 **नाम हस्तातंरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 23.3.26
कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा आवास/भूखण्ड संख्या-37 (कॉर्नर) व्यवसायिक भूखण्ड अनन्तपुरा स्टोनमण्डी योजना का आवंटन प्राधिकरण के पत्र क्रमांक-681 दिनांक 19.05.1986 द्वारा मैसर्स संजय स्टोन सप्लायर्स श्री चांदमल जैन पुत्र श्री कजोडमल जैन को आवंटन किया गया था। आवंटी श्री चांदमल जैन की मृत्यु दिनांक 19.11.2018 को हो चुकी है। स्व. चांदमल जैन के विधिक वारिसान संजय कमार जैन की भी मृत्यु दिनांक 21.02.2024 को हो चुकी है। मृत्यु के पश्चात स्व. चांदमल जैन के विधिक वारिसान के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजो में मृत्यु प्रमाण पत्र, आई.डी., शपथ पत्र, रिलीज डीड इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड/आवास अपने नामहस्तान्तरण करने की स्वीकृति कोटा विकास प्राधिकरण से चाही जा रही
अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/ आवास संख्या-37 (कॉर्नर) व्यवसायिक योजना अनन्तपुरा स्टोनमण्डी का नाम हस्तान्तरण आवेदक श्री कमल कुमार जैन पुत्र स्व. चांदमल जैन एवं श्रीमती सीमा जैन पत्नी स्व. संजय कुमार जैन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।
उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक :- 230 **नाम हस्तातंरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 24.3.26
नगर विकास न्यास कोटा की ट्रांसपोर्ट नगर (शम्भूपुरा ग्रोथ सेन्टर) योजना के भूखण्ड/आवास संख्या 590 का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि. न्यास के पत्र दिनांक 18.08.2021 को मै. सुपर हरियाण रोड लाईन्स प्रो. श्री प्रमोद कुमार पांचाल को किया गया था। आवंटी श्री प्रमोद कुमार पांचाल की मृत्यु दिनांक 01.08.2022 को हो चुकी है। आवंटी द्वारा अपने जीवनकाल में श्रीमती डॉली कौशिक के नाम वसीयत निष्पादित कर रखी थी। मृत्यु उपरान्त आवंटी के वसीयत हकदार द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में मृत्यु प्रमाण पत्र, आई.डी., शपथ पत्र, वसीयतनामा, गवाह शपथ पत्र इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड/आवास अपने नामहस्तान्तरण करने की स्वीकृति कोटा विकास प्राधिकरण से चाही जा रही है।
अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 590 योजना ट्रांसपोर्ट नगर (शम्भूपुरा ग्रोथ सेन्टर) का नाम हस्तान्तरण श्रीमती डॉली कौशिक पत्नी श्री राकेश कौशिक के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।
उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक :- एफ-15/कृ.भू.रू./2026/2286 **विज्ञप्ति** दिनांक : 24.3.2026
सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम मानपुरा खसरा नं. 83 में स्थित कृषि भूमि योजना समृद्धि नगर स्पेशल भूखण्ड संख्या सी-19 आवेदक/आवेदिका श्री जगदीश कुमार कपूर पुत्र स्व. श्री जोगेन्द्र लाल निवासी 88 नजदीक सेटालाइट हॉस्पिटल, रामपुरा कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत्त किया गया है। उक्त भूखण्ड का पट्टा क्रमांक 1937 दिनांक 30.05.2022 को श्री राजेश कपूर पुत्र स्व. जोगेन्द्र लाल के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 04.04.2025 को हो चुकी है। मृतक अविवाहित थे। मृतक के विधिक वारिसान भाई जगदीश कुमार कपूर व अनिल कपूर है। वारिसान अनिल कपूर द्वारा जर्ये रजि. हकत्याग पत्र दिनांक 06.03.2026 को आवेदक के पक्ष में किया गया है।
अतः श्री जगदीश कुमार कपूर पुत्र स्व. श्री जोगेन्द्र लाल के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत्त करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।
उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

राजस्थान इंटेलिजेंस ने सुमित कुमार से पूछताछ के बाद जांच का दायरा बढ़ाया

सुरक्षा एजेंसियों का पूरा फोकस आरोपी सुमित कुमार के 'बीकानेर कनेक्शन' पर है

- **आरोपी सुमित कुमार ने सामरिक दृष्टि से अति संवेदनशील नाल की रेकी कब की और यहां वह किसके संपर्क में रहा, इसे लेकर जयपुर स्थित केंद्रीय पूछताछ सेंटर में पूछताछ जारी**
- **पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी वर्ष, 2023 से पाक खुफिया एजेंसी के संपर्क में था और रुपयों के लालच में जासूसी कर रहा था, छबुआ के साथ ही उसने नाल एयरफोर्स स्टेशन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां पाक हैंडलर्स को दी है**

बीकानेर, (निसं)। असम के छबुआ एयरफोर्स स्टेशन से गिरफ्तार सिविलकर्मी सुमित कुमार से पूछताछ के बाद अब राजस्थान इंटेलिजेंस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। सुरक्षा एजेंसियों का पूरा फोकस सुमित के 'बीकानेर कनेक्शन' पर है। उसने नाल एयरफोर्स स्टेशन बीकानेर से जुड़ी जानकारियां अपने पाक हैंडलर्स को दी है। आरोपी सुमित कुमार, जो असम के डिब्रूगढ़ में कार्यरत था, उसने सामरिक दृष्टि से अति संवेदनशील नाल की रेकी कब की और यहां वह किसके संपर्क में रहा, इसे लेकर जयपुर स्थित केंद्रीय पूछताछ सेंटर में संयुक्त पूछताछ जारी है। बीकानेर में नाल एयरफोर्स स्थित हवाई अड्डा सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान से लगती पश्चिमी राजस्थान की सीमा और बॉर्डर जिले बीकानेर में होने के कारण यह हवाई अड्डा अति संवेदनशील माना जाता है।

एडीजी इंटेलीजेंस प्रफुल्ल कुमार के मुताबिक जनवरी, 26 में जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी हुई थी। उससे पूछताछ और अनुसंधान के दौरान के बाद परतें खुली और संदिग्ध सुमित कुमार का नाम सामने आया, जो लगातार पाक खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था। यूपी में लाहुरपार प्रयागराज निवासी सुमित कुमार (36) असम के डिब्रूगढ़ में छबुआ एयरफोर्स स्टेशन पर एमटीएस के पद पर कार्यरत था। उसने वहां और बीकानेर नाल एयरफोर्स की गुप्त सूचनाएं जुटाकर सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान भेजी हैं। सुमित बीकानेर कब और कैसे आया, यहां कितने दिन और किसके पास रहा, राजस्थान इंटेलीजेंस पूछताछ कर रही है।

गौरतलब है कि राजस्थान इंटेलीजेंस की टीम ने एयरफोर्स इंटेलीजेंस, नई दिल्ली के साथ मिलकर सुमित को छबुआ से डिटेन किया और जयपुर स्थित केंद्रीय पूछताछ केंद्र लाया गया। वहां संयुक्त पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी वर्ष, 2023 से पाक खुफिया एजेंसी के संपर्क में था और रुपयों के लालच में जासूसी कर रहा था। छबुआ के साथ ही उसने नाल एयरफोर्स स्टेशन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां पाक हैंडलर्स को दी है। इनमें लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम आदि की गोपनीय जानकारी शामिल है। आरोपी अपने नाम से जारी मोबाइल नंबरों के जरिए पाक हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनवाने में भी मदद करता था। आरोपी के खिलाफ शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 एवं बीएनएस, 23 की धाराओं में स्पेशल पुलिस स्टेशन, राजस्थान जयपुर में दर्ज प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है।

नोखा में हमलावरों ने ट्रक ड्राइवर की कस्सी से वार कर हत्या की

हमलावरों ने घर में घुसकर ट्रक ड्राइवर का मर्डर किया, सिर पर कई वार किए

- **मौके पर पुलिस, एफएसएल और एमओबी टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और जांच की**
- **पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर हत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है**

नोखा, (निसं)। थाना क्षेत्र के रासीसर गांव में एक ट्रक ड्राइवर की हत्या कर दी गई। अज्ञात हमलावरों ने उसके सिर पर कस्सी से कई वार किए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस फिलहाल हत्यारों की तलाश में जुटी है।

नोखा थानाधिकारी अरविंद्र भारद्वाज ने बताया कि रासीसर निवासी अनिल बिश्नोई पेशे से ट्रक ड्राइवर था। वह ट्रक लेकर रासीसर आया और गांव के एक होटल के पास खड़ा कर अपने घर नहाने चला गया। वह दिनभर घर पर ही था। शाम के समय पड़ोस में रहने वाले उसके रिश्तेदारों ने उसे चाय पीने के लिए आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इस पर वे घर के अंदर देखने पहुंचे तो गेट के पास अनिल बिश्नोई का शव लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। परिजनों और पुलिस को तुरंत सूचना दी गई। सूचना मिलने पर नोखा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को मौके से खून से सनी एक कस्सी बरामद हुई है। शुरुआती जांच में आशंका है कि अज्ञात हमलावरों ने इसी कस्सी से सिर पर कई वार कर अनिल की हत्या की। शव के आसपास काफी मात्रा में खून फैला हुआ था। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) और एमओबी (मोबाइल आउटपुट ब्यूरो) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीमों ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आसपास के क्षेत्र में जांच-पड़ताल की।

घटना की जानकारी मिलने पर एएसपी ग्रामीण बनवारीलाल मीणा और नोखा सीओ जनरैल सिंह भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और पुलिस टीम को मामले का जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और हत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है।

अवैध हथियार बनाने की फैक्टरी का पर्दाफाश

गांव कांकनियावास में पांच साल से अवैध हथियार बनाये जा रहे थे

- **पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पांच अवैध हथियार बरामद किये**
- **हथियार बनाने में इस्तेमाल ग्राइंडर मशीन, ड्रिल मशीन, वेल्डिंग मशीन, बोरिंग मशीन, बारूद व अन्य टूलकिट भी जब्त**

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। बांदरसिंदरी थाना पुलिस ने गांव कांकनियावास में दबिश देकर पिछले पांच साल से अवैध हथियार बना रहे आदतन बदमाश को गिरफ्तार कर पांच हथियार बरामद किये हैं। प्रारम्भिक जांच में आरोपी बीआरसी गैंग से जुड़ा हुआ होने के संकेत मिले हैं और यूट्यूब को देखकर फैक्ट्री में काम करना शुरू कर दिया।

पंचर बनाने की दुकान में अवैध हथियार बनाकर पुलिस की गिरफ्त में आये आरोपी गांव कांकनियावास निवासी मोहम्मद रोशन से पूछताछ की जा रही है कि इसने किन-किन लोगों को हथियार सप्लाई किये हैं। मौके से एक नवीन टोपेदार बंदूक, एक पुरानी बंदूक, 3 अर्धनिर्मित देसी कट्टा, 5 कट्टों की नाल सहित हथियार बनाने में इस्तेमाल ग्राइंडर मशीन, ड्रिल मशीन, वेल्डिंग मशीन, बोरिंग मशीन, बारूद व अन्य टूलकिट जब्त किये हैं। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में एडिशनल एसपी ग्रामीण दीपक कुमार के सुपरविजन में सहायक पुलिस अधीक्षक अजय सिंह राठौड़ के नेतृत्व में सीओ ग्रामीण आयुष वशिष्ठ, बांदरसिंदरी थाना प्रभारी दयाराम चौधरी टीम में शामिल रहे। हैंड कांस्टेबल सांवरलाल व कॉन्स्टेबल कालूराम का विशेष योगदान रहा।

माध्यमिक, प्रवेशिका सहित 8वीं एवं 5वीं के परीक्षा परिणाम जारी

- **शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बोर्ड कार्यालय से औपचारिक रूप से परिणाम जारी किए**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2026 की माध्यमिक, माध्यमिक व्यावसायिक एवं प्रवेशिका परीक्षाओं के साथ प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन कक्षा-5 एवं प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण-पत्र कक्षा-8 परीक्षाओं के परिणाम शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा मंगलवार को बोर्ड कार्यालय से औपचारिक रूप से जारी किए गए।

परिणाम जारी करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि माध्यमिक एवं माध्यमिक व्यावसायिक परीक्षा 2026 में 10 लाख 66 हजार 561 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए। इनमें से 10 लाख 49 हजार 68 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इस परीक्षा का कुल परिणाम 94.23 प्रतिशत रहा। इसमें छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 93.63 तथा छात्राओं का 94.90 प्रतिशत दर्ज किया गया। छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों की तुलना में बेहतर रहा। इसी प्रकार प्रवेशिका परीक्षा 2026 में कुल 7 हजार 764 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए। इनमें से 7 हजार 570 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इस परीक्षा का कुल परिणाम 87.11 प्रतिशत रहा। छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 85.74 तथा छात्राओं का 88.33 प्रतिशत रहा।

उन्होंने बताया कि प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण-पत्र (कक्षा-8) परीक्षा 2026 का आयोजन 19 फरवरी से 4 मार्च 2026 तक 10,056 परीक्षा केन्द्रों पर किया गया। इस परीक्षा में कुल 12 लाख 86 हजार 220 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। इनमें से 12 लाख 45 हजार 735 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए। कुल परीक्षा परिणाम 97.01 प्रतिशत रहा, जो गत वर्ष की तुलना में लगभग 0.35 प्रतिशत अधिक है। कक्षा-8 में छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 96.52 तथा छात्राओं का 97.57 प्रतिशत रहा, जिससे छात्राओं का प्रदर्शन 1.05 प्रतिशत अधिक रहा। प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन (कक्षा-5) परीक्षा 2026 का आयोजन 20 फरवरी से 6 मार्च 2026 तक राज्य के 18 हजार 621 परीक्षा केन्द्रों पर किया गया। इसमें कुल 13 लाख 68 हजार 947 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। इनमें से 13 लाख 33 हजार 936 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए तथा कुल परीक्षा परिणाम 97.75 प्रतिशत रहा, जो गत वर्ष की तुलना में लगभग 0.28 प्रतिशत अधिक है। कक्षा-5 में छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 97.59 तथा छात्राओं का 97.94 प्रतिशत रहा, जिससे छात्राओं का प्रदर्शन 0.35 प्रतिशत बेहतर रहा।

मंत्री दिलावर ने बताया कि कक्षा-5 एवं कक्षा-8 परीक्षाओं में पारंपरिक अंकों के स्थान पर ग्रेडिंग प्रणाली लागू की गई है। इसके अंतर्गत परीक्षार्थियों को विषयवार प्रदर्शन के आधार पर ए, बी, सी, डी एवं ई ग्रेड प्रदान किए जाते हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सभी सफल परीक्षार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा बेहतर परिणाम के लिए शिक्षकों, अभिभावकों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों के समन्वित प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त एवं बोर्ड प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़, बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

युवक ने ट्रेन से कटकर जान दी

जोधपुर, (कासं)। सांगरिया ब्रिज रेलवे ट्रेक पर एक युवक ने ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। पिता का आरोप है कि पुत्रवधु और अन्य मिलकर उसे तंग और परेशान करते थे, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। कुड़ी भगतासनी थाने में इस बाबत केस दर्ज कराया गया है। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया। अग्रिम कार्रवाई जारी है।

थानाधिकारी तेजकरण ने बताया कि राजपूतों का बास, झालामंड निवासी 28 वर्षीय प्रकाश राव पुत्र प्रेमाराम राव ने ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी थी। उसकी पहचान के साथ शव का बाद में पोस्टमार्टम कराया गया। उसके पिता प्रेमाराम का आरोप है कि उसके पुत्र प्रकाश को उसकी पत्नी और अन्य लोग तंग और परेशान करते थे, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया।

बदमाशों ने युवक से मारपीट की

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के एक सुलभ शौचालय में लूट की नियत से एक युवक पर बदमाशों ने हमला कर दिया। घटना सूरजपोल थाना क्षेत्र में पारस चौराहा के पास मुख्य सड़क की है। पीड़ित युवक मो. फरमान टॉयलेट करने गया था। अंदर घुसते ही एक बदमाश ने उस पर अचानक हमला बोल दिया। तुरंत उसके दो अन्य साथी भी अंदर आ गए और तीनों ने मिलकर युवक को बुरी तरह पीटा। उन्होंने मोबाइल छीनने और पैसे लूटने की कोशिश की।

डीडवाना में बना प्रदेश का पहला एकीकृत सैनिक कल्याण परिसर

डीडवाना, (निसं)। सैनिकों और पूर्व सैनिकों के सम्मान तथा उनकी सुविधाओं को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने डीडवाना में नवनिर्मित एकीकृत सैनिक कल्याण परिसर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधायक युनूस खान, भाजपा नेता जितेंद्र सिंह, करणी सिंह सहित सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारी, जिलेभर के पूर्व सैनिक, शहीद वीरांगनाएं और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

यह एकीकृत सैनिक कल्याण परिसर कई आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें शहीद स्मारक, वॉर गैलरी, सैनिक कैंटीन, सामुदायिक भवन, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, विश्राम गृह और चिकित्सालय शामिल हैं। खास बात यह है कि इस परिसर में बनाया गया शहीद स्मारक इंडिया गेट स्थित अमर जवान ज्योति की तर्ज पर विकसित किया गया है। यहां बनाए गए स्मारक में 7.62 एमएम राइफल ओर उस पर सैनिक का हेलमेट स्थापित किया गया है, जो 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में उपयोग में लाई गई थी और इसे विशेष रूप से जबलपुर से लाया गया है। परिसर में बनी वॉर गैलरी सैनिक इतिहास की गौरवशाली गाथा को जीवंत करती है। प्रथम विश्व युद्ध से लेकर कारगिल युद्ध तक के 136 शहीदों की तस्वीरें, उनके यूनिट, गांव और बलिदान दिवस की विस्तृत जानकारी यहां प्रदर्शित की गई है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगी। इस मौके पर मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने वीर जवानों ओर युद्ध वीरांगनाओं का शोल ओढ़ाकर सम्मान किया। इसके पश्चात अपने संबोधन में मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही सैनिकों और पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

राजस्थान सरकार
कॉलेज शिक्षा विभाग
Website: https://hte.rajasthan.gov.in/college/gcsanchore
Email: govtcollegesanchore@gmail.com
क्रमांक-जीसीएस/स्था/2026/2764 दिनांक-19 मार्च 2026

ई-बोली सूचना संख्या-1/2025-26

इस महाविद्यालय में Smart Class इस हेतु सामग्री क्रय करने हेतु खुली निविदा सूचना क्रमांक 01/2025-26 आमंत्रित की गयी है। जिसकी अनुमानित लागत रूपये 1960000/- (अक्षरे उन्नीस लाख साठ हजार रूपये मात्र) है।

1.	निविदा बेचने की तिथि व समय	18.03.2026 से 28.03.2026 सुबह 11.00 बजे तक
2	निविदा जमा कराने की अंतिम तिथि व समय	28.03.2026 को दोपहर 01.00 बजे तक
3.	निविदा बोली खोलने का समय	28.03.2026 को दोपहर 03.00 बजे

खुली निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय वेबसाईट राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल http://rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है।
NIB NO.- ECD2526A0657, UBN NO.- ECD2526GLOB00685

(मूला राम)
कार्यवाहक प्राचार्य एवं
(सहायक आचार्य, भूगोल)
राजकीय महाविद्यालय, सांचौर
DIPR/C/5971/2026

गंगापुर सिटी में खेत में मानव शव के अवशेष मिले

- **सदर थाना पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए मानव शव के अवशेष**
- **पुलिस ने मृतक की पहचान के लिए अवशेषों का डीएनए टेस्ट कराने का निर्णय लिया**

गंगापुर सिटी, (निसं)। समीपवर्ती गांवड़ी गांव में एक खेत में बने पानी के टांके के पास अज्ञात मानव शव के अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया।

जानकारी के मुताबिक खेत में काम कर रहे लोगों ने टांके के नजदीक संदिग्ध अवस्था में मानव अवशेष देखे, उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पूरे क्षेत्र को सुरक्षित कर जांच शुरू की और महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव के अवशेषों को अपने कब्जे में लेकर गंगापुर सिटी के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, ये अवशेष लगभग 1 से 2 माह पुराने प्रतीत हो रहे हैं, जिससे मृतक की पहचान करना एक बड़ी चुनौती बन गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मृतक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए शव के अवशेषों का डीएनए टेस्ट कराने का निर्णय लिया है। इसके अलावा पुलिस आसपास के क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की भी गहनता से जांच कर रही है। पुलिस फिलहाल सभी संभावित पहलुओं पर गौर करते हुए जांच में जुटी है। उसका प्रयास है कि मृतक की पहचान हो सके और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा किया जा सके।

करंट से मोबाइल कंपनी के कर्मचारी की मौत

कोटा, (निसं)। रामपुरा थाना इलाके में विद्युत पोल पर फाइबर बॉक्स लगाने के दौरान करंट की चपेट में आने से पोल से गिरकर घायल हुए मोबाइल कंपनी के कर्मचारी की अस्पताल में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार नयागांव निवासी अनिल कुमार सोमवार को रामपुरा क्षेत्र में विद्युत पोल पर फाइबर का बॉक्स लगाने के लिये चढ़ा था। अचानक करंट की चपेट में आने से पोल से नीचे गिर गया। जिसे उपचार के लिये कोटा के निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

मौत के बाद परिजनों ने मोबाइल कंपनी के लोगों पर लापरवाही का आरोप लगाया, मृतक के परिचितों ने मृतक के परिजनों को आर्थिक मदद देने की मांग की। रामपुरा कोतवाली महेन्द्र मारू ने बताया कि मृतक उम्मेदपुरा हाल नयागांव निवासी अनिल कुमार (28) था, जो प्राईवेट मोबाइल कंपनी का कर्मचारी था। सोमवार को फाईबर बॉक्स लगाने के दौरान करंट की चपेट में आने से पोल से गिर गया, जिससे उसके सिर में चोट आई, जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजनों ने आर्थिक मदद की मांग की, जिस पर समझाईश कराई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक, माध्यमिक व्यावसायिक एवं प्रवेशिका परीक्षा-2026 की उत्तर-पुस्तिकाओं की संवीक्षा एवं उत्तर-पुस्तिकाओं की स्केन फोटो प्रति ऑनलाईन प्राप्त करने हेतु परीक्षार्थियों के सूचनार्थ

माध्यमिक, माध्यमिक व्यावसायिक एवं प्रवेशिका परीक्षा-2026 का परिणाम दिनांक 24.03.2026 को घोषित किया गया है। संवीक्षा एवं उत्तर-पुस्तिका की स्केन फोटो प्रति प्राप्त करने हेतु बिना विलम्ब शुल्क दिनांक 31.03.2026 एवं विलम्ब शुल्क सहित दिनांक 03.04.2026 तक ई-मित्र पर अथवा स्वंय के स्तर पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। विस्तृत जानकारी, नियम, निर्देष, शर्ते व आवेदन पत्र प्रारुप/प्रक्रिया आदि बोर्ड वेबसाईट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर एवं दिनांक 24.03.2026 को अपलोड की गई विज्ञप्ति में देखे।

सचिव

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड भीनमाल जिला जालौर

क्रमांक-.अ.अ./भी./जलपरिवहन/निविदा/2025-26/3002-13 दिनांक-19.03.2026

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 51-54/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड भीनमाल में निम्नलिखित कार्यो के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत जो उपयुक्त पात्रता रखते है, संवेदकों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है। निविदा का विस्तृत विवरण एवं पात्रता की शर्ते वेबसाइट www.dipronline.org., www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा ऑनलाईन उलेक्ट्रोनिक फॉरमेट http://eproc.rajasthan.gov.in में प्रस्तुत की जानी है।

क्र. सं.	विवरण	अनु.लागत (लाखों में)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	SPPP UBN NO.
51/ 2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड भीनमाल शहर में समस्याग्रस्त बस्तियों/वार्डो के लिए जल परिवहन का कार्य।	5.00	10000/-	500/-	500/-	वार्षिक	PHE2526WSRC15753
52/ 2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड रानीवाडा में समस्याग्रस्त गांवों के लिए जल परिवहन का कार्य।	41.90	83800/-	500/-	500/-	वार्षिक	PHE2526WSRC15755
53/ 2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड जसवंतपुरा में समस्याग्रस्त गांवों के लिए जल परिवहन का कार्य।	33.40	66800/-	500/-	500/-	वार्षिक	PHE2526WSRC15757
54/ 2025-26	खण्ड भीनमाल के अन्तर्गत उपखण्ड भीनमाल ग्रामीण में समस्याग्रस्त गांवों के लिए जल परिवहन का कार्य।	52.50	105000/-	1500/-	1500/-	वार्षिक	PHE2526WSRC15758

निविदादाता को आईटी एक्ट 2000 के तहत डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट प्राप्त कर डिजिटल हस्ताक्षर युक्त निविदा प्रस्तुत करनी होगी। इसके अभाव में निविदा मान्य नहीं होगी।

पानी बचाओं-जीवन बचाओं

निविदा प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथि	19.03.2026
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	27.03.2026 मध्यान्ह पश्चात 2.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	27.03.2026 मध्यान्ह पश्चात 2.00 बजे तक
प्री-क्वालिफिकेशन बीड खोलने की तिथि एवं समय	28.03.2026 मध्यान्ह पश्चात 3.30 बजे

(प्रशान्त कुमार)
अधिशाषी अभियन्ता
जन.स्वा.अभि. विभाग खण्ड भीनमाल
DIPR/C/5992/2026

अजमेर : एम.डी.एस.यू. में परीक्षा के दौरान कथित अनियमितताओं को लेकर बवाल

एनएसयूआई नेता हिरासत में, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया

- **एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का आरोप है कि विश्वविद्यालय में आयोजित परीक्षाओं के दौरान समय प्रबंधन, परीक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक स्तर पर कई खामियां सामने आई हैं**

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के बाहर छात्रों ने हंगामा किया।

अजमेर, (कासं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय (एमडीएसयू) में परीक्षा के दौरान कथित अनियमितताओं को लेकर छात्र राजनीति में उबाल आ गया। एनएसयूआई के जिला देहात अध्यक्ष अंकित घारू को ज्ञापन सौंपने से पहले ही पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद विवाद गहरा गया और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का आरोप है कि विश्वविद्यालय में आयोजित परीक्षाओं के दौरान समय प्रबंधन, परीक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक स्तर पर कई खामियां सामने आई हैं। इन मुद्दों को लेकर संगठन डिप्टी सीएम को ज्ञापन सौंपना चाहता था, लेकिन क्लॉक टावर थाना पुलिस ने अंकित घारू को मौके से हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई के बाद मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया। सूचना मिलते ही कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता क्लॉक टावर थाने पहुंच गए, जहां उन्होंने पुलिस प्रशासन और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि छात्र हितों की आवाज उठाने वालों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। अंकित घारू को हिरासत में लिए जाने की खबर मिलते ही कांग्रेस के कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी क्लॉक टावर थाने पहुंच गए। वहां पहुंचकर उन्होंने पुलिस कार्रवाई और राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय में आयोजित परीक्षाओं के दौरान कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आई हैं, जिनमें परीक्षा प्रबंधन की कमी, समय व्यवस्था में गड़बड़ी और अन्य प्रशासनिक खामियां शामिल हैं। छात्र संगठन इन समस्याओं के समाधान की मांग कर रहा था और इसी सिलसिले में ज्ञापन देने की योजना बनाई गई थी। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इन मुद्दों का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि भाजपा शासन में लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनएसयूआई नेता के साथ अभद्र व्यवहार किया गया और जब कांग्रेस कार्यकर्ता थाने पहुंचे तो उनके साथ भी उचित व्यवहार नहीं किया गया। राठौड़ ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

धरने पर बैठने की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं से समझाइश कर मामला शांत करवाया। पुलिस थाना परिसर में धरने पर कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष राजकुमार जयपाल, शैलेन्द्र अग्रवाल, निर्मल बैरवाल, पार्षद सुनिल धानका, हेमराज खारोलिया व सुनिल लारा सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी बैठे।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा-2026 की उत्तर-पुस्तिकाओं की संवीक्षा एवं उत्तर-पुस्तिकाओं की स्कैन प्रति ऑनलाईन प्राप्त करने हेतु व माध्यमिक परीक्षा के अंग्रेजी, विज्ञान व गणित विषय में पुन: जांच (Re-Examination) के सम्बन्ध में परीक्षार्थियों के सूचनार्थ

माध्यमिक परीक्षा-2026 में प्रविष्ठ हुए सभी परीक्षार्थी, परीक्षा परिणाम घोषणा तिथि से 07 दिवस में एवं उसके पश्चात् आगामी 03 दिवस में विलम्ब शुल्क से उत्तर पुस्तिका की संवीक्षा कराने एवं संवीक्षा उपरान्त स्कैन प्रति प्राप्त करने हेतु बोर्ड वेबसाईट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर SCRUTINY-2026 लिंक पर नियत तिथि तक (स्वप्रमाणित आई.डी. अपलोड कर) ई- मित्र अथवा अभ्यर्थी स्वंय के स्तर से बोर्ड वेबसाईट पर सीधे ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। सीधे आवेदन करने पर शुल्क नेट बैंकिंग/डेबिट/क्रेडिट कार्ड से तथा ई-मित्र से आवेदन करने पर शुल्क (सेवा शुल्क सहित) ई-मित्र पर जमा कराना होगा। विस्तृत जानकारी बोर्ड वेबसाईट से ली जा सकती है।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा अधिनियम 1957 के तहत बने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा विनियम 1957 के अध्याय 16 नियम (13) (5) के प्रावधान अनुसार संवीक्षा में उत्तर-पुस्तिकाओं के पुन:जांच (Re-Examination) करना समाविष्ट नहीं है। संवीक्षा के अंतर्गत उत्तर पुस्तिका में प्रदत्त अंकों के योग में भिन्नता, अन्दर-बाहर (केजिंग) में भिन्नता, योग में त्रुटि, किसी प्रश्न में अंक नहीं दिये गये हों, उत्तर पुस्तिका/अंकतालिका में प्रदत्त अंकों में भिन्नता आदि त्रुटियों का निवारण करने की दृष्टि से की जाती है। माध्यमिक परीक्षा के अंग्रेजी, विज्ञान व गणित विषय में पुन:जांच (Re-Examination) कराने का प्रावधान किया गया है।

अन्तिम तिथि तक प्राप्त सभी आवेदनों को क्रमबद्ध/पंजीकरण कर SMS द्वारा परीक्षार्थी के प्रार्थना-पत्र में अंकित मोबाईल नं. पर पंजीकरण संख्या एवं आवेदित विषयों की सूचना अन्तिम दिनांक के पश्चात् दी जावेगी। संवीक्षा की नियत प्रकिया पूर्ण कर प्रतिदिन निस्तारित प्रकरणों का परिणाम/आवेदित विषय की उत्तर-पुस्तिका वेबसाईट पर दिये लिंक पर अपलोड कर आवेदित मोबाईल नं. पर SMS द्वारा 'Password' उपलब्ध करवाया जावेगा। **परीक्षार्थी अपनी उत्तर-पुस्तिका ऑनलाईन देखकर डाउनलोड/प्रिन्ट कर सकेगें। ऑनलाईन आवेदन पत्र में परीक्षार्थी अपना स्वयं का सही मोबाईल नम्बर व ई-मेल अंकित करें। मोबाईल नं. व ई-मेल गलत अंकित करने पर परीक्षार्थी स्वयं जिम्मेदार रहेगा। एक मोबाईल नम्बर व ई-मेल को एक बार ही प्रयुक्त किया जा सकेगा। ई-मित्र कियोस्क धारक का मोबाईल नम्बर/ई-मेल दर्ज करना अनुचित एवं नियम विरूद्ध माना जावेगा।**

सभी विषयों में संवीक्षा परिणाम का संदेश प्राप्त होने की तिथि से निर्धारित 05 दिवस की अवधि में उ.पु. का अवलोकन कर यदि कोई आपत्ति हो तो निकटतम ई-मित्र द्वारा अथवा सीधे आवेदन-पत्र भरकर/प्रमाण संलग्न कर निर्धारित शुल्क रू. 100/- प्रति विषय के साथ में ऑनलाईन आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। ऑफलाईन आवेदन स्वीकार्य नहीं होगें।

माध्यमिक परीक्षा के परीक्षार्थी अंग्रेजी, विज्ञान व गणित विषय में संवीक्षा उपरान्त आपत्ति/पुन:जांच (Re-Examination) करवा सकता है। आपत्ति शुल्क रुपये 100/- प्रति विषय तथा पुन:जांच (Re-Examination) शुल्क रुपये 100/- प्रति प्रश्न रहेगा। **पुन:जांच (Re-Examination) हेतु आवेदन पत्र में प्रश्न संख्या व पृष्ठ संख्या अनिवार्य रुप से अंकित करें।** संवीक्षा परिणाम के SMS/E-mail भेजने की तिथि से 05 दिवस की निर्धारित अवधि में ही आपत्ति/पुन:जांच (Re-Examination) हेतु ऑनलाईन ही आवेदन किये जा सकेगें। ऑफलाईन आवेदन स्वीकार्य नहीं होगें।

नोट : 1. विस्तृत जानकारी, नियम, निर्देश, शर्तें आवेदन पत्र प्रारूप/प्रक्रिया आदि बोर्ड वेबसाईट पर उपलब्ध है। 2. समस्त परीक्षाओं के परिणाम घोषणा दिवस से उक्त निर्धारित समयावधि में आवेदन किया जा सकता है। 3. निर्धारित तिथि के बाद व डाक से प्राप्त आवेदन-पत्र व आपत्ति स्वीकार्य नहीं होंगी। 4. किसी भी प्रकार की जानकारी/आवेदक अपने सवीक्षा की वर्तमान STATUS की जानकारी बोर्ड वेबसाईट पर 'SCRUTINY-2026' लिंक पर प्राप्त की जा सकती है। 5. एक परीक्षार्थी को आवेदन हेतु एक ही अवसर देय होगा। अत: एक बार ही आवेदन में वांछित सभी विषय (सैद्धान्तिक/प्रायोगिक) अंकित करें। 6. संवीक्षा/आपत्ति/ पुन: जांच (Re-Examination) में अंकों में कमी अथवा वृद्धि के उपरान्त परिणाम/अंकों में संशोधन होगा तदनुसार परिणाम/संशोधित अंक प्रभावी होगे एवं उसी अनुरुप संशोधित अंकतालिका जारी की जायेगी। 7. संवीक्षा उपरान्त आवेदित विषय/विषयों में अंक परिवर्तन होने अथवा नहीं होने की किसी भी स्थिति में संवीक्षा प्रक्रिया शुल्क लौटाया नहीं जायेगा।

सचिव

''राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026'' से प्रदेश को मिलेगी वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में एक और ऐतिहासिक पहल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । तकनीकी प्रगति और आर्थिक विकास के पथ पर अग्रसर होने के साथ रोजगार सृजन की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में वैश्विक अर्थव्यवस्था में आधुनिक तकनीक की रीढ़ बन चुके सेमीकंडक्टर उद्योग की महत्ता को समझते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ''राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026'' जारी कर ऐतिहासिक पहल की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- निवेश, रोजगार, कौशल और तकनीकी नवाचार की दिशा में उठाया महत्वपूर्ण कदम
- केन्द्रीय बजट में भी इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के लिए 40 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान

इस नीति के जरिए ना केवल प्रदेश में निवेश बढ़ेगा, बल्कि रोजगार, कौशल विकास और तकनीकी नवाचार को भी नई दिशा मिलेगी।

वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, ऑटोमोबाइल, रक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था में सेमीकंडक्टर उद्योग निर्णायक बन रहा है। यह नीति राजस्थान को देश में वैश्विक सेमीकंडक्टर निर्माण का प्रमुख केन्द्र बनाने तथा आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेम्बली एण्ड टेस्ट (वै्ाज्) के साथ असेम्बली, टेस्टिंग, मार्किंग एण्ड पैकेजिंग (।ज्डच्) और सेंसर्स के क्षेत्रों में निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। यह नीति सेमीकंडक्टर के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही उच्च तकनीक पर आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित भी करेगी।

राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति-2026 केवल उत्पादन तक सीमित नहीं होकर इससे जुड़ी पूरी वेल्यू-चेन को कवर करती है। नीति के तहत सेमीकंडक्टर अनुसंधान, डिजाइन, उत्पादन, परीक्षण एवं पैकेजिंग जैसे सभी चरण शामिल किए गए हैं, जिससे राजस्थान में मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित होगा। इसी के मद्देनजर जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र, कांकणी औद्योगिक क्षेत्र एवं अन्य क्लस्टर प्राथमिक सेमीकंडक्टर कॉरिडोर के रूप में विकसित किए जाएंगे। इससे उद्योगों को भूमि आवंटन व सिंगल विंडो सिस्टम के साथ ही बिजली, पानी, सड़क जैसी आधारभूत सुविधाएं त्वरित गति से उपलब्ध कराई जा सकेंगी। साथ ही, विश्व स्तरीय सेमीकंडक्टर पार्कों का विकास और फैबलेस डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाया जाएगा। सेमीकंडक्टर मैन्युफैचरिंग पैकेज के तहत निवेश को आकर्षित करने के लिए नीति में विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसमें प्रोजेक्ट्स को 7 वर्षों तक विद्युत शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, स्टाम्प शुल्क व भू-रूपान्तरण शुल्क में 75 प्रतिशत छूट एवं 25 प्रतिशत का पुनर्भरण का प्रावधान शामिल है। साथ ही, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत पूंजी सब्सिडी का 60 प्रतिशत अनुदान एवं पूंजीगत निवेश को बढ़ावा देने के लिए टर्म लोन पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान भी प्रदान किया जाएगा।

औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके तहत पात्र उद्योगों को पर्यावरणीय प्रोजेक्ट्स की लागत का 50 प्रतिशत पुनर्भरण, कैप्टिव रिन्यूएबल एनर्जी वाले प्रोजेक्ट्स के लिए 7 वर्षों तक विद्युत शुल्क में 100 प्रतिशत छूट एवं राजस्थान ग्रीन रेटिंग सिस्टम के तहत सहमति शुल्क में 50 प्रतिशत छूट का प्रावधान किया गया है।देश में मेक इन इंडिया, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स डिजाइन एंड मैन्यूफैक्चरिंग, सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहल ने सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए मजबूत इकोसिस्टम बनाया है। केन्द्रीय बजट में भी ''इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0'' के लिए 40 हजार करोड रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही, 'प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव' के लाभ भी दिए जा रहे हैं। ये कदम देश को तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी देशों के साथ खड़ा करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं और राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति-2026 के जरिए प्रदेश इस मैराथन में अपना अहम योगदान देने जा रहा है।

खनन विभाग का फोकस अगले 7 दिन तय राजस्व संग्रहण लक्ष्य हासिल करने पर : अपर्णा अरोरा

12 प्रतिशत विकास दर के साथ गत वर्ष से 1000 करोड़ रु. अधिक राजस्व संग्रहित किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने खान विभाग के फील्ड अधिकारियों को आगामी 7 दिनों में मार्च माह के निर्धारित 1550 करोड़ रुपए के लक्ष्यानुसार शत-प्रतिशत राजस्व संग्रहित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अवैध खनन गतिविधियों कार्रवाई के दौरान की जुर्माना राशि वसूलने, आरसीसी - ईआरसीसी ठेकों के ऑक्शन व देय रॉयल्टी की वसूली, एसएमई स्तर पर राजस्व संग्रहण की दैनिक समीक्षा, विश्लेषण व मार्गदर्शन, मुख्यालय स्तर से नियमित समीक्षा व राजस्व वसूली में कमी वाले कार्यालयों से समन्वय व वसूली में तेजी लाने, पुरानी बकाया की वसूली और करन्ट बकाया की शत-प्रतिशत वसूली के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजस्व संग्रहण के सभी संभावित क्षेत्रों से वसूली के कारगर प्रयास किये जाने हैं।

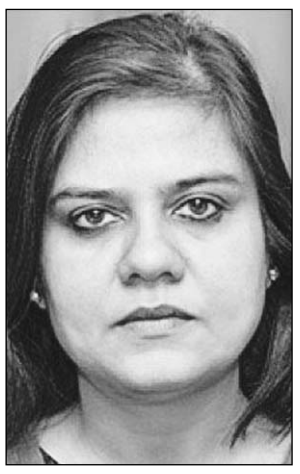

- राजस्व संग्रहण के सभी संभावित क्षेत्रों से कारगर वसूली करके 1550 करोड़ का लक्ष्य हासिल करने का प्रयास
- 23 मार्च तक 9620 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहित कर चुके : अरोरा

अतिरिक्त मुख्य सचिव खान अपर्णा अरोरा मंगलवार को सचिवालय से राजस्व लक्ष्यों की वसूली के संबंध में हाईब्रीड मोड पर फील्ड अधिकारियों की समीक्षा बैठक ले रही थी। उन्होंने बताया कि 12 प्रतिशत विकास दर के साथ 23 मार्च तक 9620 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व संग्रहित किया जा चुका है यह गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1000 करोड़ रुपए से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि खान विभाग राज्य सरकार के प्रमुख राजस्व संग्रहण करने वाले विभागों में से एक हैं ऐसे में राजस्व संग्रहण में किसी भी स्तर पर किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

अरोरा ने कहा कि आगामी सात दिनों में विभाग का प्रमुख फोकस राजस्व संग्रहण होने के साथ ही आरसीसी-ईआरसीसी ठेकों की नीलामी सुनिश्चित कराने, अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई पर ध्यान देना होगा। हाईब्रीड बैठक के दौरान उन्होंने एसएमई स्तर के सभी अधिकारियों से संवाद कायम किया और राजस्व वसूली के कारगर प्रयासों के निर्देश दिए। अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर ने राजस्व वसूली लक्ष्यों और उनके अनुसार वसूली प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने राजस्व संग्रहण के विभागीय रोडमैप की जानकारी देते हुए विश्वास दिलाया कि मार्च माह के निर्धारित राजस्व लक्ष्यों को पूरा कर लिया जाएगा।

हाईब्रीड बैठक में विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा, वित्तीय सलाहकार सुरेश चन्द्र व विभाग के अधीक्षण खनि अभियंता, खनि अभियंता और सहायक खनि अभियंता स्तर के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

व्हाट्सएप के जरिए भेजा नोटिस सीआरपीसी के तहत वैध नहीं : राजस्थान हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक मामले में आरोपी की गिरफ्तारी में कानूनी प्रावधानों का पालन नहीं करने पर नाराजगी जताते हुए व्हाट्सएप पर नोटिस भेजने के बाद आरोपी को गिरफ्तार करने को अवैध ठहराया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल व्हाट्सएप के जरिए भेजा नोटिस कानूनी तौर पर सीआरपीसी की धारा 41-ए के तहत वैध नहीं है। वहीं ऐसे नोटिस के आधार पर की गई गिरफ्तारी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन है। इसके साथ ही अदालत ने इस मामले में एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ को अवमानना का दोषी ठहराते हुए उन्हें सजा के बिंदु पर 6 अप्रैल को पेश होने को कहा है। जस्टिस प्रवीर भटनागर ने यह आदेश आरएसएलडीसी में हुए घूसकांड से जुडे मामले में रवि मीणा की अवमानना याचिका पर दिया। अदालत ने कहा कि नोटिस की तामील कानून में निर्धारित प्रक्रिया यानि व्यक्तिगत तामील, चस्पा और स्पीड पोस्ट आदि से ही होनी चाहिए। यदि आरोपी नोटिस का पालन करता है, तो उसे बिना ठोस कारण गिरफ्तार नहीं करना चाहिए।

याचिका में अधिवक्ता अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि मामले में एसीबी ने याचिकाकर्ता को एक फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया था। इससे पहले एसीबी के जांच अधिकारी ने 25 जनवरी, 2023 को उसे व्हाट्सएप के जरिए नोटिस भेजा और 31 जनवरी को पेश होने के लिए कहा। इस पर उसने एसीबी के नोटिस का जवाब देते हुए अपनी पत्नी की बीमारी के कारण समय मांगा था, लेकिन पुलिस ने बिना विधिक प्रक्रिया अपनाए ही उसे सीधे ही गिरफ्तार कर लिया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि यह कार्रवाई सीआरपीसी की धारा 41 ए की अवहेलना है और मामले में कानूनी प्रक्रिया का अनुसरण नहीं किया है। इसके जवाब में एसीबी ने कहा कि उन्होंने आरोपी को नोटिस दिया था, लेकिन उसने जवाब में टालमटोल का रवैया रखा। इसके अलावा याचिकाकर्ता एफआईआर को रद्द करवाने के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक जा चुके हैं और असफल रहे हैं। इसके बाद ही अनुसंधान एजेंसी पर दबाव बनाने के लिए उसने यह अवमानना याचिका दायर की है। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनकर एसीबी की गिरफ्तारी की कार्रवाई को गलत मानते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को तलब किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के चाचाजी का निधन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के चाचाजी रामचरण लाल शर्मा का निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और मानसरोवर स्थित अमर हॉस्पिटल में उनका उपचार जारी था। मंगलवार को सीएमओ से रवाना होकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मानसरोवर स्थित अस्पताल पहुँचे, जहाँ उन्होंने स्व. चाचाजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने परिवारजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और दुख की इस घड़ी में हिम्मत बनाए रखने की बात कही। परिजनों और नजदीकी लोगों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री कुछ समय तक अस्पताल में रहे।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर आदेश की पालना नहीं करने पर अवमानना नोटिस जारी

हाईकोर्ट ने राजस्थान यूनिवर्सिटी की कुलपति अल्पना कटेजा से जवाब तलब किया

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव को लेकर अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर विवि की कुलपति अल्पना कटेजा को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश नीरज खींचड की ओर से दायर अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तुषार पंवार ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने गत 19 दिसंबर को छात्रसंघ चुनाव कराने के संबंध में दायर याचिका को निस्तारित किया था। इस दौरान अदालत ने विवि प्रशासन को निर्देश दिए थे कि वह 19 जनवरी, 2026 को चुनाव के संबंध में बैठक करे और उसके पन्द्रह दिन में इस बैठक में हुए निर्णय को नोटिफाई करे।

अवमानना याचिका में कहा गया कि विवि प्रशासन ने बैठक के निर्णय को तय अवधि बीतने के बाद भी नोटिफाई नहीं किया है। इससे जाहिर होता है कि संबंधित अधिकारी जानबूझकर अदालती आदेश की अवमानना कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें अदालती आदेश की अवमानना के लिए दंडित करते हुए आदेश की पालना कराई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने विवि की वीसी को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

''टीबी मुक्त भारत अभियान'' का शुभारंभ

जयपुर (कासं)। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर राज्य में टीबी मुक्त भारत अभियान-100 दिवसीय का शुभारंभ सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की उपस्थिति में किया गया।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि टीबी (क्षय रोग) केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से व्यक्ति एवं परिवार को प्रभावित करने वाली गंभीर चुनौती है। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य ने वर्ष 2025 में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 1 करोड़ 75 लाख से अधिक संभावित टीबी रोगियों की स्क्रीनिंग की है, जो देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य में चिन्हित उच्च जोखिम वाले ग्रामों में आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना एवं टीबी के मामलों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करना है।

खींवसर ने कहा कि यह 100 दिवसीय अभियान जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन का रूप लेगा तथा प्रत्येक मरीज तक समय पर जांच एवं उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा द्वारा नोएडा में किए गए शुभारंभ कार्यक्रम को ऑनलाइन वीसी के माध्यम से सभी उपस्थित अधिकारियों और जन समुदाय के साथ सुना और टीबी रोगियों को निक्षय पोषण किट का वितरण भी किया।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि राजस्थान ने डेटा एवं तकनीक आधारित दृष्टिकोण अपनाते हुए उच्च जोखिम क्षेत्रों की पहचान की है। राज्य के 11 हजार 184 चिन्हित ग्रामों एवं शहरी क्षेत्रों में शिविरों के माध्यम से टीबी उन्मूलन की गति को और तेज किया जाएगा। मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य शिविरों के माध्यम से टीबी के साथ-साथ मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं अन्य गैर-संचारी रोगों की भी जांच की जाएगी, जिससे आमजन को समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। निदेशक जन स्वास्थ्य, डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने शिविरों में 14 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों की जांच की जाएगी, जिसमें टीबी स्क्रीनिंग, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, बॉडी मास इंडेक्स, छाती का एक्स-रे शामिल होंगे।

भूतपूर्व सैनिकों को तय आरक्षण नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक अनुदेशक भर्ती-2024 में भूतपूर्व सैनिकों के लिए तय आरक्षण से कम सीटें आरक्षित रखने पर आरपीएससी सचिव और चेयरमैन सहित स्किल व प्लानिंग सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती की नियुक्तियों को अपील के निर्णयाधीन रखा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश जितेन्द्र सिंह शेखावत की ओर से दायर अपील पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रविन्द्र सिंह ने अदालत को बताया कि आरपीएससी की ओर से 63 पदों के लिए आयोजित इस भर्ती में 5 पद भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रखे थे। जबकि नियमानुसार आयोग को 8 पद भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रखने थे। याचिकाकर्ता ने भर्ती में भूतपूर्व सैनिक वर्ग में आवेदन किया था, लेकिन तय संख्या में पद आरक्षित नहीं होने के कारण उसका चयन नहीं हो सका। याचिकाकर्ता की ओर से परीक्षा से पहले 22 अक्टूबर, 2024 को आयोग को इस विसंगति के संबंध में अवगत करा दिया गया था, लेकिन उनकी ओर से कार्रवाई नहीं की गई। वहीं एकलपीठ ने उसकी याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि याचिकाकर्ता चयन प्रक्रिया में भाग ले चुका है तो अब वह चयन प्रक्रिया को चुनौती नहीं दे सकता। याचिका में गुहार की गई कि एकलपीठ का आदेश रद्द करते हुए आरपीएससी को निर्देश दिए जाए कि वह तय अनुपात में भूतपूर्व सैनिकों के लिए पद आरक्षित रखे।

नाबालिग छात्रा से गैंगरेप

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट जयपुर में एक 9वीं क्लास की नाबालिग छात्रा से गैंग रेप करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में नाबालिग के बयानों के आधार पर आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है।

गौरतलब है कि 9वी क्लास में पढ़ने वाली 15 वर्षीय छात्रा पिछले सप्ताह लापता हो गई थी। जिसके बाद परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने तकनीकी सहायता के आधार पर नाबालिग छात्रा को दिल्ली से दस्तयाब कर लिया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया की उसकी सहेली ने एक युवक से उसकी जान पहचान कराई थी। गत पांच दिन पहले आरोपी युवक ने उसे मिलने का झांसा देकर बुलाया और अपने दोस्त के साथ मिलकर उसे बाइक पर बैठाकर सुनसान जगह ले गया और दोनो ने उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। जिसके बाद आरोपी ने इस बारे में किसी को बताने पर मारने की धमकी देकर डराया। धमकाने पर पीड़ित डर गई और दिल्ली भाग गई।

पुलिस ने नाबालिग पीड़िता के बयान दर्ज कर गैंगरेप और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी युवक को दबोच लिया। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से दूसरे साथी के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

गाली-गलौच के बाद रिश्तेदारों ने किया अधेड़ पर प्राण घातक हमला

जयपुर। नारायण विहार थाना इलाके में मामूली कहासुनी के बाद रिश्तेदारों ने अधेड़ युवक पर लाठी-डंडों से प्राण घातक हमला कर दिया और पीड़ित को बुरी तरह जख्मी करने के बाद मौके से फरार हो गए।

- तीन-चार जनों ने लाठी-डंडों से हमला कर अधेड़ को किया लहूलुहान
- मौके पर भीड़ जमा होती देख स्कॉर्पियो गाड़ी से हुए फरार आरोपी

आरोपियों के चुगंल से मुक्त होने के बाद पीड़ित ने मामले की जानकारी अपने जवाई को दी। जवाई ने मौके पर पहुंची पुलिस ने निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने पर्चा बयान के आधार पर आरोपी रिश्तेदारों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

गौरतलब है कि कनक विहार, धाबास निवासी लल्लू लाल शर्मा रविवार 22 मार्च को किसी निजी स्कूल के शुभारंभ में शामिल होने आए थे। इसी दौरान रिश्तेदार मोहन लाल शर्मा श्रीराम कॉलोनी निवासी ने उसके साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौच कर दी। अन्य लोगों की समझाईश पर मोहन लाल वहां से चला गया।

कार्यक्रम समापन के बाद जैसे ही पीड़ित वहां से निकला तो रिश्तेदार मोहन लाल शर्मा अपने पुत्र आर्यन ,बहनोई विष्णु व एक अन्य युवक के साथ गणपति नगर में पीड़ित को रोक लिया और उसके स्कूटर की हवा निकाल दी। जिसके बाद सभी ने एक राय होकर लाठी-डंडों से पीड़ित से जानलेवा हमला कर दिया।

आरोप है की मारपीट के दौरान आरोपी रिश्तेदार मोहन लाल शर्मा ने पीड़ित के गले में पहनी हुई सोने की चेन छीन ली और उसके पुत्र आर्यन ने पीड़ित की जेब में रखे 18 हजार रुपए निकाल लिए।

चीख -पुकार की आवाज सुन कुछ लोग पीड़ित को बचाने पहुंचे तो आरोपी रिश्तेदार मौके से फरार हो गए। जानकारी मिलने के बाद पीड़ित के जवाई ने उसे निजी अस्पताल पहुंचा। पुलिस ने पीड़ित के बयानों के आधार पर आरोपी रिश्तेदारों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

सहकारिता मंत्री ने 'क्षेत्रीय उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार-2025' प्रदान किए

वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने में सहकारी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका

जयपुर । सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने की संकल्पना को साकार करने में सहकारी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सहकारी क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए अधिक से अधिक लोगों को इसके माध्यम से लाभान्वित करने के प्रयास कर रही है। दक मंगलवार को कॉंस्टिट्यूशन क्लब में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाली सहकारी समितियों को एनसीडीसी के 'क्षेत्रीय उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार-2025' प्रदान किए।

दक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता के महत्व को पहचाकर वर्ष 2021 में अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन कर अमित शाह को इसकी जिम्मेदारी सौंपी। सहकारिता मंत्रालय बनने के बाद विगत 4 वर्षों में देश में सहकारी क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन आया है। सहकारी आन्दोलन आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी अपनाने के संकल्प की ओर देश को ले जाने में भी प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

दक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा पर विगत अक्टूबर माह में सहकार सदस्यता अभियान आयोजित किया गया, जिसमें सहकारी समितियों के लगभग 9 लाख नये सदस्य बनाये गए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सहकारी क्षेत्र में 120 से अधिक पहलें क्रियान्वित की जा रही हैं। इन पहलों को अपनाकर सहकारी समितियां सशक्त बन रही हैं। उन्होंने सहकारी समितियों द्वारा क्षेत्रीय उत्पादों का विपणन एवं निर्यात करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सहकारिता मंत्री ने सहकारी समितियों की ऑडिट एवं आमसभा समय पर करवाये जाने एवं आमसभा में सभी के सुझाव लिए जाने पर भी बल दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए किशनगढ़ क्रय-विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष चेतन चौधरी ने कहा कि केन्द्र में अमित शाह एवं राज्य में गौतम कुमार दक के निर्देशन में सहकारी क्षेत्र में बेहतरीन कार्य हो रहा है। विगत वर्षों में सहकारी समितियों में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है तथा कृषि जिंसों की समर्थन मूल्य में वृद्धि से किसानों का जीवन स्तर सुधर रहा है।

सहकारिता मंत्री गौत्तम कुमार दक ने कॉंस्टिट्यूशन क्लब जयपुर में उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए।

- सहकारी समितियों में नये लोगों को भी मिले कार्य करने का समुचित अवसर : गौत्तम दक

एनसीडीसी के क्षेत्रीय निदेशक सुनील कुमार छापोला ने बताया कि संस्था द्वारा विभिन्न श्रेणियों में अच्छा कार्य करने वाली समितियों को प्रत्येक दो वर्ष में राज्य स्तर पर उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

उत्कृष्टता पुरस्कार के अंतर्गत ट्रॉफी, प्रमाण पत्र एवं 35 हजार रुपये की राशि एवं श्रेष्ठता पुरस्कार के अंतर्गत ट्रॉफी, प्रमाण पत्र व 25 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है। प्रारम्भ में सहकारिता मंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग व एनसीडीसी के अधिकारियों सहित सहकारी समितियों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

एनडीपीएस मामले में फरार 10 हजार की इनामी महिला गिरफ्तार

जी.आर.पी. थाना पुलिस ने आरोपी को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया

जयपुर। जीआरपी थाना पुलिस ने काफी लंबे समय से अवैध मादक पदार्थ तस्करी के मामले में फरार चल रहीं इनामी महिला तस्कर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस गिरफ्तार तस्कर महिला से फरारी काटने व सहयोग करने वालों के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस मुख्यालय ने वांछित अपराधियों की धरपकड के लिए विशेष अभियान चलाया था। विशेष अभियान के तहत पुलिस ने 10 हजार की इनामी महिला तस्कर शिवाली बेगम (32) को बैंगलूरु निवासी को उसके निवास स्थान पर दबोच लिया। वह एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट में काफी लंबे समय से वांछित चल रहीं थी। विशेष अभियान के तहत ये कार्रवाई एडीजीपी रेलवे सुष्मित विश्वास, आईजी रेलवे अजय पाल लाम्बा और जीआरपी अजमेर के पुलिस अधीक्षक के निर्देशों पर की गई। एडिशनल एसपी जीआरपी अजमेर और वृताधिकारी जीआरपी जयपुर के सुपरविजन में थाना प्रभारी अरुण चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था।

इनामी महिला तस्कर को गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीम ने तकनीकी संसाधन का प्रयोग करते हुए उसे लगातार ट्रेस किया। जिसके बाद टीम में शामिल थाना प्रभारी अरुण चौधरी सहित जगदीश प्रसाद (सब इंस्पेक्टर), प्रकाश चंद, रामचंद्र, माणक चंद और महिला कॉंस्टेबल सरिता ने बैंगलूरु से महिला तस्कर को दबोच लिया।

बस और टाटा हैरियर कार में टक्कर, एक बच्चे की मौत, 36 लोग घायल

यात्रियों ने बताया कि बस चालक वाहन को अत्यधिक तेज गति से चला रहा था

अनियंत्रित बस ने टाटा हैरियर कार को जोरदार टक्कर मारी कि कार का अगला हिस्सा पिचक गया और बस भी क्षतिग्रस्त हो गई।

- भीलवाड़ा से देवली जा रही निजी बस और शाहपुरा से भीलवाड़ा की तरफ से आ रही कार में आमने-सामने टक्कर हो गई
- रायपुर चौराहे के पास सड़क पर गड्ढा आ गया जिसे बचाने के फेर में चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया था

शाहपुरा/भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा-शाहपुरा मार्ग पर मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसे ने कोहराम मचा दिया। शाहपुरा टोल से करीब एक किलोमीटर पहले रायपुर चौराहे के पास एक तेज रफ्तार निजी बस बेकाबू होकर सामने से आ रही टाटा हैरियर कार से टकरा गई और अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में एक मासूम बच्चे की मौत हो गई, वहीं कार सवारों सहित 36 लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, निजी बस भीलवाड़ा से देवली की ओर जा रही थी। यात्रियों ने बताया कि बस चालक वाहन को अत्यधिक तेज गति से चला रहा था। रायपुर चौराहे के पास सड़क पर एक गहरा गड्ढा आ गया, जिसे बचाने के फेर में चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित बस ने सामने से आ रही टाटा हैरियर कार को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और चालक केबिन में ही फंस गया। इसके बाद बस सड़क किनारे पलट गई, जिससे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद शाहपुरा थाने के सहायक उप निरीक्षक मुकेश कुमार जाब्ते के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। एंबुलेंस पहुंचने में देरी होते देख पुलिस वाहन के चालक कृष्ण गोपाल ने तत्परता दिखाई। उन्होंने अपने ही सरकारी वाहन से करीब 4-5 चक्कर लगाकर घायलों को तुरंत शाहपुरा अस्पताल पहुंचाया। पुलिस की इस मानवीय पहल की प्रत्यक्षदर्शियों ने काफी सराहना की। हादसे में घायल 37 लोगों में से दो कार सवार भी शामिल हैं। शाहपुरा अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जिला अस्पताल भीलवाड़ा के लिए रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे में गंभीर घायल मासूम कोमल कंवर ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं हादसे में पुष्पा कंवर, शौभाग सिंह, पायल कंवर, रामकुमार, फातमा बैगम, महेंद्र मीणा, नीतू देवी, गोरा बंजारा, भगवत सिंह, गुड्डी कंवर, गोमा बंजारा, रिंका मीणा, कोमल, भैरू बैरवा (60), अंकित बैरवा (10), तनवीर अहमद, दुर्गा, हितेश बैरवा, चेतन, सुरेश, अनुराधा और पप्पू मोची सहित 36 लोग घायल हुए हैं। इनमें से दो महिलाओं और दो पुरुषों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलैक्टर प्रकाश चंद्र, उपखंड अधिकारी सुनिल कुमार, डिप्टी ओमप्रकाश विश्नोई मौके पर पहुंचे। हादसे में 17 गंभीर घायलों को भीलवाड़ा रेफर कर दिया गया है। सूचना पर भीड़ एकत्रित हो गई, हादसे के बाद गाड़ी को जेसीबी के माध्यम से हटाया गया, दोनों तरफ जाम लग गया जिसको खुलवाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि खराब सड़क हादसे का कारण बनी।

पावटा के ग्राम बुचारा में सड़क पर बीमार तेंदुए का शावक नजर आया

- वन विभाग ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, तेंदुए के शावक को नाहरगढ़ भेजा

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा क्षेत्र के ग्राम बुचारा स्थित बिजली ग्रेड के पास मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई जब करीब एक साल का बीमार तेंदुए का शावक अचानक जंगल के पास आबादी क्षेत्र की सड़क व गेहूं के खेतों में घूमता हुआ नजर आया। शावक बीमार और लड़खड़ाते हुए इधर-उधर भटक रहा था, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम क्षेत्रीय वन अधिकारी कोटपुतली सतपाल डिलन, सहायक वन संरक्षक कोटपुतली तरुण प्रकाश, सहायक नाका प्रभारी बुचारा मीर सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी एवं पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी।

लोगों की भारी भीड़ को पुलिस प्रशासन द्वारा नियंत्रित करते हुए टीम ने बेहद सतर्कता और पेशेवर तरीके से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब सात घंटे की मशक्कत के बाद विशेषज्ञों ने सटीक निशाना लगाते हुए शावक को ट्रैक्यूलाइज़ किया। जैसे ही शावक बेहोश हुआ, टीम ने तुरंत उसे अपने कब्जे में लेकर प्राथमिक उपचार शुरू किया। मौके पर मौजूद वन्यजीव चिकित्सकों ने जांच में पाया कि शावक गंभीर रूप से बीमार था। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार फिलहाल उसे सुरक्षित तरीके से वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर नाहरगढ़ भेज दिया गया है, जहां विशेषज्ञों की निगरानी में उसका इलाज किया जा रहा है। वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि वन्यजीव दिखने पर घबराएं नहीं, बल्कि तुरंत सूचना दें और दूरी बनाए रखें। यह पूरा रेस्क्यू ऑपरेशन वन विभाग की तत्परता और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का एक बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है।

भीलवाड़ा पुलिस ने नवविवाहित जोड़े की सुरक्षा सुनिश्चित की

- अपनी जीवित बेटी का शोक संदेश छपवाकर त्याग करने वाले पिता को पुलिस ने पाबंद किया

भीलवाड़ा, (निसं)। अंतरजातीय विवाह के एक मामले में भीलवाड़ा पुलिस ने न केवल एक नवविवाहित जोड़े की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि सामाजिक कुरीतियों को बढ़ावा देने वाले प्रयासों पर भी लगाम लगाई है। अपनी जीवित बेटी का शोक संदेश छपवाकर त्याग करने वाले पिता को पुलिस ने पाबंद करते हुए मृत्युभोज और अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों पर रोक लगा दी है।

जानकारी के अनुसार, आमल्दा निवासी आकांक्षा कानावत (27) ने बीती 4 मार्च 2025 को कोटपूतली निवासी ओमप्रकाश गुर्जर (30) के साथ अपनी मर्जी से आर्य समाज, अजमेर में अंतरजातीय विवाह किया था। आकांक्षा करीब एक माह से अपने पीहर आई हुई थी। जब 20 मार्च 2026 को उसका पति उसे लेने पहुंचा तो परिजनों ने विरोध शुरू कर दिया। शक्करगढ़ थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्षों से समझाइश की। युवती ने वीडियोग्राफी के समक्ष बयान दिए कि वह बालिग है और अपनी मर्जी से पति के साथ जयपुर जाना चाहती है। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर दंपती को सुरक्षित रवाना किया। इस घटना के बाद युवती के पिता देवेंद्र सिंह कानावत ने शोक संदेश छपवा दिया था। सोशल मीडिया और अखबारों में इस खबर के वायरल होने पर जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने सख्त रुख अपनाया। एएसपी राजेश कुमार आर्य और वृताधिकारी रेवडमल मोर्य के निर्देशन में पुलिस ने पिता देवेंद्र सिंह को तलब किया। पूछताछ के दौरान पिता देवेंद्र सिंह ने स्वीकार किया कि अंतरजातीय विवाह से सामाजिक छवि खराब होने के डर और आवेश में आकर उन्होंने यह कदम उठाया था। उन्होंने पुलिस को आश्वासन दिया कि वे अब कोई मृत्युभोज या शोक बैठक आयोजित नहीं करेंगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने संज्ञेय अपराध निवारण हेतु देवेंद्र सिंह (60) के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए न्यायालय में पेश किया है। भीलवाड़ा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि बालिग व्यक्ति को अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनने का संवैधानिक अधिकार है। किसी भी प्रकार की सामाजिक कुरीति या दबाव बनाने वाले प्रयासों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में होटल संचालक दिल्ली से गिरफ्तार

- पीड़िता के नाबालिग होने के बावजूद भी आरोपी होटल संचालक ने मुख्य आरोपी को कमरा दिया था
- मामला दर्ज होने के बाद मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन कमरा देने वाला होटल संचालक विदेश फरार हो गया था
- पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के जरिए आरोपी होटल संचालक के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करवाया था

सीकर, (निसं)। जीणमाता थाना पुलिस ने 16 साल की नाबालिग लड़की से रेप के मामले में होटल संचालक को गिरफ्तार किया है। होटल संचालक ने नाबालिग से रेप के लिए होटल में कमरा किराए पर दिया था। आरोपी विदेश चला गया था, जिसके खिलाफ पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी करवाया। जैसे ही वह एयरपोर्ट पर आया तो आरोपी होटल संचालक को पकड़ लिया गया।

जानकारी के अनुसार 16 साल की नाबालिग लड़की के साथ जीणमाता इलाके की एक होटल में रेप हुआ था। पीड़िता के नाबालिग होने के बावजूद भी आरोपी होटल संचालक ने मुख्य आरोपी को कमरा दे दिया था। मामला दर्ज होने के बाद मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन कमरा देने वाला होटल संचालक विदेश फरार हो गया था। ऐसे में पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के जरिए आरोपी होटल संचालक के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करवाया। जैसे ही आरोपी विदेश से एयरपोर्ट पर लौटा तो इसकी सूचना पुलिस को मिली। पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। राकेश कुमार मीणा का कहना है कि नाबालिग से रेप के लिए कमरा देने वाला होटल संचालक भी पॉक्सो एक्ट का मुजरिम है। जीणमाता थाना पुलिस ने 16 साल की नाबालिग लड़की से रेप के मामले में होटल संचालक को गिरफ्तार किया है। होटल संचालक ने नाबालिग से रेप के लिए होटल में कमरा किराए पर दिया था। आरोपी विदेश चला गया था। जिसके खिलाफ पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी करवाया। जैसे ही वह एयरपोर्ट पर आया तो आरोपी होटल संचालक को पकड़ लिया गया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पिकअप पलटने दो लोग घायल

नाल, (निसं)। थाना क्षेत्र में मंगलवार को एनएच-11 पर कावनी तिराहे के पास एक पिकअप पलट गई। इस हादसे में चालक सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पिकअप पापड़ से लदी हुई थी। पिकअप कोलायत से बीकानेर की ओर आ रही थी। कावनी फांटा के पास अचानक तेज धमाके की आवाज सुनाई दी, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वाहन का टायर फट गया। इसके बाद पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही नाल थानाधिकारी विकास विश्नोई मौके पर पहुंचे। घायलों की पहचान मधुसूदन पुत्र गणेशाराम कुम्हार और सुरेंद्र पुत्र मधुसूदन, निवासी बंगला नगर, बीकानेर के रूप में हुई है। राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को वाहन से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

निषिद्ध सामग्री के साथ जेल प्रहरी को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। लगातार जेल में निषिद्ध सामग्री मिल रही है। कुछ दिनों पहले एक जेल प्रहरी को निषिद्ध सामग्री के साथ पकड़ा गया था। अब एक बार फिर जेल प्रहरी अपनी ड्यूटी पर ज्वाइन करते समय तलाशी में जर्दे की पुड़ियों के साथ पकड़ा गया है। जेल प्रहरी के खिलाफ अब जेल अधीक्षक की तरफ से रातानाड़ा थाने में रिपोर्ट दी गई है। जिसमें जांच आरंभ की गई है।

रातानाड़ा पुलिस ने बताया कि सोमवार को दिन में दो बजे से रात दस बजे के बीच में जेल आरएसी हैड कांस्टेबल नेमीचंद, कांस्टेबल तखतसिंह एवं महिला कांस्टेबल की ड्यूटी तलाशी कक्ष में थी। ड्यूटी पर दो बजे के बाद जेल आरएसी का कांस्टेबल प्रहरी दिनेश खोखर मुख्य गेट पर ड्यूटी के लिए आया था। तब उसकी वहां तलाशी ली गई। उसकी वर्दी के बैल्ट के नीचे अंडरवियर में संदिग्ध लगने पर चैक की गई। अंडरवियर में टेप से चिपकाकर रखी चार जर्दे की पुड़िया मिली।

महिला के पास एमडी ड्रग मिली

जोधपुर, (कासं)। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस थाना क्षेत्र में आई राजीव गांधी कॉलोनी में एक महिला के पास से पुलिस ने एक ग्राम से ज्यादा एमडी ड्रग को जब्त किया है। महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण बनाया गया। सीएचबी थाने की एसआई सुलोचना राजीव गांधी कॉलोनी में रहने वाली रामी के घर पर पहुंची थी। तब रामी के पास तलाशी लिए जाने पर 1.33 ग्राम एमडी ड्रग मिली। इस पर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण बनाया गया। वह मूल रूप से फलोदी के राणेरी गांव की रहने वाली है। एमडी ड्रग को लेकर जांच जारी है।

गर्मियों में अदालतों का समय बदल जाएगा

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने राज्यभर की अदालतों के समय में गर्मियों के दौरान बदलाव करने का नया शिड्यूल जारी कर दिया है। यह नया समय आगामी 13 अप्रैल से लागू होकर 28 जून तक प्रभावी रहेगा। आदेश के अनुसार उच्च न्यायालय सहित सभी अधीनस्थ न्यायालयों में कार्य समय नए सिरे से शिड्यूल किया गया है। हाईकोर्ट की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक उच्च न्यायालय में न्यायालय का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा, जिसमें सुबह 10:30 बजे से 11 बजे तक मध्यांतर होगा। वहीं कार्यालय का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित किया गया है, जिसमें 10:30 से 10:45 बजे तक विश्राम रहेगा। इसी प्रकार अधीनस्थ न्यायालयों में न्यायालय का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक तय किया गया है। इनमें सुबह 10 बजे से 10:15 बजे तक मध्यांतर रहेगा।

पेट्रोल पंप के पास चार वाहनों में आग लगी

उदयपुर, (कासं)। शहर में पटेल सर्कल पर मंगलवार अलसुबह एक पेट्रोल पंप के बाहर खड़े चार ऑटो में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हादसे में चार ऑटो रिक्शा और एक कार पूरी तरह जलकर राख हो गए। फायर बिग्रेड ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, अन्यथा पेट्रोल पंप भी इस आग की चपेट में आ सकता था। मामले में वाहन मालिकों का कहना है कि यह हादसा नहीं है, यह एक साजिश है।

जानकारी के अनुसार पटेल सर्किल से गुजर रहे मुख्य मार्ग पर स्थित भारत पेट्रोल पंप के बाहर चार ऑटो और एक कार खड़ी थी। मंगलवार तड़के करीब 3 बजे अचानक इन वाहनों में आग लग गई। पहले एक ऑटो में आग लगी है। धीरे-धीरे यह आग चारों ऑटो और कार में भी फैल गई। कुछ ही देर में आग में विकराल रूप धारण कर लिया और पांचों वाहन जलने लगे। अलसुबह हुई इस घटना की सूचना मिलने पर मौके पर निगम से दो फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया।

नगर निगम के चीफ फायर ऑफिसर बाबूलाल चौधरी ने बताया कि दोनों फायर ब्रिगेड ने करीब आधे घंटे के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया। सूरजपोल थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। इस दौरान आग की ऊंची-ऊंची लपटों को देखकर लोग डर गए थे। सूचना मिलने पर वाहन मालिक भी मौके पर आए और अपने वाहनों को जलता हुआ देखकर वाहन मालिकों के आंखों से आंसू निकल गए। अधिकांश ऑटो चालकों के ऑटो से ही उनका घर चलता है।

महिला लापता

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के एक गांव में गुरुद्वारा के निकट रह रहे एक व्यक्ति की पत्नी 20 मार्च शाम से लापता है। पीड़ित ने सदर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई है। इसकी जांच एएसआई जयविंद्रसिंह को सौंपी गई है।

पीड़ित ने परिवाद में बताया है कि उसकी पत्नी ब्यूटी पार्लर का काम करती है। वह शुक्रवार शाम पांच बजे बच्चों को यह कहकर गई थी कि एक महिला का फेशियल करने जा रही है। पीड़ित ने शाम को 7 बजे घर आकर फोन किया तो स्विच ऑफ आ रहा था। पीड़ित ने घर में चेक किया तो साढ़े तीन तोला सोने के गहने तथा 10 हजार रुपए नकदी भी गायब थी। इतना ही नहीं घर के निकट ही मिठाई की दुकान पर काम करने वाला युवक भी गायब है और उसका फोन भी बंद आ रहा है। पीड़ित को उसी पर पत्नी को भगाकर ले जाने का संदेह है। पुलिस ने बताया कि गुमशुदा महिला की तलाश की जा रही है।

फार्मर रजिस्ट्री कार्य में डीडवाना-कुचामन जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर

जिला कलैक्टर ने राजस्व अधिकारियों व कार्मिकों को सम्मानित किया।

डीडवाना, (निसं)। फार्मर रजिस्ट्री (डिजिटल किसान डेटाबेस) अभियान के तहत जिले द्वारा संपूर्ण प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने की उपलब्धि पर मंगलवार को डीडवाना स्थित टाउन हॉल में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला कलैक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले 57 राजस्व अधिकारियों, तहसीलदारों, भू-अभिलेख निरीक्षकों और पटवारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए जिला कलैक्टर डॉ. खड़गावत ने कहा कि राजस्व विभाग की टीम ने दिन-रात मेहनत कर तकनीकी बाधाओं के बावजूद भारत सरकार एवं राज्य सरकार के महत्वपूर्ण फार्मर रजिस्ट्री कार्य को समय सीमा में पूरा किया है। उन्होंने कहा कि जिले ने निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत से अधिक पंजीकरण कर राज्य रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

इस अवसर पर जिला कलैक्टर ने डीडवाना, छोटी खाटू व नावां सहित 4 तहसीलदार को, 9 जिला स्तरीय व तहसील स्तरीय मास्टर ट्रेनर को, 7 अन्य विभागों के कार्मिकों को, 9 भू-अभिलेख निरीक्षक एवं 28 पटवारियों को तथा टॉप तीन उपखंड में कुचामन, डीडवाना व नावां को टॉप तीन तहसील में डीडवाना, कुचामन व छोटीखाटू के उपखंड अधिकारियों व तहसीलदार को फार्मर रजिस्ट्री में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी कार्मिकों को भविष्य में भी इसी सेवा भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

अतिरिक्त जिला कलैक्टर मोहनलाल खटनावलिया ने बताया कि इसी क्रम में जिला कलैक्टर के निर्देश पर 77 लाख से अधिक की राशि की लागत से जिले के 255 पटवारियों को कार्य करने के लिए टेबलेट एवं कंप्यूटर भी प्रदान किये जायेंगे। इस अवसर पर लाडनूं, परबतसर नावां एवं कुचामन के उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

'स्वच्छता' मीडिया में छपने एवं भाषणों में बोलने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए : गुप्ता

के.के. गुप्ता ने नगर निगम उदयपुर के सभागार में स्वच्छता संबंधित विषय पर बैठक लेकर निर्देश दिये।

- स्वच्छता प्रदेश ब्रांड एंबेसडर केके गुप्ता ने नगर निगम उदयपुर में बैठक ली

उदयपुर, (कासं)। स्वच्छ भारत मिशन (शहर) राजस्थान सरकार के स्टेट ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने मंगलवार को नगर निगम उदयपुर के सभागार में स्वच्छता संबंधित विषय पर बैठक लेते हुए निर्देश जारी किए गए। बैठक के प्रारंभ में स्थानीय निकाय विभाग (क्षेत्रीय) उप निदेशक विनोद कुमार ने ब्रांड एंबेसडर गुप्ता का स्वागत किया।

केके गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुझे तीसरी बार स्वच्छ राजस्थान बनाने की कमान सौंपी है। गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन केवल निकायों के सर्वेक्षण तक के लिए नहीं है, बल्कि यह 365 दिन चलने वाला एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिसका संकल्प प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में लिया था और इस अभियान से जुड़े हुए प्रत्येक अधिकारी तथा कर्मचारी सहित आम जनता का दायित्व है कि इसे धरातल पर लागू करने के लिए अपनी भूमिका अदा करें। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह भी विजन है कि आजादी की 100वीं वर्षगांठ अर्थात वर्ष 2047 तक हमारा भारत देश विकसित और विश्व गुरु देश बनेगा, लेकिन इसके लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि पूरा देश स्वच्छ होना चाहिए, स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका है जिसे लोगों ने समझा और महसूस किया है।

केके गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता मीडिया में छपने एवं भाषणों में बोलने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, स्वच्छता वह है जिसमें गन्दगी आंखों से नजर नहीं आये, प्लास्टिक की थैलियां खुले में नजर नहीं आये, सड़कों पर गाय घूमती नजर नहीं आये, कचरा यार्डों में आग न लगे, बगीचे साफ सूथरे हो, बच्चों के लिए झूले एवं लाइट की पर्याप्त व्यवस्था हो तथा कुत्ते बगीचों में घूमते नजर न आए, सार्वजनिक शौचालय एवं मूत्रालय बिल्कुल साफ हो तथा हर व्यक्ति की जुबान पर स्वच्छता के चर्चे हो, "वाह कितना साफ शहर है।"

बैठक में नगर निगम उदयपुर के आयुक्त, नगर पालिकाओं के अधिशासी अधिकारी सहित रुडीप प्रोजेक्ट, जेजेएम प्रोजेक्ट, पीडब्ल्यूडी विभाग, रोडवेज विभाग, देवस्थान विभाग सहित समस्त जिला व ब्लॉक स्वच्छता कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे।

गोल्ड लोन के नाम पर 10.25 लाख की ठगी, मामला दर्ज

फाइनेंस कंपनी से रकम ट्रांसफर कर आरोपी सोना लेकर फरार हो गये

- पुलिस ने शिकायत के आधार पर दो नामजद और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के पीलीबंगा कस्बे में गोल्ड लोन के नाम पर 10.25 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक निजी फाइनेंस कंपनी की शाखा प्रबंधक की शिकायत पर पुलिस ने अनूपगढ़ निवासी 2 नामजद आरोपियों सहित 3 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पीलीबंगा स्थित पूनावाला फिन कॉर्प लिमिटेड (गोल्ड लोन शाखा) की ब्रांच मैनेजर सुमन ने पुलिस को बताया कि 13 मार्च को सरूप सिंह और सोनू सिंह तीन अज्ञात महिलाओं के साथ शाखा में आए थे। उस दिन सोनू सिंह ने सोने के आभूषण गिरवी रखकर लगभग 2 लाख 5 हजार रुपये का गोल्ड लोन लिया था। इसके बाद सरूप सिंह ने अपने पहले से चल रहे गोल्ड लोन को ट्रांसफर कराने की बात कही। उसने बताया कि उसका लोन मुथूट गोल्ड शाखा हनुमानगढ़ में चल रहा है और ब्याज दर अधिक होने के कारण वह इसे पूनावाला फिन कॉर्प में ट्रांसफर करवाना चाहता है। कंपनी की शाखा ने लोन ट्रांसफर के लिए 16 मार्च को सरूप सिंह के खाते में 10 लाख 25 हजार रुपए आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर किए। आरोप है कि सरूप सिंह ने इस राशि में से 10 लाख 23 हजार 500 रुपए मुथूट गोल्ड लोन के खाते में जमा कर अपना पुराना लोन बंद करवा लिया और वहां से अपना सोना वापस ले लिया। इसके बाद आरोपी पूनावाला फिन कॉर्प लिमिटेड की शाखा में सोना जमा करवाने की बजाय बहाने बनाता रहा। 17 मार्च को सरूप सिंह अपना मोबाइल बंद कर फरार हो गया। शाखा प्रबंधक सुमन ने अपने स्तर पर पड़ताल की तो पूरी साजिश का खुलासा हुआ। आरोप है कि सरूप सिंह और सोनू सिंह ने योजनाबद्ध तरीके से कंपनी से राशि ट्रांसफर करवाई और सोना लेकर गायब हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दो नामजद और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एक विदेशी खिलाड़ी और महिला होने के नाते ऐसे माहौल में यात्रा करना और खेलना सहज नहीं लगता है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह किसी तरह की आर्थिक सजा से डरकर फैसला बदलने वाली नहीं हैं और वह सिर्फ पैसों के लिए खेल नहीं खेलती हैं। - कोनेरू हंपी

भारतीय शतरंज खिलाड़ी, युद्धपोतों और सैन्य गतिविधियों को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

यश दयाल

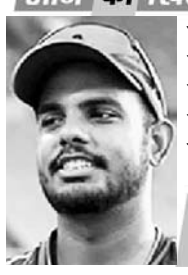

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल इस सीजन टीम से नहीं जुड़ेंगे।। टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट मोहम्मद बोबाट ने बताया कि यश निजी कारणों से इस सीजन में नहीं खेलेंगे। यश को पिछले साल की नीलामी से पहले ने 5 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। 2 बार रेप के आरोप लग चुके यश दयाल इस समय दो अलग-अलग मामलों में यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हैं। गाजियाबाद की एक महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल ने शादी का झांसा देकर पांच साल तक उसका भावनात्मक और शारीरिक शोषण किया।

क्या आप जानते हैं ?... राजस्थान रॉयल्स ने 2008 में शेन वॉर्न की कप्तानी में पहला खिताब जीता था और 2022 में उपविजेता रही।

शेन वॉर्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल का पहला सीजन 2008 में जीता था

राजस्थान रॉयल्स करीब 15,289 करोड़ की रिकॉर्ड बोली के साथ बिकी

जयपुर, 24 मार्च। आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स को नया मालिक मिल गया है। राजस्थान रॉयल्स 1.63 बिलियन डॉलर यानि करीब 15,289 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ बिक गई है। इसके साथ ही राजस्थान आईपीएल की सबसे महंगी टीम बन गई है। इस सौदे में काल सोमानी को वालमार्ट परिवार के अमेरिकी व्यवसायी रॉब वॉल्टन और हैम्प परिवार का समर्थन मिला है।

राजस्थान रॉयल्स के नए मालिक काल सोमानी पहले से ही इस टीम में अल्पसंख्यक हिस्सेदारी रखते थे, लेकिन अब उन्होंने इसे पूरी तरह से अपने मालिकाना हक में कर लिया है। सोमानी एडुटेक, आर्टिफिशियल एंटिलिजेंस और आर्टिफिशियल टेक्नोलॉजी के एक बहुत बड़े उद्यमी हैं।

भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके कॉन्सोर्टियम ने फ्रेंचाइजी के लिए ये सबसे बड़ी बोली लगाई है, जिसे मंजूर कर लिया गया है। राजस्थान ने लखनऊ सुपर जायंट्स का रिकॉर्ड तोड़ा। लखनऊ को संजीव गोयनका के आरपीएसजी ग्रुप ने 2021 में 7,090 करोड़ की भारी बोली लगाकर खरीदा था। रिपोर्ट के मुताबिक, सौदा पूरी तरह से साइन हो चुका है। लेकिन कागजी औपचारिकताएं आईपीएल 2026 के अंत तक पूरी कर ली जाएंगी। टीम को बेचने की बात आज

से नहीं बल्कि 6 महीने पहले से ही चल रही थी। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स की टीम का मालिकाना हक इमर्जिंग मीडिया वेंचर्स थे, जिसका नेतृत्व भारतीय ब्रिटिश व्यवसायी मनोज बदाले कर रहे थे।

24 गुना ज्यादा में बिकी राजस्थान रॉयल्स

2008 में जब राजस्थान रॉयल्स को खरीदा गया था, तब इसकी कीमत सिर्फ 67 मिलियन डॉलर थी, जो उस समय लगभग 260-270 करोड़ के आसपास बैठती थी। अगर उसी 67 मिलियन डॉलर को आज की वैल्यू में देखा जाए, तो यह करीब 628 करोड़ बनता है। अब 2026 में यही फ्रेंचाइजी करीब 1.63 बिलियन डॉलर (लगभग 15,289 करोड़) में बिकी है। यानी, मौजूदा वैल्यू की तुलना 2008 की आज की कीमत (628 करोड़) से करें, तो राजस्थान रॉयल्स की कीमत में करीब 24 गुना का उछाल आया है।

चार कंपनियां रेस में थीं

राजस्थान रॉयल्स की फाइनल बिडिंग रेस में चार बड़े ग्रुप शामिल थे। इसमें आदित्य बिरला ग्रुप, टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप और कैपरी ग्लोबल भी दावेदारी में थे। हालांकि, इन सभी को पीछे छोड़ते हुए काल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने आखिरकार यह बोली जीत ली।

सोमानी 2021 से फ्रेंचाइजी में इन्वेस्टर हैं

काल सोमानी टेक्नोलॉजी और निवेश जगत का बड़ा नाम हैं। उन्होंने एड-टेक, डेटा प्राइवेसी, एआई गवर्नेंस और स्पोर्ट्स टेक जैसे क्षेत्रों में कई वैश्विक कंपनियां खड़ी की हैं। इस डील के साथ उनका खेल जगत में निवेश और मजबूत हो गया है। काल सोमानी पहले से ही राजस्थान रॉयल्स में इन्वेस्टर थे। 2021 में उन्होंने फ्रेंचाइजी में एंट्री ली थी। सोमानी ने तब कहा था- हमें इस निवेश में बहुत बड़ी संभावना दिख रही है और हम आईपीएल के भविष्य को लेकर उत्साहित हैं।

2008 में चैंपियन बनी थी राजस्थान

शेन वॉर्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल का पहला सीजन 2008 में जीता था। लेकिन उसके बाद टीम का प्रदर्शन नीचे जाने लगा। उसके बाद से टीम सिर्फ एक बार 2022 में फाइनल में पहुंची है। तब गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल मुकाबले में उसे हार मिली।

दो साल के लिए बैन हुई थी राजस्थान रॉयल्स

राजस्थान रॉयल्स को 2015 में सामने आए स्पॉट-फिक्सिंग मामले की वजह से 2 साल के लिए बैन कर दिया गया था। जांच के बाद लोढ़ा समिति ने टीम के सह-मालिक राज कुंद्रा को सट्टेबाजी का दोषी पाया था। इसके कारण राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों को 2016 और 2017 के आईपीएल सीजन से बाहर कर दिया गया। बाद में 2018 में राजस्थान रॉयल्स ने फिर से आईपीएल में वापसी की।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु सबसे महंगी आईपीएल टीम बनी

16.71 हजार करोड़ में चार कंपनियों ने मिलकर खरीदा

नई दिल्ली, 24 मार्च। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 1.78 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,706 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ बिक गई है। इसके साथ ही बेंगलुरु आईपीएल की सबसे महंगी टीम बन गई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है। क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आदित्य बिड़ला ग्रुप, टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन्स परपिचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटिजी ने मिलकर खरीदा। इससे पहले क्रिकबज ने ही मंगलवार को बताया था, राजस्थान रॉयल्स 1.63 बिलियन डॉलर यानी करीब 15,289 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ बिक गई है। राजस्थान अब दूसरी सबसे महंगी आईपीएल टीम बन गई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की नई ओनरशिप के साथ आदित्य बिड़ला ग्रुप के डायरेक्टर आर्यमान बिड़ला को टीम का चेयरमैन भी बनाया गया। 28 साल के आर्यमान बिड़ला का क्रिकेट और बिजनेस दोनों में अनुभव रहा है। वे पूर्व फर्स्ट क्लास क्रिकेटर हैं और मध्य प्रदेश के लिए रणजी ट्रॉफी खेल चुके हैं।

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन का बड़ा फैसला

चिन्नास्वामी स्टेडियम में 11 सीटें रहेंगी हमेशा खाली

बेंगलुरू, 24 मार्च। आईपीएल 2026 के आगाज से पहले आरसीबी और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन ने मिलकर एक भावुक और बड़ा फैसला लिया है। अब बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 11 सीटों को हमेशा के लिए खाली रखा जाएगा।ये फैसला पिछले साल 4 जून 2025 को आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में जान गंवाने वाले 11 लोगों की याद में लिया गया है। उस दिन स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ के बीच हुई घटना ने पूरे क्रिकेट जगत को झकझोर दिया ता और इसे खेल इतिहास के सबसे दुखद दिनों में गिना गया। आरसीबी और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के इस संयुक्त फैसले के तहत स्टेडियम के एक प्रमुख स्टैंड की 11 सीटों को आम दर्शकों की बिक्री से हटा दिया गया है। अब इन सीटों पर कभी कोई नहीं बैठेगा। आईपीएल और इंटरनेशनल मैचों समेत हर मुकाबले में ये सीटें खाली रहेंगी, ताकि ये एक स्थायी औरदिखने वाली श्रद्धांजलि बनी रहे।

सचिन के ऑलराउंड खेल व रयान के अर्द्धशतकीय पारी से जीती जय भारतीय क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 24 मार्च। नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गये उद्घाटन मैच में आर्यन क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47 ओवर में 175 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें सनी व दक्ष बिनवाल ने 42-42 रनों का योगदान दिया जय भारती क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में हंस चौधरी ने चार विकेट व सचिन मीणा ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जय भारती क्रिकेट अकादमी 31.5 ओवर में 176/2 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। जिसमें रयान ने नाबाद 72 रन व रमन चौधरी ने 49 रन व सचिन मीणा ने नाबाद 28 रनों की पारी खेली। आर्यन क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में अंकित शर्मा व विहान अग्रवाल ने एक-एक विकेट लिया। जय भारती क्रिकेट अकादमी ने 8 विकेट से मुकाबला जीता। दिन का दूसरा मुकाबला नारायणा क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। जिसमें भदोरिया क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 34 ओवर में 152 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें अनमोल शर्मा ने 47 रन व वैभव ने 36 रनों का योगदान दिया। मोहन क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में यशवर्धन सिंह ने तीन विकेट व मानवीर ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मोहन क्रिकेट अकादमी 25.5 ओवर में 156/3 रन बनाकर मैच जीत लिया। जिसमें एम डी शदाब ने 61 रन व अमरनाथ ने 32 रनों की पारी खेली। भदोरिया क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में योगेंद्र व निहाल ने एक-एक विकेट लिया। मोहन क्रिकेट अकादमी ने 7 विकेट से मुकाबला जीता।

नीतू के नाबाद 196 रन व कल्पना का पंजे से जीती राजस्थान यूथ

जयपुर, 24 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में राजस्थान यूथ ने सुराना एकेडमी को 239 रनो के विशाल अंतर से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर राजस्थान यूथ की कप्तान नीतू शर्मा ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए नीतू शर्मा के 196 रन नाबाद (145 गेंद, 28 चौके) कि शानदार बल्लेबाजी, तानिका शर्मा के 44 रन, प्रियांशी चौधरी के 38 रन व अर्चना सैनी के 53 रनो की आकर्षित पारियों से 50 ओवर में 7 विकेट पर 395 रन बनाए। संस्कार एकेडमी के लिए रिधिमा शेखावत ने 48 पर 3, विद्या ने 48 पर 2 , गंगा व अर्चना श्रीवास्तव ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में सुराना एकेडमी की टीम ने एक समय 24 रनो पर 6 विकेट गंवाने के बाद , भूमिका जांगिड़ के 17 रन, तनु जादौन के 17 रन, श्रेया जोशी के नाबाद 44 रन व विद्या के 32 रनो से 42.4 ओवर में 156 रन बनाए।

आईपीएल 2026 : बीसीसीआई रखेगा अब खिलाड़ियों और स्टाफ पर नजर, जर्सी से लेकर नेट्स तक सख्त नियम, उल्लंघन पर खैर नहीं

नई दिल्ली, 24 मार्च। बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 से पहले सख्त नियम लागू किए हैं। जहां खिलाड़ियों और स्टाफ पर पैनी नजर रखी जाएगी। इनमें अभ्यास से लेकर मैच डे और जर्सी तक हर पहलू को कवर किया गया है। बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि लापरवाही बर्दाशत नहीं होगी। हर उल्लंघन पर सख्त कार्रवा की जाएगी जिसमें जुर्माना और चेतावनी शामिल हैं। नए सीजन से पहले जारी ये दिशा-निर्देश इस बात का संकेत हैं कि आईपीएल 2026 में अनुशासन ही सबसे बड़ा नियम होगा। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच 28 मार्च को बेंगलुरु स्थित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले बीसीसीआई ने सभी टीम मैनेजरों को अपडेटेड नियम पुस्तिका भेजी है ताकि पूरे सीजन में नियमों को सुचारू रूप से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

अभ्यास के लिए नियम

खुले में प्रैक्टिस सेशन की मनाही है। सभी ट्रेनिंग सेशन तय नेट एरिया के अंदर ही होने चाहिए। टीमें किसी दूसरी टीम के लिए तय पिचों का इस्तेमाल नहीं कर सकतीं, भले ही उस टीम का सेशन जल्दी खत्म हो गया हो। मैच के दिनों में किसी भी हाल में प्रैक्टिस सेशन की मंजूरी नहीं होगी। मैच के दिनों में मैदान पर सिर्फ खिलाड़ियों और आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त स्टाफ को ही जाने की मंजूरी होगी। परिवार के सदस्यों और दोस्तों को तय हॉस्पिटैलिटी एरिया में ही रहना होगा। बीसीसीआई की मंजूरी के लिए फ्रेंचाइजी को नेट बॉलरों और थ्रोडाउन स्पेशलिस्टों की सूची जमा करनी होगी। खिलाड़ियों को अभ्यास सत्र के लिए टीम बस से ही जाना होगा। हालांकि, जरूरत पड़ने पर टीमें दो ग्रुप में बंट सकती हैं। अभ्यास से जुड़े किसी भी अनुरोध के लिए वेन्यू मैनेजर से तालमेल बैठाना होगा।

मैच के दिन के लिए नियम

सभी सपोर्ट स्टाफ को हर समय अपना पहचान पत्र अपने पास रखना होगा। पहली बार नियम तोड़ने पर चेतावनी दी जाएगी, जबकि बार-बार नियम तोड़ने पर जुर्माना लगेगा। हिटिंग नेट का इस्तेमाल करते समय खिलाड़ियों को सावधानी बरतनी होगी ताकि गेंदे एलईडी विज्ञापन बोर्डों से न टकराएं। एलईडी बोर्डों के सामने बैठना मना है। सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों के बैठने की जगह संबंधित फ्रेंचाइजी द्वारा तय की जाएगी। ऑरेंज कैप और पर्पल कैप पहनने वाले खिलाड़ियों को मैच के दौरान ये कैप पहनना अनिवार्य होगा। मैच के बाद होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह के लिए खिलाड़ियों को ड्रेस कोड का पालना करना होगा। ढीली-ढाली टोपियां और बिना आस्तीन वाली जर्सी पहनने की मंजूरी नहीं है। मैच के दिनों में आईपीएल 2025 के नियमानुसार, टीम डॉक्टर समेत सपोर्ट स्टाफ के केवल 12 सदस्यों को ही तय जगहों के अंदर जाने की अनुमति होगी।

जर्सी के लिए नियम

अगर टीमें जर्सी नंबर बदलना चाहती हैं तो उन्हें लीग को कम से कम 24 घंटे पहले इसकी जानकारी देनी होगी। फ्रेंचाइजी को बीसीसीआई की पहले से मंजूरी लेकर ज्यादा से ज्यादा दो अभ्यास मैच खेलने की मंजूरी है और ये मुकाबले साइड विकेट पर ही खेले जाने चाहिए। अगर ये मुकाबले फ्लडलाइट्स में खेले जाते हैं तो इनकी अवधि साढ़े तीन घंटे से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा टीमों को घरेलू मैच से चार दिन पहले तक मेन स्क्वायर का अभ्यास करने की मंजूरी नहीं है। अगर जरूरी हो तो अभ्यास के लिए दूसरी जगह का इंतजाम करने के लिए राज्य एसोसिएशन के साथ मिलकर काम करना होगा।

जैनिक सिनर ने तोड़ा जोकोविच का रिकॉर्ड

मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स में लगातार 26 सेट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने, मियामी ओपन में मुटे को हराया

नई दिल्ली, 24 मार्च। इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार सबसे अधिक सेट जीतने के मामले में नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सिनर ने मियामी ओपन के तीसरे राउंड में कोरेंटिन मूटे को 6-1, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 11 मिनट तक चला। इस जीत के साथ सिनर के लगातार जीते गए सेटों की संख्या 26 हो गई है, जबकि जोकोविच के नाम 24 सेट का रिकॉर्ड था। जोकोविच ने यह उपलब्धि 2016 में इंडियन वेल्स और मियामी के बीच हासिल की थी। नवंबर से जारी है अजेय रहने का सिलसिला सिनर का यह शानदार सफर पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ था। वहां उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद उन्होंने इसी महीने इंडियन वेल्स ओपन का खिताब भी जीता। म्यूटेट के खिलाफ जीत के साथ ही सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 लेवल पर लगातार 13 मैच जीतने का रिकॉर्ड भी बना लिया है। मैच के बाद सिनर ने एटीपी की आधिकारिक वेबसाइट से कहा,मैं बहुत खुश हूं। यह खेल अप्रत्याशित है, इसलिए हम जितना हो सके उतना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं। अब देखते हैं कि अगले दौर में क्या होता है। उन्होंने आगे कहा कि वे हर मैच के लिए तकनीकी रूप से पूरी तरह तैयार रहने की कोशिश करते हैं। अगले दौर में एलेक्स मिचेलसन से होगा मुकाबला चौथे दौर में जैनिक सिनर का सामना अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन से होगा। मिचेलसन ने अपने तीसरे दौर के मुकाबले में अलेजांद्रो ताबिलो को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर आगे कदम बढ़ाया है। सिनर जिस फॉर्म में चल रहे हैं, उन्हें टूर्नामेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। मियामी ओपन में कार्लोस अल्कराज के बाहर होने के बाद सिनर के पास अपनी रैंकिंग और मजबूत करने का अच्छा मौका है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया का ऐलान

कप्तान हमनप्रीत कौर, जबकि स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान

नई दिल्ली, 24 मार्च। बीसीसीआई की महिला चयन समिति ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। इसके तहत दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी।

भारतीय महिला टीम का साउथ अफ्रीका दौरा 17 अप्रैल को डरबन से शुरू होगा। वहीं इस टी20 सीरीज का आखिरी मैच 27 अप्रैल को बेनोई में खेला जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया की ओर से जारी बयान के अनुसार, भारतीय महिला टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जबकि स्मृति

मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। इसके अलावा टीम में शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा भी हैं। ऋचा घोष बतौर विकेटकीपर चुनी गईं हैं। उमा छेत्री बैक-अप विकेटकीपर होंगी। बता दें कि, युवा ऑलराउंडर अनुष्का शर्मा को टीम में पहली बार चुना गया है।

भारती फुलमाली की वापसी - वहीं भारतीय टीम में 31 वर्षीय भारती श्रीकृष्णा फुलमाली भी हैं। भारती फुलमाली ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 9 मार्च 2019 को गुवाहाटी में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। उस मैच में इंग्लैंड की महिला टी20 टीम एक रन से विजयी रही थी।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्री चरणी, श्रेयंका पाटिल, काशवी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री, अनुष्का शर्मा।

जैकसन ग्रुप ने गांगुली के साथ मिलकर सतत विकास की दिशा में बढ़ाया कदम

नई दिल्ली, 24 मार्च। भारत की जानी-मानी ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी- जैकसन ग्रुप, पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान और जाने-माने लीडर सौरव गांगुली के साथ मिलकर बेहतर कल की ओर कदम बढ़ा रही है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब भारत तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके जरिए जैकसन यह सुनिश्चित करता है कि वह इनोवेशन, स्केल और सस्टेनेबल सॉल्यूशंस के जरिए देश के ऊर्जा बदलाव में बेहतर भूमिका निभा रहा है । आठ दशकों से ज्यादा समय से जैकसन ग्रुप ने हमेशा भरोसे और इनोवेशन के दम पर अपनी पहचान बनाई है। सौरव गांगुली की लीडरशिप और नए तरीके अपनाने की क्षमता से प्रेरित होकर, कंपनी अब अपनी पहचान को और मजबूत करने पर काम कर रही है, ताकि वह आने वाले समय के लिए तैयार ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े समाधान देने में एक भरोसेमंद साथी बनी रहे। इस साझेदारी के तहत सौरव गांगुली जैकसन ग्रुप के प्रमुख ब्रांड कैंपेन और खास पहलों का हिस्सा होंगे। इसके जरिए कंपनी स्वच्छ और सतत ऊर्जा के अपने विज़न को और ज्यादा लोगों तक पहुँचाने का काम करेगी।

दी राजस्थान एकेडमी, नारायण एकेडमी व लक्ष्य एकेडमी जीती

परम सिंह, चेतन सुथार व दीपक बड़ैतिया के शतक

जयपुर, 24 मार्च। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित स्टेट लेवल यूथ कप अंडर -17 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैचों में दी राजस्थान एकेडमी ने केशर एकेडमी को रामांचक मैच में एक विकेट से हराया, नारायण एकेडमी ने अरावली क्लब को 28 रनो से हराया तथा लक्ष्य एकेडमी ने संस्कार एकेडमी को 9 विकेट से हराया।

आर जे 14 ग्राउंड पर केशर एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ध्रुव वशिष्ठ के 56 रन, दीपक बड़ैतिया के 110 रन, एस एस चौहान के 61 रन व पराक्रम सिंह के नाबाद 53 रनो से 50 ओवर में 6 विकेट पर 335 रन बनाए। दी राजस्थान एकेडमी के लिए अली चौधरी, मनीष हरियावल, रवि कश्यप व समीर गौरा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में दी राजस्थान एकेडमी ने मुकुल

सीकर के 42, रवि कश्यप के 23 रन, अभी देवंदा के 52 रन, लव वर्मा के 44 रन, दक्ष नगर के 82 रनो से 46.5 ओवर में 9 विकेट पर 336 रन बनाकर मैच जीत लिया। केशर एकेडमी के लिए अक्षित शर्मा, दक्ष महवार, दीपक बड़ेतिया व एस एस चौहान ने 2 - 2 विकेट लिए।

दूसरे मैच में अरावली ग्राउंड पर नारायण एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेतन सुथार के शतक 108 रन, अक्षत चंदवाल के 40 रन व नवीन बुरी के 72 रनो से 49. 4 ओवर में 278 रन बनाए। अरावली क्लब के लिए दक्ष शर्मा ने 63 पर 5 व अक्षित शर्मा ने 35 पर 3 विकेट लिए। जवाबी पारी में अरावली क्लब की टीम, दक्ष सेतिया के 63 रन, परम सिंह के 101 रन व अंशु के नाबाद 25 रनो से 50 ओवर में 7 विकेट पर 250 रन ही बना सकी। नारायण एकेडमी के लिए नवीन बुरी ने 35 पर 4 व अक्षत चंदवाल ने 49 पर 2 विकेट लिए। तीसरे मैच में लक्ष्य ग्राउंड पर संस्कार एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 23. 4 ओवर में मात्र 80 रन बनाए। लक्ष्य एकेडमी के लिए तेजस जोशी ने 11 पर 4, प्रियांशु माली ने 16 पर 2 व अक्षत प्रधान ने 17 पर 2 विकेट लिए।स जवाबी पारी में लक्ष्य एकेडमी की टीम हरी तिवाड़ी के 26 रन व संकल्प के नाबाद 45 रनो से 9. 3 ओवर में एक विकेट पर 81 रन बनाकर मैच जीत लिया।

अर्णव के नाबाद अर्द्धशतक व सज्जन की गेंदबाजी से एलिट सेमीफाइनल में

जयपुर, 24 मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज करोल क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये क्वार्टर फाईनल मैच में अर्णव गौतम 74 रन नाबाद (43 गेंद 5 चौके, 6 छक्के) व सज्जन शर्मा 38 रन पर 3 विकेट की बदौलत मिनर्वा क्रिकेट एकेडमी को 5 विकेट से हराकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर मिनर्वा क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये आलोक गुर्जर 60 रन (40 गेंद, 3 चौके 5 छक्के), गौरव साल्वी 66 रन (38 गेंद 6 चौके, 4 छक्के) ने पहले विकेट पर 125 रन जोड़ अच्छी शुरूआत की।

// चौगान स्टेडियम में कबड्डी का आयोजन //

जयपुर, 24 मार्च। राजस्थान सरकार की पंच गौरव योजना 2025-26 के तहत आज चौगान स्टेडियम में उद्घाटन समारोह में एक जिला एक खेल के अंतर्गत कबड्डी खेल का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजू लाल चौधरी (डी.वाई.एस.पी.) राजस्थान पुलिस एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पुष्पेंद्र सिंह ने की। प्रदर्शन मैच चौगान स्टेडियम टीम एवं वंदे मातरम टीम के बीच खेला गया शानदार मुकाबला में चौगान स्टेडियम टीम ने विजयश्री प्राप्त की। मुख्य अतिथि राजू लाल गुर्जर ने खेल का महत्व उद्देश्य के बारे में खिलाड़ियों को बताया। उन्होंने बताया कि वह स्वयं 2004 से कबड्डी खेल की प्रैक्टिस इसी चौगान स्टेडियम के ग्राउंड से की एवं आज डी. वाई. एस.पी. पद पर कार्यरत है । खेल अधिकारी चौगान स्टेडियम मानसिंह ने प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी।

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक:-लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/3544-60 दिनांक:- 19.03.2026

संशोधित ऑनलाईन निविदा सूचना सं0 39/2025-26

इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3363-76 दिनांक 17.03.2026 के द्वारा ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 39/2025-26 कुल 01 कार्य हेतु जारी की गयी थी। उक्त निविदा के बीओक्यू के आईटम नं. 17 में त्रुटिवश आंशिक संशोधन किया जा रहा है जिसमें उक्त आईटम की मात्रा को 1819.96 Cum की जगह मात्रा 772.50 Cum एवं दर 3377.00 रू0 को 7956.00 रू0 पढा जावें, निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेंगी।

अधिशाषी अभियन्ता
भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

राज.संवाद/सी/25/23168

कार्यालय अति. जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा जैसलमेर

पता -एडीपीसी कार्यालय, मलका प्रौल के पास, सूली डूंगर, जैसलमेर
टेलिफोन नं.: 02992-252195, ईमेल adpcrmsajaisalmer@gmail.com

क्रमांक-अजिपस/सशि/जैसल/KGBV/2025-26/2431 दिनांक :- 18.03.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 54/2025-26

इस कार्यालय के अधीनस्थ संचालित केजीबीवी आवासीय विद्यालयों में मानव संसाधन उपलब्ध करवाने हेतु विर्निदिष्ट पंजीकृत निविदादाता/संवेदकों से दिनांक 27.03.2026 तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से सम्बन्धित विस्तृत सूचना एवं दस्तावेज वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। UBN No. RSE2526SLOB07699

अति जिला परियोजना समन्वयक
समग्र शिक्षा, जैसलमेर

राज.संवाद/सी/25/23153

ADPC, Karauli(Rajasthan)

Add. - keshavpura puliya mandrayal road karauli E-Mail: adpcsamsakarauli@gmail.com

No. {Ref. No.}1981 Date: 19.03.2026

NOTICE INVITING e-BID (NIB : 27/2025-26)

Request for proposal invited for Supply, Installation, Testing, Commissioning of Digital Library in 12 Govt. Schools from 18.03.2026 to 06:00 PM of dated 25.03.2026. Other details may be seen in the Bidding Document at State Public Procurement Portal website www.sppp.rajasthan.gov.in and e-proc portal.

Estimated cost:79.56 Lacs

UBN NO. RSE2526GLOB07704

Additional District Project Coordinator
Karauli (Rajasthan)

Raj.Samwad/C/25/23152

कार्यालय नगर परिषद, दौसा (राजस्थान)

क्रमांक : न.प.दौ./2025-26/621 दिनांक 20.03.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27

नगर परिषद दौसा द्वारा परिषद कोष के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निम्न कार्य कराये जाने हेतु सामग्री क्रय/सेवाओं (सफाई) में इच्छुक एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन दर संविदा हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड एवं अपलोड व http://sppp.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड किये जा सकते है। अन्य शर्तें ऑनलाईन देखी व पढी जा सकती है।

निविदा के कुल कार्यों की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	निविदा Download/ Upload करने की अंतिम दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की बिड खोलने की दिनांक व समय	UBN No.
08	19.03.2026	24.03.2026 को 6:00 पीएम तक	25.03.2026 11:00 एएम तक	25.03.2026 दोपहर 2:00 बजे पश्चात्।	DLB2526SLRC39668, 39671, 39672, 39677, 39680, 39683, 39686, DLB2526WSRC39689

आयुक्त, नगर परिषद, दौसा

राज.संवाद/सी/25/23202

राजस्थान की धरा शौर्य, आस्था व भक्ति की त्रिवेणी - भजनलाल

मुख्यमंत्री ने बालोतरा के कनाना श्रीमठ में आयोजित श्री ललिता महायज्ञ की पूर्णाहुति में भाग लिया

बालोतरा, 24 मार्च (नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजनीति हो या अन्य कार्य, धर्म आवश्यक है, धर्म के अभाव में कोई भी कार्य ठीक से नहीं हो सकता। सनातन परम्परा हमें धर्म पर चलते हुए सामाजिक एकता के साथ आगे बढ़ने

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले एक वर्ष से चल रहे श्री ललिता महायज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम में देश भर से आए प्रमुख संत-महंतों का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। महंत परशुराम गिरी महाराज ने मुख्यमंत्री को श्रीयंत्र भेंट कर अभिनंदन किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को बालोतरा के कनाना श्रीमठ में आयोजित श्रीललिता महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं मां सरस्वती मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लिया।

की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरा शौर्य, आस्था और भक्ति की त्रिवेणी है, जहां साधु-संतों के आशीर्वाद से सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण हो रहा है।

शर्मा मंगलवार को बालोतरा के कनाना श्रीमठ में आयोजित श्री ललिता महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं मां सरस्वती मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाजिक एकता को सुदृढ़ करने के साथ ही, आने वाली पीढ़ी को विरासत से जोड़ते हैं।

मुख्यमंत्री ने बालोतरा के धार्मिक महत्व को बताते हुए कहा कि यहां के तीर्थ स्थल हमारी गौरवशाली संस्कृति के सजग प्रहरी हैं। वहीं, कनाना मठ की पवित्र भूमि अलौकिक ऊर्जा का संचार करती है।

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मंदिरों के विकास और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान, कनाना मठ के महंत परशुराम गिरि महाराज ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन अखण्ड भारत और सनातन संस्कृति की पहचान हैं।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने पिछले एक वर्ष से चल रहे श्री ललिता महायज्ञ में पूर्णाहुति दी। साथ ही, कार्यक्रम में देशभर से आए प्रमुख संत-महंतों का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। महंत परशुराम गिरि महाराज ने मुख्यमंत्री को श्री यंत्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

इस दौरान, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के.के. विश्नोई, विधायक हमीर सिंह भायल, महंत प्रतापपुरी, आदूराम मेघवाल,

दिल्ली वालों को दो फ्री सिलैण्डर मिलेंगे

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को 2026-27 के लिए दिल्ली का बजट पेश किया। इस बजट में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च और पर्यावरण पर जोर के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की गई है।

- **मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली का 2026-27 का बजट पेश करते हुए घोषणा की।**

हालांकि रेखा गुप्ता ने पिछली सरकार की "फ्रीबी संस्कृति" की खूब आलोचना की, लेकिन साथ ही, बजट में 2 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने के लिए 260 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया। 1,03,700 करोड़ रुपये का यह बजट राजधानी के सबसे बड़े बजटों में से एक है। सरकार ने इसे ग्रीन बजट का नाम दिया है, हालांकि इसमें सड़कों, शहरी विकास और नागरिक सुविधाओं पर भी बड़ा खर्च रखा गया है। पिछले साल उन्होंने 1 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया था।

'हिंदू, सिख, बौद्ध के अलावा अन्य धर्म अपनाने पर एससी का दर्जा नहीं मिलेगा'

सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट को लेकर मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया

नई दिल्ली, 24 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट को लेकर मंगलवार को एक बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने फैसले में कहा कि जो व्यक्ति हिंदू धर्म, सिख धर्म या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को अपनाता है उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता।

कोर्ट ने आगे कहा कि किसी अन्य धर्म अपनाने पर अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत और पूरी तरह से खत्म हो जाता है। जस्टिस पी. के. मिश्रा और जस्टिस एन. वी. अंजारिया की पीठ ने फैसला सुनाया कि किसी अन्य धर्म में धर्मांतरण करने से अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाता है। कोर्ट ने कहा कि संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 में यह बात साफ कर दी गई थी और इस आदेश के तहत लगाई गई रोक पूरी तरह से लागू होती है। कोर्ट

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 1950 के आदेश के क्लॉज 3 में बताए गए धर्मों के अलावा किसी अन्य धर्म को अपनाने से अनुसूचित जाति की दर्जा तुरंत खत्म हो जाता है।**

ने साफ किया कि 1950 के आदेश के क्लॉज 3 में बताए गए धर्मों के अलावा, किसी और धर्म को अपनाने पर, जन्म की स्थिति चाहे जो भी हो, अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत खत्म हो जाता है। न्यायालय ने फैसला सुनाया कि खंड 3 के तहत, कोई भी ऐसा व्यक्ति, जिसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जाता है, वह संविधान या संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के तहत किसी भी वैधानिक लाभ, सुरक्षा, आरक्षण या अधिकार का दावा नहीं कर सकता और न ही उसे ये लाभ दिए जा सकते हैं। यह रोक पूरी तरह से लागू होती है और इसमें कोई अपवाद नहीं है। कोई भी व्यक्ति एक ही समय पर खंड 3 में बताई गई जाति के अलावा, किसी अन्य धर्म को मानने और उसका पालन करने के साथ-साथ अनुसूचित जाति की सदस्यता का दावा नहीं कर सकता।"

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के पहले के उस फैसले को सही ठहराया, जिसमें कहा गया था कि जो लोग ईसाई धर्म अपना लेते हैं और सक्रिय रूप से उसका पालन करते हैं, वे अपना अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा बरकरार नहीं रख सकते।

हरीश राणा ने ली अंतिम सांस

नई दिल्ली, 24 मार्च। देश में निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। एम्स ने जारी एक बयान में कहा कि हरीश राणा ने मंगलवार को शाम 4.10 मिनट पर अंतिम सांसें लीं। वे समर्पित चिकित्सकों की टीम की देखरेख में थे और उन्हें ऑन्को-एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष, डॉ. (प्रो.) सीमा मिश्रा के नेतृत्व में पैलिएटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट (आईआरसीएच) में भर्ती कराया गया था। एम्स ने हरीश राणा के परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। हरीश राणा का मामला देश में गरिमा के साथ मृत्यु के अधिकार (राइट टू डाई विद डिग्निटी) पर एक ऐतिहासिक निर्णय माना गया था। हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को विशेष अनुमति देते हुए उनकी सम्मानपूर्वक मृत्यु के लिए एम्स प्रबंधन को जीवनरक्षक उपचार हटाने (लाइफ सपोर्ट विदड्रॉल) की इजाजत दी थी। चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में बीटेक की पढ़ाई कर रहे हरीश राणा 20 अगस्त 2013 को हॉस्टल की चौथी मंजिल से नीचे गिर गए थे।

अमेरिका व ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वित्तीय और तेल बाजार को प्रभावित करने और उस संकट से निकलने के लिए किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका और इज़राइल फंसे हुए हैं।"

फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के वरिष्ठ अधिकारी पर्दे के पीछे तेहरान और ट्रंप टीम के दूतों, विटकॉफ और जारेड कुशनर, के बीच बातचीत करा रहे थे। साथ ही, प्रधानमंत्री शरीफ ने युद्ध शुरू होने के बाद से कई बार पेज़ेश्कियन से बात की है।

सोमवार को हुई बातचीत के बारे में जारी एक बयान में पाकिस्तान ने कहा, "प्रधानमंत्री ने ईरानी राष्ट्रपति को पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों की जानकारी दी और आश्वासन दिया कि पाकिस्तान शांति स्थापित करने में रचनात्मक भूमिका निभाता रहेगा।"

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कथित रुप से पिछले सप्ताह रियाद में हुई बैठक में अरब देशों के प्रतिनिधियों से कहा कि इस्लामाबाद अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर रहा है, हालांकि उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। एक राजनयिक ने फायनैंशियल टाइम्स को बताया कि पाकिस्तान ही इस मध्यस्थता प्रयास का नेतृत्व कर रहा है।

पाकिस्तान, जहाँ कोई भी अमेरिकी सैन्य अड्ड नहीं है, इस क्षेत्र के उन गिने-चुने अमेरिकी सहयोगियों में से एक है, जो तेहरान की मिसाइलों और ड्रोन हमलों से सुरक्षित रहे हैं। इससे पाकिस्तान को ईरान और यू.एस. के बीच एक निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिली है। पाकिस्तान में ईरान के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिया मुस्लिम आबादी है और उसके खाड़ी देशों, खासकर सऊदी अरब, के साथ भी अच्छे संबंध हैं। पिछले साल दोनों देशों के बीच आपसी रक्षा समझौता भी हुआ था।

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह मोजतबा खामेनेई ने पिछले सप्ताह ईरानी नववर्ष की शुरुआत पर जारी एक संदेश में पाकिस्तान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें पाकिस्तान की जनता से खास लगाव है।

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिश और ट्रंप द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर ईरान के पावर ग्रिड पर बमबारी करने की अपनी धमकी टालने की घोषणा का आपस में कोई संबंध है या नहीं। लेकिन एक यूरोपीय अधिकारी ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच सीधे बातचीत नहीं हुई, बल्कि मिस्र, पाकिस्तान और खाड़ी देश संदेशों का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

तुर्की, जो युद्ध से पहले भी मध्यस्थता में शामिल था, अब भी ईरानी अधिकारियों और ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ से बातचीत कर रहा है, ताकि अस्थायी युद्धविराम कराया जा सके और बातचीत का रास्ता खोला जा सके।

फायनैंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने तुर्की समकक्ष हाकान फिदान से बातचीत की, जबकि, मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलअत्ती ने रविवार को ईरान, पाकिस्तान, विटकॉफ और कतर के विदेश मंत्री से बात की।

'वॉशिंगटन से संदेश आया, ट्रंप समझौता चाहते हैं'

ईरान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी

वॉशिंगटन/तेहरान, 24 मार्च। पिछले माह 28 फरवरी से छिड़े युद्ध के बीच तेहरान को मध्यस्थों के जरिए वॉशिंगटन से संदेश मिला है। यह संदेश अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की संभावित शुरुआत हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इससे पहले राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने संकेत दिया था कि दोनों देशों के बीच समझौता संभव है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के

- **ज्ञातव्य है कि इससे पहले तक ट्रंप के ईरान से वार्ता चलने के दावे का ईरान ने ही खंडन किया था।**

अनुसार, ईरानी अधिकारी ने कहा, "हमें मध्यस्थों के मार्फत अमेरिका से कुछ सार्थक संदेश मिले हैं। हम उनकी समीक्षा कर रहे हैं।" इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि अमेरिका और ईरान के बीच दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करने के संबंध में बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है।"

उन्होंने इसके बाद पत्रकारों से कहा कि दोनों पक्षों के बीच लगभग 15 मुद्दों पर सहमति बनी है। इसके बाद ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि "वे शांति चाहते हैं।" राष्ट्रपति ट्रंप ने सप्ताहांत में ईरान को दी गई धमकी भी वापस ले ली। उन्होंने कहा था कि 48 घंटे के अंदर अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता तो उसके बिजली संयंत्रों पर हमला किया जाएगा।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने शुरू में इस बात से इनकार किया था कि दोनों देशों के बीच कोई बातचीत चल रही है। अब ट्रंप के बयानों से यह उम्मीद जगी कि सैन्य संघर्ष अब खत्म होने के करीब हो सकता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और अमेरिका के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। बावजूद इसके, ऐतिहासिक रूप से वे एक-दूसरे से अप्रत्यक्ष रूप से ही बातचीत कर रहे हैं।

सऊदी अरब चाहता है ईरान पर हमले जारी रहें

वॉशिंगटन, 24 मार्च। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से कहा है कि ईरान के खिलाफ जंग जारी रखी जाए। उनके मुताबिक, यह मिडिल ईस्ट को बदलने का एक बड़ा मौका है। यह दावा न्यूयॉर्क टाइम्स ने किया है।

अखबार ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। क्राउन प्रिंस ने पिछले हफ्ते ट्रम्प से बातचीत की थी और कहा था कि अमेरिका को ईरान की मौजूदा सरकार को खत्म कर देना चाहिए।

उनका मानना है कि ईरान खाड़ी देशों के लिए लंबे समय का खतरा है और इस खतरे को सिर्फ शासन बदलकर ही खत्म किया जा सकता है।

लेकिन सऊदी सरकार ने इन रिपोर्ट्स को खारिज किया है। उसने

- **वहां के क्राउन प्रिंस ने पिछले सप्ताह ट्रंप से कहा कि ईरान की मौजूदा सरकार को खत्म कर देना चाहिए।**

कहा कि सऊदी अरब हमेशा इस संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है और उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है।

इस बीच, सऊदी और अमेरिकी अधिकारियों को चिंता है कि अगर युद्ध लंबा चला, तो ईरान सऊदी तेल ठिकानों पर बड़े हमले कर सकता है और अमेरिका एक लंबी लड़ाई में फंस सकता है।

ईरान के शीर्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दुलमुल हैं। कुछ मौकों पर उन्होंने हमलों को ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जरूरी बताया, वहीं कई अन्य जगहों पर इसे क्षेत्रीय युद्ध को टालने के लिए पूर्व निर्धारित कदम बताया। इस बदलते रुख ने आलोचना को जन्म दिया है कि प्रशासन के पास स्पष्ट रणनीतिक दृष्टिकोण की कमी है।

आंतरिक मतभेद के संकेत देते हुए, ट्रंप ने यह भी खुलासा किया कि उपराष्ट्रपति जेडी वैंस सैन्य कार्रवाई के खास समर्थक नहीं थे, हालांकि वेंस ने सार्वजनिक रूप से कोई विरोध नहीं जताया है। यह बयान प्रशासन के भीतर संभावित मतभेदों की ओर इशारा करता है, जबकि वॉशिंगटन बाहर से एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रहा है।

हमले पर ईरान की प्रतिक्रिया कितनी व्यापक और घातक हो सकती है, इसका सही आकलन नहीं हुआ। ट्रंप ने स्वीकार किया कि अमेरिका ने यह उम्मीद नहीं की थी कि तेहरान खाड़ी देशों पर जवाबी हमले कर देगा। इन हमलों ने संघर्ष के भौगोलिक दायरे को बढ़ा दिया है और व्यापक क्षेत्रीय युद्ध की आशंका को जन्म दिया है। ईरान के बाद के कदम, जिनमें होर्मुज़ स्ट्रेट में आवाजाही को प्रभावी रूप से बाधित करना शामिल है, ने वैश्विक ऊर्जा बाजार और व्यापार मार्गों को झकझोर दिया है।

ट्रंप ने अपने रुख में उल्लेखनीय बदलाव करते हुए सोमवार को ईरान के बिजली संयंत्रों और ऊर्जा ढांचे हमला करने में अस्थायी विराम की घोषणा की। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किए गए बयान में उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन ने ऐसे सभी सैन्य हमलों को पांच दिनों के लिए टालने का फैसला किया है, जो तेहरान के साथ चल रही वार्ताओं में प्रगति पर निर्भर करेगा।

ट्रंप ने कहा, "मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले दो दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच बहुत अच्छी और सकारात्मक वार्ता हुई, जो मध्य पूर्व में हमारी शत्रुता के पूर्ण समाधान की दिशा में एक कदम है। उन्होंने आगे कहा कि यह विराम बातचीत के "रचनात्मक" माहौल के आधार पर लिया गया है, जिसके पूरे सप्ताह जारी रहने की उम्मीद है।

यह घोषणा एक संभावित कूटनीतिक अवसर की ओर संकेत करती है, हालांकि संघर्ष अभी भी अस्थिर बना हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है कि यह पांच दिन का समय स्थायी तनाव-नियंत्रण की ओर बढेगा या या सिर्फ एक सामरिक विराम साबित होगा।

संघर्ष की शुरुआत 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरानी ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों से हुई थी, जिसमें कथित तौर पर कई वरिष्ठ अधिकारियों की मौत हुई थी। इसके बाद स्थिति तेजी से बिगड़ती गई, जिसमें जवाबी कार्रवाई, समुद्री व्यापार में बाधाएं और पूरे क्षेत्र में नागरिक व सैन्य हताहतों की संख्या में वृद्धि शामिल है।

फिलहाल, ट्रंप का नैरेटिव को फिर से संतुलित करने का प्रयास, प्रशासन के भीतर जिम्मेदारी बांटने और वार्ता के लिए खुलापन दिखाने के जरिए, घरेलू दर्शकों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी ध्यान में रखकर किया गया प्रतीत होता है। लेकिन जैसे-जैसे संघर्ष जारी है और इसके प्रभाव वैश्विक बाजारों तक फैल रहे हैं, अमेरिकी रणनीति की विश्वसनीयता और स्पष्टता पर सवाल बने रहने की संभावना है।

ग्रेजुएट जवानों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थी, यानी उन्हें अधिकारी बनने में कुल चार साल लगते थे। हालांकि, 12वीं पास जवानों के लिए इस व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सोनिया गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनकी देखरेख कर रही है। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं में उनकी सेहत को लेकर चिंता का माहौल है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

उदयपुर आईजी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संरक्षक कुकी बाई को भी आरोपी बनाकर मुकदमा दर्ज कर लिया। इसके बाद 17 नवंबर 2025 को गोपाललाल पर भी ज़मीन हड़पने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

एफ.आई.आर. में गोपाललाल भील का आरोप है कि उसके द्वारा खरीदी हुई बेशकीमती जमीन को जबरन बिकवाने के लिए हेमंत शर्मा ने उसे यूनिवर्सिटी गेस्ट हाऊस में बंधक बनाकर डराया-धमकाया। वहां अभियुक्त हेमंत शर्मा ने उसे जान से मारने की धमकियां दीं, जिन खातेदारों से मैने जमीन खरीदी थी, उन्हें भी पिण्डवाडा से हैडकांस्टेबल नीतेश मेनारिया और सुमेर झाकड़ और उनके पुलिस जाब्ते ने जबरदस्ती उठाकर यूनिवर्सिटी गेस्ट हाऊस में बंधक बना लिया। इसके बाद 3 दिसंबर 2025 को आरोपी हेमंत शर्मा के वकील ने उसके द्वारा खरीदी हुई जमीन को बेचने के एग्रीमेंट पर डरा- धमकाकर हस्ताक्षर करवा लिए।

एफ.आई.आर. में गोपाललाल भील का कहना है कि उसने जिस ज़मीन को 2.09 करोड़ रुपए में खरीदा था, उसकी जबरन हेमंत शर्मा के डमी खातेदार गुमानाराम के नाम पर रजिस्ट्री करवा दी गई। आरोप है कि उदयपुर पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) गौरव श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक राजेश यादव, सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण, हैडकांस्टेबल नीतेश मेनारिया और कांस्टेबल सुमेर झाकड़ समेत, अन्य पुलिसकर्मियों ने हेमंत शर्मा का पूरा साथ दिया।

ट्रंप ने मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईरान युद्ध को सुलझाने के प्रयासों में खुद को प्रमुख मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है।

यह बातचीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि 28 फरवरी को ईरान और अमेरिका-इज़रायल गठबंधन के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद, दोनों नेताओं के बीच यह पहली सीधी बातचीत है। बढ़ते तनाव के बीच, इसे एक नए कूटनीतिक संवाद की शुरुआत माना जा रहा है।

पश्चिम एशिया संकट पर आज सर्वदलीय बैठक

केन्द्र सरकार की पहल पर संसद परिसर में बैठक आयोजित होगी

नई दिल्ली, 24 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लेकर केन्द्र सरकार ने बुधवार शाम 5 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक संसदीय सौंध (पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी) में होगी। बैठक में सभी दलों के सदन के नेताओं को आमंत्रित किया जाता है। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के भारत पर पड़ने वाले असर पर बात होगी। साथ ही, घरेलू गैस (एलपीजी) की आपूर्ति और अस्थिर बाजार स्थितियों पर भी सरकार विपक्ष के साथ चर्चा करेगी। लेकिन सरकार की मुखर आलोचना करने वाले विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बैठक में सम्मिलित होने की उम्मीद कम ही है। राहुल गांधी ने स्वयं मीडिया से बातचीत में कहा है कि वे

- **विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस, पश्चिम एशिया संकट से निपटने के मुद्दे पर सरकार के मुखर आलोचक हैं पर चर्चा है कि राहुल गांधी बैठक में शामिल नहीं होंगे।**

पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार केरल जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे पर सरकार के रुख की आलोचना करते हुए जल्द से जल्द सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी। मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पश्चिम एशिया संघर्ष से निपटने के सरकार के तरीके पर निशाना साधा।

राज्यसभा में सांसद जॉन ब्रिटास ने 2003 के उस संसदीय प्रस्ताव का हवाला दिया, जिसमें इराक युद्ध की निंदा की गई थी, और सरकार से ईरान के मामले में भी इसी तरह का रुख अपनाने की अपील की। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में भारत की ऊर्जा सुरक्षा और पश्चिम एशिया संघर्ष के व्यापक प्रभावों पर बात की। उन्होंने सभी राज्यों से केन्द्र के साथ मिलकर काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन समय में यह जरूरी है कि संसद का उच्च सदन शांति और संवाद का एकजुट संदेश दे।

'धनखड़ के ईस्तीफे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"अनलाइकली पैराडाइज़" के अपडेटेड अंग्रेजी संस्करण में राउत ने लिखा है कि धनखड़ को जांच एजेंसियों की धमकी देकर इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि एनडीए सरकार को उनके "स्वतंत्र फैसले" पसंद नहीं थे। इस पुस्तक के विमोचन समारोह में पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल सिब्बल, आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविन्द केजरीवाल और तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ'ब्रायन मौजूद थे।

सोमवार को नई दिल्ली में विमोचित इस पुस्तक में राउत ने दावा किया कि ईडी ने धनखड़ के खिलाफ उनकी संपत्ति के सौदों और विदेशी खातों में भेजी गई रकम को लेकर एक फाइल तैयार की थी। राउत ने लिखा: "अफवाहें फैली थीं कि धनखड़ और उनकी पत्नी ने जयपुर स्थित अपना घर बेच दिया और उसकी कुछ राशि विदेश भेज दी। ईडी, जो उनकी गतिविधियों पर बारीक नज़र रख रही थी, ने कथित तौर पर पूर्व उपराष्ट्रपति के खिलाफ आरोप तय करने के लिए एक फाइल तैयार की। इस काम में अन्य जाँच एजेंसियां भी शामिल थीं। जब मोदी सरकार के खिलाफ धनखड़ के स्वतंत्र राजनीतिक कदमों की चर्चा होने लगी, तो ईडी ने कथित तौर पर यह फाइल उनके सामने

- **राउत ने आरोप लगाया कि सरकार इसी प्रकार से देश के राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के खिलाफ भी ईडी से फाइल्स तैयार करवाती है।**

रखा और इस्तीफा दने के लिए दबाव बनाया।" राउत ने यहाँ तक आरोप लगाये हैं कि ईडी का प्रभाव न्यायाधीशों और यहां तक कि भारत के राष्ट्रपति के कामकाज तक फैला हुआ है।

धनखड़ के इस्तीफे के तुरंत बाद, राजनीतिक हलकों में यह चर्चा थी कि उनके अचानक पद छोड़ने का तत्काल कारण दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया शुरू करने से संबंधित उनकी कार्यवाही थी। धनखड़ ने यह कदम विपक्ष द्वारा लाए गए प्रस्ताव के सिलसिले में उठाया था। ज्ञातव्य है कि मार्च 2025 में उनके आवास से बड़ी मात्रा में अधजली नकदी मिलने के बाद, जस्टिस वर्मा विवादों में आ गए थे।

'भाजपा आई तो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बंगालियों ने मछली को नहीं चुना, बल्कि भौगोलिक स्थिति ने यह तय किया कि बंगाली मछली खाएं। आज का बंगाल दुनिया के सबसे बड़े नदी डेल्टा में स्थित है, जहां विभिन्न प्रकार की मछलियां प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं। स्वाभाविक रूप से मछली भोजन का हिस्सा बन गई और चावल, जो इस क्षेत्र की मुख्य फसल है, के साथ इसका मेल हुआ। प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर यह संयोजन यहां की नम जलवायु के अनुकूल है और एक मुख्य आहार है। लेकिन मछली की भूमिका सिर्फ खाने तक सीमित नहीं है।

बंगाल की संस्कृति में मछली को शुभ माना जाता है और यह शादी-विवाह व अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों का हिस्सा होती है। बंगाली कैलेंडर का सबसे बड़ा उत्सव, दुर्गा पूजा, भी मांसाहारी व्यंजनों के बिना अधूरा माना जाता है।

समय-समय पर सोशल मीडिया पर बंगालियों के खान-पान और हिंदू त्योहारों के दौरान मांसाहार को लेकर बहस छिड़ती रहती है। लेकिन, इस समुदाय के लिए यह उसकी संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप है।

जब से भाजपा ने बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत की है और मुख्य विपक्ष के रूप में उभरी है, तृणमूल कांग्रेस का उसके खिलाफ मुख्य हथियार उसके "बाहरी" होने का नैरेटिव रहा है। ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के नेताओं ने भाजपा को बंगाल में एक ऐसी "बाहरी" ताकत के रूप में पेश करने की कोशिश की है, जो राज्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को नहीं समझती।

तृणमूल ने कई राज्यों में भाजपा सरकारों द्वारा कई प्रकार के मीट, जैसे बीफ आदि पर लगाए गए प्रतिबंधों का मुद्दा उठाया है और दावा किया है कि सत्ता में आने पर यह पार्टी बंगालियों के खान-पान पर भी सख्ती कर सकती है। बनर्जी ने बार-बार भाजपा पर "खाद्य नियंत्रण की राजनीति" करने का आरोप लगाया है और चेतावनी दी है कि अगर वे सत्ता में आए तो राज्य में मछली और मांस पर प्रतिबंध लगा देंगे। ज्ञातव्य है कि बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा था कि बंगाल में मांस की खुलेआम बिक्री पर रोक लगा दी जाएगी। ममता बनर्जी ने सिन्हा के बयान को लेकर कहा है कि "वे बंगाल में मछली और मांस पर प्रतिबंध लगा देंगे, (जबकि) बंगाल मछली और चावल पर ही जीवित है।"

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908